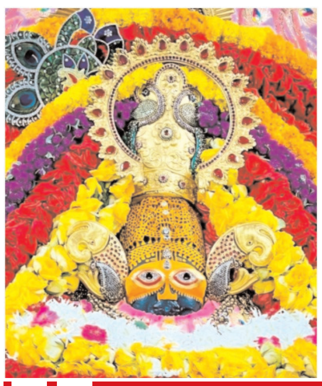

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:281। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (मंगलवार) 02 जून 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

देशभर में हीटवेव खत्म, बारिश से तापमान गिरा:राजस्थान के जैसलमेर में रेतीला तूफान

●उत्तराखंड के चंपावत में नदी में फंसे 50 लोगों का रेस्क्यू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश और बादलों के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। कई राज्यों में बारिश और आंधी के चलते मौसम में बदलाव आया है। राजस्थान के कई हिस्सों में लगातार दूसरे दिन धूल भरी आंधी चली, जिससे तापमान में गिरावट आई। जैसलमेर में रेतीला तूफान आया। इससे विजिबिलिटी पर असर हुआ, हालांकि किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। राज्य के फलौदी में अधिकतम तापमान 42.6°C रहा। उत्तर प्रदेश के बलिया में 34.4mm और मुरादाबाद में 21.8mm बारिश हुई। लखनऊ में भी 2.4mm बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 36.3एष्ट रहा, जो सामान्य से 3.9°C कम है। न्यूनतम तापमान 24.7°C रहा। उत्तराखंड में भारी बारिश और खराब मौसम के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा। चंपावत के श्री रीठा साहिब गुरुद्वारे के वार्षिक जोड़ मेले के दौरान उफनती नदी में 50 से ज्यादा श्रद्धालु फंस गए, जिन्हें बाद में रेस्क्यू किया गया।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

2 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान के कुछ हिस्सों में 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं चल सकती है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी तेज हवा चलने और बिजली गिरने की आशंका है।

तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम और कर्नाटक में कई जगहों पर बारिश का अनुमान जताया गया है। कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी बारिश और आंधी-तूफान का दौर जारी रहने की संभावना है।

3 जून: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्तिथि रह सकती है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश के बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश और आंधी-तूफान का असर रहेगा।

मानसून 4 जून तक केरलम पहुंचेगा

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है।

IMD के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है।

भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ

●दिव्यास्त्र मार्क-1 का भरोसेमंद प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। अब भारत में 'दिव्यास्त्र' ड्रोन बनाने का रास्ता साफ हो गया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरूरतों को देखते हुए

●जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान में मोबाइल लॉन्चर से किया गया परीक्षण

लॉन्ग रेंज ड्रोन विकसित करने की कोशिशों में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भारत के स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को बढ़ावा देते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ की डिफेंस स्टार्टअप कंपनी होवरइट ने दिव्यास्त्र मार्क-1 विकसित करके

सफल परीक्षण भी कर लिया है। राजस्थान के जोधपुर में 50 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रेगिस्तानी तापमान और तेज हवाओं में टेस्ट किए जाने पर इस प्लेटफ़ॉर्म ने मुश्किल फील्ड स्थितियों में भी भरोसेमंद प्रदर्शन दिखाया। कंपनी के अनुसार दिव्यास्त्र मार्क-1 ने अपने ऑपरेशनल प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरे किए, जिसमें वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई लॉन्च, लाइव आईएसआर मिशन और टर्मिनल अटैक प्रोफाइल शामिल थे। इस प्रदर्शन के हिस्से के तौर पर दिव्यास्त्र मार्क-1 यूएवी को एक वाहन पर लगे मोबाइल लॉन्चर से कई बार सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इससे प्लेटफॉर्म की तेजी से तैनात होने की क्षमता, युद्ध के मैदान में गतिशीलता और जमीनी हालात में टैक्टिकल लॉन्च की तैयारी का प्रदर्शन हुआ। इस अभ्यास ने ऑपरेशनल माहौल में गतिशील आईएसआर और टोही मिशनों में मदद करने की यूएवी की क्षमता को भी और पुख्ता किया।

जल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए 'महा ऑन वाटर' कार्यक्रम शुरु, इसरो से एमओयू

●जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जल संसाधन प्रबंधन, पेयजल सुरक्षा और जल संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'मिशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ हाई-इम्पैक्ट एरियाज फॉर वॉटर' (महा ऑन वाटर) कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस महत्वाकांक्षी पहल के तहत जल शक्ति मंत्रालय और राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) संयुक्त रूप से 200 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।

जल शक्ति मंत्रालय ने सोमवार

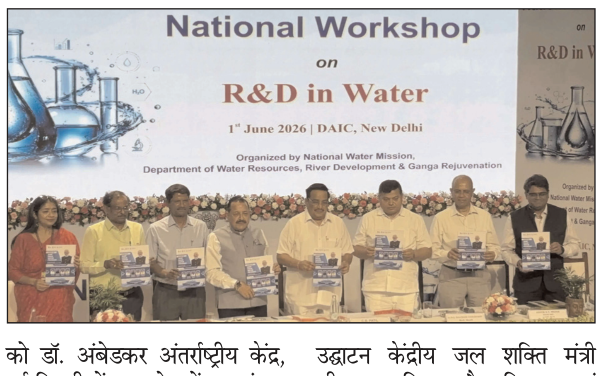

को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में जल क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी और वी सोमन्ना भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पाद एवं प्रोटोटाइप विकास के लिए कंपनियों और स्टार्टअप्स को आमंत्रित भी किया गया है। साथ ही जल शक्ति मंत्रालय और इसरो के बीच उपग्रह आधारित जल अनुसंधान, जल गुणवत्ता निगरानी, नदी प्रवाह विश्लेषण तथा जल संरक्षण तकनीकों के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

भाजपा ने नागेंद्र नाथ को बनाया राष्ट्रीय संगठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का राष्ट्रीय संगठक (वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय मुख्यालय के प्रभारी अरुण सिंह ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि नागेंद्र नाथ त्रिपाठी को पार्टी का नया राष्ट्रीय संगठक नियुक्त किया गया है। ये नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उनका केंद्र दिल्ली होगा। भाजपा में यह पद नया है, जिसका सृजन वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं की समस्या, सुझाव सुनने के लिए किया गया है। इससे पहले वह बिहार एवं झारखंड राज्यों के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के तौर पर कार्य कर रहे थे। इन दो राज्यों के संयुक्त दायित्व से पहले उन्होंने बिहार भाजपा के महामंत्री संगठन के रूप में कार्य किया। बिहार से पहले वे उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन थे।

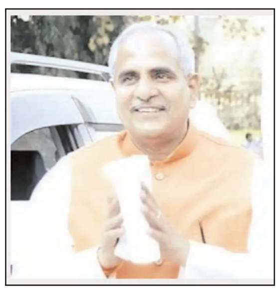

राजस्थान भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री बने अजेय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तराखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार को राजस्थान का नया प्रदेश संगठन महामंत्री नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू हो गयी है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से सोमवार को जारी बयान में इसकी जानकारी दी गयी है।राजस्थान के प्रदेश संगठन महामंत्री का यह पद जनवरी 2024 से खाली था। तत्कालीन संगठन महामंत्री चंद्रशेखर के तेलंगाना स्थानांतरण के बाद से राजस्थान भाजपा बिना संगठन महामंत्री के कार्य कर रही थी। भाजपा के एक पदाधिकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के मूल निवासी अजेय कुमार सितंबर 2019 से अब तक उत्तराखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन के रूप में कार्य कर रहे थे। उत्तराखंड में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और पार्टी कैडर को मजबूत बनाए रखने के लिए उनकी कार्यशैली की काफी तारीफ हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के नए रास्ते खोजने के मुद्दे पर हुई चर्चा

●रक्षा मंत्री राजनाथ ने ऑस्ट्रेलिया के डिप्टी पीएम और डिफेंस मिनिस्टर से बातचीत की

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली में अपने समकक्ष और ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ इंडिया-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग की सह-अध्यक्षता की। इस डायलॉग में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई प्रगति का आकलन करने के साथ ही आपसी सहयोग के नए रास्ते खोजने के मुद्दे पर चर्चा की गई। भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैं आपकी सरकार को हाल ही में जारी की गई 2026 की 'राष्ट्रीय रक्षा रणनीति' और 'एकीकृत निवेश कार्यक्रम' के लिए बधाई देना चाहूंगा। आज की चर्चा के दौरान मैं इस नीति दस्तावेज पर और भारत-ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंधों में विकास की संभावनाओं पर आपके विचारों को जानने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि हमने मिलकर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के

संपूर्ण दायरे की समीक्षा की और इसे और अधिक बढ़ाने के तरीकों और उपायों पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्रियों के संवाद से पहले नई दिल्ली पहुंचने पर ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री मार्लेस का स्वागत किया। बाद में रिचर्ड मार्लेस को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में तीनों सेनाओं की ओर से 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन की मौजूदगी में 'डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग' में रक्षा सहयोग की समीक्षा करने के साथ ही भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नए अवसरों की तलाश की गई।रिचर्ड मार्लेस का यह दौरा अक्टूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया में हुई पहली 'डिफेंस मिनिस्टर्स डायलॉग' के बाद हो रहा है और यह इंडिया-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बढ़ती रफ्तार को दिखाता है। ऑस्ट्रेलिया, भारत के खुले, सबको साथ लेकर चलने वाले और खुशहाल इंडो-पैसिफिक के विजन में एक अहम साझेदार है। यह दौरा भारत-ऑस्ट्रेलिया डिफेंस पार्टनरशिप की बढ़ती मजबूती को भी प्रदर्शित करता है।

पेपर लीक से ध्वस्त हो रही शिक्षा व्यवस्था : पवन खेड़ा

●युवाओं का भविष्य संकट में : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि देश में लगातार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है और कई छात्र मानसिक दबाव में आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं।

पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि देश में लगातार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं

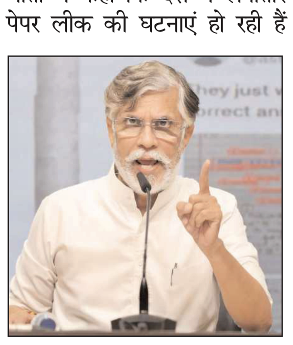

और कई परीक्षाओं में अनियमितताओं के चलते युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने एनईईटी, सीयूईटी, जेईई मेन और बीपीएससी जैसी परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं।

पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि सीबीएसई परीक्षा मूल्यांकन और स्कैनिंग प्रणाली में बदलाव के दौरान टेंडर प्रक्रिया में नियमों में संशोधन किया गया, जिससे एक विशेष कंपनी को लाभ पहुंचा। उन्होंने दावा किया कि पहले के टेंडर में टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल थीं, लेकिन बाद में शर्तों में बदलाव कर नए टेंडर में अलग कंपनी को अवसर मिला। खेड़ा ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन और स्कैनिंग प्रक्रिया में बदलाव के कारण पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। पुनर्मूल्यांकन के लिए छात्रों से शुल्क लिया जा रहा है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सरकारी खर्च में गिरावट आई है और इसे लेकर युवाओं के भविष्य पर संकट खड़ा हो रहा है। जहां देश के युवा परीक्षा और रोजगार से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं सार्वजनिक संदेशों में अलग विषयों पर चर्चा की जा रही है।

राष्ट्रपति 12 जून को पहुंचेंगी देहरादून

आईएमए की 13 की पासिंग आउटपरेड में होंगी शामिल

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की पासिंग आउट परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति 12 जून को दो दिवसीय दौर पर देहरादून पहुंचेंगी। सरकारी प्रवक्ता ने सोमवार को जानकारी दी कि राष्ट्रपति मुर्मु 12 और 13 जून को दो दिवसीय देहरादून दौरे पर रहेंगी। राष्ट्रपति 13 जून को सुबह 7:30 बजे अकादमी ओ परिसर में ही आईएमए के 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंगआउट परेड की सलामी लेंगी और प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले जेंटलमैन कैडेट्स को संबोधित करेंगी। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को सम्मानित भी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सैन्य अकादमी की पासिंग आउट परेड देश की प्रतिष्ठित सैन्य परंपराओं में शामिल है। यह समारोह उन कैडेट्स के लिए विशेष महत्व रखता है, जिन्होंने कठोर सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी बनने की योग्यता हासिल की है। राष्ट्रपति का यह दौरा उत्तराखंड और विशेष रूप से देहरादून के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जस्टिस विवेक रूसिया मप्र हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

●सीजे संजीव सचदेवा के उच्चतम न्यायालय में प्रमोशन के बाद कानून मंत्रालय ने जारी किया आदेश

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को नया कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, वर्तमान न्यायाधीश विवेक रूसिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव मप्र हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा की उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति होने के कारण हुआ है। इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया । नवनियुक्त कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक

रूसिया मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर के ही रहने वाले हैं। उनका जन्म 2 अगस्त 1969 को जबलपुर के कोतवाली क्षेत्र में हुआ था। उन्होंने विज्ञान में स्नातक (बीएसी) और फिर कानून की पढ़ाई (एल.एल.बी.) पूरी की। इसके बाद, 8 अगस्त 1992 को मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल ने उन्हें एक अधिवक्ता के रूप में नामांकित किया। उनके पिता स्वर्गीय प्रभाकर रूसिया भी मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के एक प्रतिष्ठित और वरिष्ठ अधिवक्ता थे। जस्टिस रूसिया ने अपने विधिक करियर की शुरुआत जबलपुर के ही दिग्गज विधि विशेषज्ञों स्वर्गीय पी. सदाशिवन नायर (वरिष्ठ अधिवक्ता), इंदिरा नायर (वरिष्ठ अधिवक्ता) और राजेंद्र मेनन (तत्कालीन प्रशासनिक न्यायाधीश, म.प्र. हाईकोर्ट) के मार्गदर्शन में एक सहयोगी अधिवक्ता के रूप में की थी।

भारत-म्यांमार संबंधों पर राष्ट्रपति मुर्मु का जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। पांच दिवसीय भारत दौरे पर भारत आए म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने अपनी भारतीय समकक्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स हैंडल से इसकी जानकारी दी गई। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने

कहा कि भारत और म्यांमार के बीच साझा बौद्ध विरासत और सदियों पुराने पीपल-टू-पीपल कनेक्ट दोनों देशों की मित्रता को विशेष गर्मजोशी प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा, 'म्यांमार भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसे भारत का दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए प्रवेश द्वार माना जाता है।' राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्तों का उल्लेख किया। इससे पहले राष्ट्रपति ह्लाइंग ने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और साझेदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीति में म्यांमार की विशेष भूमिका है। दोनों देशों के बीच व्यापार, संपर्क, क्षमता निर्माण, सुरक्षा सहयोग और विकास परियोजनाओं के क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है।

फर्जी वीडियो और तस्वीरों से बदनाम करने वाली 'क्राइम गैंग' बेनकाब, महानगर मेट्रो न्यूज़ की खुली चुनौती!

खुद दागदार छवि वाले समाज को क्या ज्ञान देंगे? जैन समुदाय हुआ एकजुट, अब बंद होगी झूठ की दुकानें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सच्चाई, अहिंसा और सदाचार का मार्ग दिखाने वाले पूज्य जैन मुनियों और जैन संस्कृति के खिलाफ सोशल मीडिया पर एक बहुत बड़ा और घिनौना षड्यंत्र रचा जा रहा है। कुछ अपराधी और कुंठित मानसिकता के लोग फर्जी वीडियो, डॉक्टर्ड तस्वीरों और मनगढ़ंत दावों के जरिए जैन संतों को बदनाम करने और समाज को भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इस पूरे प्रोपेगैंडा के पीछे मुख्य रूप से जगत पारेख, हार्दिक हुडिया, विक्रम बाफना और कल्पेश सिंघवी जैसी आपराधिक और षड्यंत्रकारी मानसिकता वाले चेहरों का नाम सामने आया है।

खुद क्रिमिनल केस के आरोपी, समाज को देने चले हैं ज्ञान!

महानगर मेट्रो न्यूज़ पूरी जिम्मेदारी के साथ यह पर्दाफाश करता है कि इस पूरी साजिश का सरगना जगत पारेख है, जो खुद कई गंभीर क्रिमिनल केसेज (आपराधिक मामलों) में फंसा हुआ है। जिसकी खुद की छवि कानून और समाज की नजरों में दागदार है, वह आज जैन संतों की पवित्रता पर उंगली उठाने की धृष्टता कर रहा है। त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति साधु संतों को 'कुसाधु' कहने वाले ये लोग पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखें। इनका न तो जैन संघ से कोई वास्ता है और न ही सागर समुदाय से कोई लेना-देना है। ये लोग सिर्फ और सिर्फ अपने निजी स्वार्थ, जबरन वसूली या फिर समाज में विद्वेष फैलाने के उद्देश्य से इस पवित्र परंपरा पर कीचड़ उछाल रहे हैं।

महानगर मेट्रो न्यूज़ की खुली चुनौती: सबूत है तो सामने लाओ!

'महानगर मेट्रो न्यूज़' इन सभी षड्यंत्रकारियों को सरेआम और खुली चुनौती देता है कि अगर तुम्हारे दावों में रत्ती भर भी सच्चाई है, तो सोशल मीडिया के पीछे छुपकर फर्जी एडिटिंग करने के बजाय असली सबूत दुनिया के सामने पेश करो! बिना किसी तथ्य के जैन समुदाय और संतों को बदनाम करने का यह गंदा धंधा अब और नहीं चलने दिया जाएगा।

एकजुट हुआ जैन समाज, बंद होगी झूठ की दुकानें

जैन मुनि अहर्निश धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं और समाज को सही राह दिखा रहे हैं। इस दुष्प्रचार का असर यह हुआ है कि अब पूरा जैन समुदाय इस अन्याय के खिलाफ एक मंच पर एकजुट हो चुका है। समाज के इस नवजागरण से इन फर्जी समाजसेवियों की दुकानें बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

सभ्य समाज के लिए संदेश:

धर्म और संस्कृति समाज की रीढ़ होते हैं। किसी भी ऐरे-गैरे अपराधी के बहकावे में आकर अपनी आस्था को डिगने न दें। सोशल मीडिया के इस दौर में किसी भी वीडियो या फोटो पर आंख मूंदकर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता और उसे फैलाने वाले की पृष्ठभूमि (बैकग्राउंड) जरूर जांच लें।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। जैन समाज की यह एकजुटता हर उस ताकत को कुचलने के लिए तैयार है जो धर्म और संस्कृति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगी।

इदर तालुका पंचायत के सामने सीवर लाइन ओवरफ्लो, पंचायत परिसर में गंदा पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इदर तालुका। पंचायत के सामने सीवर का पानी ओवरफ्लो पंचायत में फैला गंदा पानी, बदबू से व्यापारी परेशान इदर तालुका पंचायत के सामने सीवर लाइन ओवरफ्लो, पंचायत परिसर और सड़क पर गंदा पानी फैल गया। जिससे पूरे इलाके में बहुत ज्यादा बदबू फैल गई है और आस-पास के व्यापारियों के साथ-साथ पंचायत में आने-जाने वाले लोग भी परेशान हो रहे हैं। तालुका पंचायत के पास सालों पुरानी सीवर लाइन है। हालांकि इस सीवर लाइन पर अभी काम चल रहा है, लेकिन पुरानी लाइन के ओवरफ्लो होने से यह स्थिति पैदा हुई है। सीवेज का पानी सड़क पर आने से तालुका पंचायत परिसर चमगादड़ बन गया। इस इलाके के दुकानदारों को गंदे पानी और बदबू से काफी परेशानी हो रही है। लोगों को तालुका पंचायत आने-जाने के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे सफाई और स्वास्थ्य का मुद्दा उठ खड़ा हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम की टीम ने सीवर लाइन की मरम्मत के लिए तुरंत कदम उठाए हैं। हालांकि, स्थानीय व्यापारी और नागरिक मांग कर रहे हैं कि इस सीवर लाइन की सफाई और मरम्मत का काम जल्दी पूरा किया जाए।

साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तालुका के गंभोई में LCB टीम ने बीयर के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। LCB ने गंभोई में बीयर के साथ दो को गिरफ्तार किया इको में बीयर के 264 टिन मिले, पांच के खिलाफ मामला दर्ज LCB टीम ने साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर तालुका के गंभोई में नाकाबंदी की। पुलिस ने एक इको गाड़ी से बीयर के 264 टिन के साथ दो लोगों को पकड़ा। इस मामले में गंभोई पुलिस स्टेशन में कुल पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। साबरकांठा LCB PI डी.सी. सकारिया ने बताया कि LCB टीम गंभोई पुलिस स्टेशन इलाके में शराबबंदी वॉच पर पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी बीच, नरेंद्रभाई को जानकारी मिली कि चार लोग एक सफेद मारुति इको कार (नंबर GJ-v}-BE-3340) में बीयर भरकर हिम्मतनगर हाईवे रोड से भिलोडा होते हुए अहमदाबाद जा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर, LCB टीम ने गंभोई पुलिस स्टेशन के सामने, गंभोई ओवरब्रिज के नीचे नाकाबंदी की। जब जानकारी वाली गाड़ी आई, तो उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन गाड़ी के ड्राइवर ने गाड़ी नहीं रोकी और थोड़ा आगे जाकर गाड़ी छोड़कर भागने लगा, और उसमें बैठे लोग भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके उनमें से दो को पकड़ लिया, जबकि गाड़ी का ड्राइवर और उसके बगल में बैठा एक और आदमी भाग गया। ज़ब्त की गई इको कार की जांच करने पर 11 बीयर बॉक्स में कुल 264 टिन बीयर मिली, जिसकी कीमत 58,080 रुपये थी। इसके अलावा, 9,000 रुपये कीमत के तीन मोबाइल फोन और 3,00,000 रुपये कीमत की एक इको कार बरामद की गई, जिससे ज़ब्त सामान की कुल कीमत 3,67,080 रुपये हो गई। गिरफ्तार आरोपियों में विजयनगर के वंथोल निवासी 30 वर्षीय मयूर संजाजी फूलाजी कटारा और राजस्थान के उदयपुर जिले के खेरवाड़ा निवासी 28 वर्षीय शंकरलाल कलाजी मांजी परमार शामिल हैं। इस मामले में फरार आरोपियों में खेरवाड़ा के मनोज मगनलाल दरंगा, वंथोल के प्रकाश लक्ष्मणभाई कटारा और अहमदाबाद में बीयर खरीदने आया एक अज्ञात व्यक्ति शामिल है। इन सभी पांचों आरोपियों के खिलाफ गंभोई पुलिस स्टेशन में शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से लेकर एयरपोर्ट, GIDC और नई रेलवे लाइन के प्रोजेक्ट्स के खिलाफ आदिवासी किसानों का मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद, दाहोद। गोविंद गुरु लिमडी तालुका में दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर हाईवे से प्रभावित 14 गांवों के आदिवासी किसानों और ज़मीन मालिकों ने राज्य अधिकारी और सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट झालोद को दो अलग-अलग याचिकाएं दीं हैं, जिसमें उनकी अलग-अलग मांगों को तुरंत पूरा करने की मांग की गई है। किसानों का कहना है कि कॉरिडोर हाईवे के लिए ज़मीन अधिग्रहण के चार साल बीत जाने के बाद भी, बुनियादी सुविधाओं और पेंडिंग मुआवज़े की समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकला है। किसानों ने याचिका में कहा है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी और प्रशासन द्वारा पहले दिए गए लिखित आश्वासन के बावजूद, उनकी कोई भी मुख्य मांग पूरी नहीं की गई है। जिसके कारण अब उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

3 जून को अधिकारियों के साथ मीटिंग की मांग

किसानों ने मांग की है कि 3 जून 2026 को प्रोविशियल ऑफिसर की अध्यक्षता में नेशनल हाईवे अथॉरिटी और सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में एक खास मीटिंग की जाए। मीटिंग के दौरान किसानों की मांगों पर हुए कामों की साफ जानकारी दी जाए और मौके पर जाकर जांच करके मुद्दों को सुलझाया जाए।

बिजली, सड़क और पानी की समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं

किसानों ने याचिका में कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं। मुख्य मुद्दा पिछले चार सालों से हाईवे की वजह से टूटे घरों की जगह नए घरों में बिजली कनेक्शन न होना है। किसानों का कहना है कि बिजली न होने से बच्चों की पढ़ाई पर भी गंभीर असर पड़ रहा है। इसके अलावा, बारिश के पानी की निकासी का सही सिस्टम न होने से खेतों में फसलें खराब हो रही हैं और घरों में पानी भर रहा है। याचिका में कहा गया हैपिंट,

---

'चमत्कार के नाम पर अंधविश्वास फैलाओगे तो जेल में डाल देंगे', जयंत पंड्या का खुला चैलेंज!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। एक बार फिर राजकोट की धरती पर साइंस और कथित चमत्कारों के बीच महायुद्ध की आशंका जताई जा रही है। राजकोट में होने वाली बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री उर्फ ??बाबा बागेश्वर की कथा को लेकर साइंस जत्थे ने पहले ही बिगुल फूंक दिया है। विज्ञान जत्था के प्रेसिडेंट जयंत पंड्या ने बाबा बागेश्वर को बहुत कड़े और जानलेवा शब्दों में खुली चुनौती देते हुए चेतावनी दी है कि अगर कहानियों के नाम पर जनअदालत भरकर अंधविश्वास फैलाने या दैवीय शक्तियों के नाम पर लोगों को गुमराह करने की कोई कोशिश हुई तो विज्ञान जत्था कानून के हथियार लेकर सीधे बाबा के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें सलाखों के पीछे डाल देगा। यह कहते हुए कि लोकतंत्र और कानून के राज में अंधविश्वास की कोई जगह नहीं है, जयंत पंड्या ने बड़े गुस्से में कहा है कि धर्म के नाम पर जुर्म करने वालों का हमारा विरोध जारी रहेगा। विज्ञान जत्था राजकोट में बाबा बागेश्वरी (बागेश्वर) के प्रोग्राम पर कड़ी नज़र रखेगा। अगर मीटिंग में जादू, भूत-प्रेत या बीमारी ठीक करने का कोई अंधविश्वासी दावा किया गया तो तुरंत सबूत इकट्ठा किए जाएंगे और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। विज्ञान जत्था की इस शेर दहाड़ के बाद बाबा के ऑर्गनाइज़र और भक्तों में काफी गर्मी है। राजकोट में विज्ञान जत्था पहले भी ऐसे मामलों में बड़े-बड़े ढोंगियों को बेनकाब कर चुका है, अब पूरे गुजरात की नज़र इस बात पर है कि बाबा बागेश्वर के खिलाफ यह जंग क्या नया रूप लेगी। एक तरफ बाबा के दिव्य दरबार की तैयारी चल रही है, तो दूसरी तरफ विज्ञान जत्था ने बाबा के 'चमत्कारों' को फ्लॉप करने के लिए कानूनी चक्रव्यूह तैयार कर लिया है!

मुख्यमंत्री का कड़ा संदेश: जनता से अशिष्ट व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस, दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेखित है कि कलेक्टर दुर्ग से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में श्री पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत है। इस संबंध में संभागायुक्त दुर्ग द्वारा श्री पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के तहत प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण रहना है तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो। नियम 3-क के खण्ड (क) के अनुसार, कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासन तंत्र आम नागरिकों के प्रति उत्तरदायी होता है, इसलिए प्रत्येक लोकसेवक द्वारा आम नागरिकों से शिष्ट व्यवहार को आचरण संहिता का महत्वपूर्ण घटक माना गया है। तदनुसार श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही एवं कदाचरण के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बदबूदार खाने में फफूंद को लेकर रूममेट्स में लड़ाई, 40 साल के आदमी की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वटवा। इलाके में सनसनीखेज घटना; पुलिस ने एक नाबालिग समेत 4 आरोपियों को पकड़ा, जो मोबाइल तोड़कर हत्या करने के बाद हरियाणा भाग गए थे अहमदाबाद के वटवा इलाके में एक चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली हत्या का मामला सामने आया है, जिसके बारे में सुनकर पूरा शहर हिल गया है। साथ रहने वाले रूममेट्स के बीच सिर्फ बासी खाने को लेकर हुआ मामूली झगड़ा इतना बढ़ गया कि एक व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। यह घटना इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि कोई इंसान छोटी सी बात पर कितना बेरहम हो सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक, वटवा इलाके के एक फ्लैट में इमरान गुलमरसुल शिंदा नाम के 40 साल के आदमी की लाश संदिग्ध हालत में मिली। वटवा पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो चौंकाने वाली बातें सामने आईं। पुलिस जांच में पता चला कि किचन में रखे बदबूदार खाने में फफूंद लगने को लेकर साथ रहने वाले रूममेट्स के बीच बहस हुई थी। इस मामूली झगड़े ने जल्द ही बड़ा रूप ले लिया और गुस्साए रूममेट्स ने मिलकर इमरान शिंदा पर हमला कर दिया और उसे मार डाला।कि कोई इंसान छोटी सी बात पर कितना बेरहम हो सकता है। इस सनसनीखेज हत्या को अंजाम देने के बाद, पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने मृतक और उनके मोबाइल फोन तोड़कर सबूत मिटाने की कोशिश की और लाश को लहूलुहान हालत में छोड़कर वहां से भाग गए। हालांकि, आरोपी कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सके। वटवा पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से हत्यारों का पीछा किया। आखिरकार, पुलिस ने इस जुर्म में शामिल तीन बालिग आरोपियों और एक नाबालिग को पलवल, हरियाणा से गिरफ्तार कर लिया है। अहमदाबाद पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है और इस घटना से पूरे वटवा इलाके में काफी हंगामा मचा हुआ है।

डिंडोली में सेल्फ-डिफेंस और स्पोर्ट्स फेस्टिवल का शानदार आयोजन, 51 पुलिस अधिकारियों को गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डिंडोली इलाके में सेल्फ-डिफेंस और स्पोर्ट्स फेस्टिवल का शानदार आयोजन सूरत के डिंडोली इलाके में वेदम इंटरनेशनल स्कूल में मार्शल आर्ट्स के फाउंडर मुकेश राठौड़ की लीडरशिप में सेल्फ-डिफेंस प्रोग्राम और रामा स्पोर्ट्स फेस्टिवल का शानदार आयोजन किया गया। प्रोग्राम में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और लोकल लोगों ने जोश के साथ हिस्सा लिया और प्रोग्राम को सफल बनाया। इस मौके पर कई तरह के स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन हुए, जिनमें शानदार प्रदर्शन करने वाले प्लेयर्स को ट्रॉफी और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, समाज और देश की सेवा में अहम योगदान देने वाले 51 पुलिस अधिकारियों को 'गैलेंट्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया और उनके काम की तारीफ की गई। प्रोग्राम के दौरान बच्चों के लिए एक खास प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी भी रखी गई। लकी ड्रा के ज़रिए चुने गए विनिंग बच्चों को आकर्षक प्राइज दिए गए, जिससे बच्चों में खास उत्साह दिखा। पूरे प्रोग्राम के दौरान डिसिप्लिन, स्पोर्ट्समैनशिप और सेल्फ-डिफेंस की अहमियत का मैसेज दिया गया। ऑर्गनाइज़र ने कहा कि ऐसे प्रोग्राम का मुख्य मकसद बच्चों और युवाओं में सेल्फ-डिफेंस के बारे में जागरूकता बढ़ाना, स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना और सामाजिक ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करना है। प्रोग्राम की सफलता में मौजूद सभी गणमान्य लोगों, माता-पिता, कॉम्पिटिटर और साथियों ने अहम भूमिका निभाई। आखिर में, ऑर्गनाइज़र ने सभी का शुक्रिया अदा किया और भविष्य में भी ऐसे प्रेरणा देने वाले और लोगों के हित में प्रोग्राम आयोजित करने का वादा किया।

नवा निकोल में गंगोत्री सर्कल के पास आधी सड़क पर सब्जी मंडी: हादसों और गंदगी से स्थानीय लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पूर्वी इलाके में डेवलप हो रहे नवा निकोल में गंगोत्री सर्कल के पास भरने वाली सब्जी मंडी अब स्थानीय निवासियों और गाड़ी चलाने वालों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। शाम होते ही यह मंडी धीरे-धीरे आधी सड़क पर फैल जाती है, जिससे ट्रैफिक जाम और अक्सर छोटे-मोटे हादसे होते रहते हैं। यहां हर दिन शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक भयानक ट्रैफिक रहता है। हद तो तब हो जाती है जब रात में मंडी बंद होने के बाद खराब सब्जियों से भरी लॉरियां और चटाई आम सड़क पर फेंक दी जाती हैं। इस गंदगी की वजह से आसपास की देव कृपा, दिव्य जीवन, लाइफ स्टाइल, सरोवर और प्रिय आंगन जैसी सोसायटियों के हज़ारों निवासियों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय पार्षदों, निगम और ट्रैफिक पुलिस से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई सही हल नहीं निकला है। जब हम शिकायत करते हैं तो प्रशासन की गाड़ियां एक-दो दिन के लिए आती-जाती हैं और अगले दिन से मंडी में फिर से चहल-पहल शुरू हो जाती है। नवा निकोल के पूर्व उम्मीदवार और सोशल एक्टिविस्ट कल्पेश लाठिया ने भी निगम की दोहरी पॉलिसी पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अगर कोई ईमानदार दुकानदार जो टैक्स देता है, उसके गेट के पास थोड़ा सा भी कचरा होता है, तो सुबह तुरंत नोटिस देकर दुकान सील कर दी जाती है, जबकि सड़क पर इतनी बड़ी गंदगी करने वालों पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। एक जागरूक नागरिक और सोशल एक्टिविस्ट होने के नाते कल्पेश लाठिया ने चुने हुए जनप्रतिनिधियों, निगम और ट्रैफिक पुलिस से विनम्र निवेदन किया है।

कौन अपनी ड्यूटी पूरी करने से पहले गायब हो जाता है

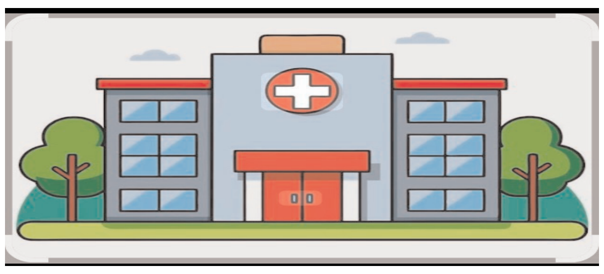

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। हददद दांता तालुका के कुछ गांवों में काम करने वाले कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को लेकर ग्रामीण इलाकों में काफी चर्चा हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ कर्मचारी तय समय पर ड्यूटी पर नहीं आते हैं और आरोप है कि वे समय से पहले हेल्थ सेंटर छोड़ देते हैं। लोकल लेवल पर यह भी चर्चा चल रही है कि कुछ CHOs ने झूठे एफिडेविट और गुमराह करने वाली जानकारी देकर सरकार से इंसेंटिव का पैसा लिया होगा। इस मुद्दे पर गांव वालों और हेल्थ सर्कल के बीच कई सवाल उठ रहे हैं। कुछ गांवों में गांव वालों ने शिकायत की है कि कुछ कर्मचारी दूर-दूर के शहरों से आने-जाने की वजह से हेल्थ सेंटर पर समय पर नहीं आते, जिससे आम मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोगों की मांग है कि डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करे और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

लाखों का जीवन बचाने वाली 108 एम्बुलेंस खुद हुई 'बीमार' अहमदाबाद के एस.जी. हाईवे पर दिखा हैरान करने वाला नज़ारा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जो कि गुजरात का सबसे व्यस्त और तेजी से भागता हुआ शहर है, वहां की सड़कों पर हर दिन हजारों-लाखों गाड़ियां दौड़ती हैं। शहर की धड़कन कहे जाने वाले एस.जी. हाईवे पर ट्रैफिक और रफ्तार का तालमेल हमेशा देखने को मिलता है। लेकिन हाल ही में इसी हाईवे पर एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने वहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति के कदमों और गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। यह दृश्य न सिर्फ अनोखा था, बल्कि अपने आप में एक बहुत बड़ी विडंबना को समेटे हुए था। गुजरात भर में चौबीसों घंटे बिना रुके, बिना थके दौड़कर लाखों लोगों की जिंदगी बचाने वाली हमारी 'चलती-फिरती अस्पताल' यानी 108 एम्बुलेंस खुद थक कर हांफती हुई नजर आई। कतरों और दुर्घटनाओं के समय सायरन बजाते हुए, हवा की गति से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली यह एम्बुलेंस अचानक आई एक तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते में ही दम तोड़ गई। अंततः स्थिति कुछ ऐसी बन गई कि जो वाहन दूसरों का जीवन बचाने के लिए सड़क पर राज करता है, उसे खुद अपनी 'सारवार' के लिए दूसरे वाहन का मोहताज होना पड़ा। तकनीकी खामी इतनी बड़ी थी कि एम्बुलेंस खुद चलने की स्थिति में नहीं थी। मजबूरन इस भारी-भरकम आपातकालीन वाहन को एक बड़े ट्रक के ऊपर लादकर गैरेज तक ले जाना पड़ा। जब एस.जी. हाईवे जैसे प्रतिष्ठित और अति-व्यस्त मार्ग से यह ट्रक, अपनी पीठ पर एम्बुलेंस को लादे हुए गुजर रहा था, तो वहां

मौजूद हजारों वाहन चालकों की आंखें फटी की फटी रह गईं। लोगों में इस नजारे को देखकर भारी आश्चर्य और कौतूहल था। हर कोई इस 'अनोखे दृश्य' की चर्चा कर रहा था और यह घटना पूरे शहर में एक बड़ा विषय बन गई। विडंबना और वास्तविकताः जब रक्षक को ही रक्षक की जरूरत पड़े यह घटना समाज के सामने एक बहुत ही दिलचस्प पहलू पेश करती है। हम अक्सर 108 एम्बुलेंस को एक 'सुपरहीरो' की तरह देखते हैं। जैसे ही दूर से एम्बुलेंस के सायरन की आवाज सुनाई देती है, भारी से भारी ट्रैफिक में भी लोग अपने आप किनारे होकर उसे रास्ता दे देते हैं। यह वाहन साक्षात् जीवन का प्रतीक बन चुका है। लेकिन एस.जी. हाईवे की इस घटना ने याद दिलाया कि आखिरकार एम्बुलेंस भी एक मशीन ही ह। लगातार उपयोग का असरः108 एम्बुलेंस सेवा का संचालन इतना सघन है कि ये गाड़ियां दिन-रात बिना इंजन बंद किए दौड़ती हैं। इंजन, ब्रेक, क्लच और अन्य यांत्रिक हिस्सों पर लगातार दबाव पड़ता है। मशीनों की अपनी सीमाएंः चाहे कोई मशीन कितनी भी उन्नत क्यों न हो, 'वियर एंड टियर'यानी घिसाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इलाज करने वाले का इलाजःजिस तरह एक डॉक्टर को भी कभी-कभी अस्पताल के बिस्तर पर लेटना पड़ता है, ठीक उसी तरह एम्बुलेंस को भी अपने इलाज के लिए 'गैरेज' रुपी अस्पताल जाना पड़ता है।

108 एम्बुलेंस सेवाः गुजरात और देश की 'लाइफलाइन'

इस घटना के बहाने हमें यह भी समझना होगा कि 108 एम्बुलेंस सेवा का हमारे समाज में कितना बड़ा योगदान है। यह केवल एक गाड़ी नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण 'प्री-हॉस्पिटल केयर सिस्टम'है।

1. जीवनदान का अतुलनीय रिकॉर्ड भारत के कई राज्यों, विशेषकर गुजरात में 108 आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल कर रख दी है। दिल का दौरा हो, सड़क दुर्घटना हो, या फिर किसी गर्भवती महिला की डिलीवरी का मामला हो, 108 ने हमेशा समय पर पहुंचकर मृत्यु दर को कम करने में जादुई भूमिका निभाई है।

2. चलता-फिरता आईसीयू

जब ऐसी हाई-टेक मशीन से लैस कोई गाड़ी बीच सड़क पर खड़ी हो जाए, तो जनता का हैरान होना स्वाभाविक है। आपातकालीन वाहनों के रखरखाव में कई बड़ी चुनौतियां होती हैः कठोर कार्य परिस्थितियां एम्बुलेंस को कई बार उबड़-खाबड़ रास्तों, बारिश, बाढ़ और भयंकर गर्मी में लगातार चलना पड़ता है। इससे वाहन के सस्पेंशन और इंजन पर भारी दबाव पड़ता है। प्रीवेंटिव मेंटेनेंस हालाँकि इन वाहनों का समय-समय पर सर्विसिंग किया जाता है,

धर्मेन्द्र बम बनें जैन साहित्य संगम-मध्यप्रदेश के अध्यक्ष

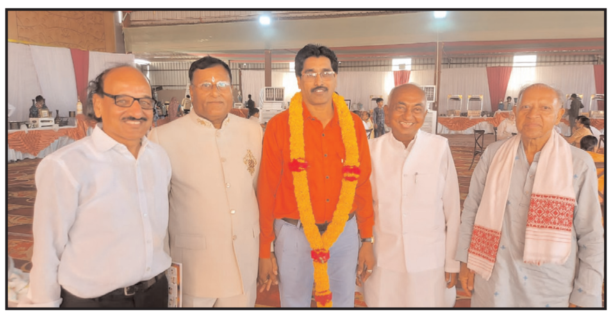

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. श्री सी. एम. मेहता के सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोजित कर्मयोगी अभिनंदन समारोह में जावरा पधारे जैन साहित्य संगम के पदाधिकारियों की बैठक में सर्वानुमति से श्री धर्मेन्द्र बम-नागदा जं. को मध्यप्रदेश इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया । श्री धर्मेन्द्र बम के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ गीतकार श्री कैलाश जैन 'तरल' -? उज्जैन ने रखा, इसका अनुमोदन वरिष्ठ साहित्यकार श्री यशवंत भंडारी 'यश '-झाबुआ ने किया। उल्लेखनीय है कि श्री बम जैन साहित्य संगम के समर्पित सदस्य है । आप जैन सोश्यल ग्रुप-नागदा जं. के अध्यक्ष पद सेवाएँ दे रहे हैं । इस अवसर पर वरिष्ठ संरक्षक श्री राजेन्द्र कांठेड, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप जैन 'हर्षदर्शी ', श्रीमती चंदा डाँगी, श्री पुखराज बोहरा 'पथिक', श्री जैनेन्द्र खमेसरा, श्री अजय डाँगी आदि उपस्थित थे । धर्मेन्द्र बंम के मनोनयन पर अनेक साहित्यकारों एवं इष्टमित्रों ने बधाइयां दी । नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट।

-9179662633

2027 की जनगणना में OBC कॉलम की मांग को लेकर एप्लीकेशन जमा की गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। आज, सोमवार, 01/06/2026 को, बड़ी संख्या में सर्वे कोली समाज और OBC समाज के नेता देवगढ़ बारिया मांधाता सर्कल पर इकट्ठा हुए और 2027 में शुरू होने वाली जाति आधारित जनगणना में OBC /अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए एक अलग कॉलम जोड़ने की मांग की और प्रांतीय अधिकारी और जनगणना अधिकारी, मालदार देवगढ़ बारिया को एक एप्लीकेशन जमा की। अखिल भारतीय कोली समाज (रजिस्टर्ड) नई दिल्ली, जिला दाहोद अध्यक्ष सुरसिंह हीराभाई चौहान और तालुका अध्यक्ष निर्मल सिंह चौहान के नेतृत्व में जमा की गई एप्लीकेशन में कहा गया है कि अभी जनगणना फॉर्म में केवल स्ट और स्ज्ञ का ही ऑप्शन है। देश में 1931 से OBC की जाति के हिसाब से गिनती नहीं की गई है। संविधान के आर्टिकल 340 के अनुसार, OBC के एजुकेशनल और सोशल उत्थान के लिए सही डेटा ज़रूरी है।

याचिका की मुख्य मांग

जनगणना फॉर्म में ये 5 साफ़ ऑप्शन - SC, ST, OBC जनरल और अन्य - जोड़े जाने चाहिए। OBC के लिए एक अलग कॉलम होना चाहिए जिसमें सब-कास्ट के हिसाब से डिटेल्ड रजिस्ट्रेशन हो। अगर OBC कॉलम नहीं जोड़ा गया, तो समुदाय अपनी मर्ज़ी से जनगणना से दूर रहेगा। नेताओं ने कहा कि देश में OBC की आबादी सबसे ज़्यादा होने के बावजूद, उन्हें रिप्रेजेंटेशन और सोशियो-इकोनॉमिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है। उन्होंने राज्य सरकार को बताने की भी उम्मीद जताई और मांग की कि सरकार OBC जनगणना में तुरंत बदलाव करे। कार्यक्रम में मौजूद सभी नेताओं ने एक आवाज़ में कहा कि 'हमारा मकसद समाज की एकता और अखंडता बनाए रखना और OBC की सही गिनती करना है। '

गौतम खट्टर 48 घंटे में गिरफ्तार, तो धर्मांतरण मामले में आरोपी निदा खान अभी तक बाहर क्यों?

भेदभाव और हिंदू को गुमराह करने के आरोपों के साथ जागरूकता की अपील

महानगर मेट्रो ब्यूरो

एक गंभीर और ज्वलंत मुद्दा इस समय सोशल मीडिया और आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। गौतम खट्टर, जिन्होंने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर तथ्य और अपने विचार पेश किए थे, उन्हें पुलिस ने सिर्फ 48 घंटे के कम समय में गिरफ्तार कर लिया है। इस तेज कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती, लेकिन विवाद और लोगों का गुस्सा तब और बढ़ गया जब एक और पार्टी आकर इसी कानून के खिलाफ खड़ी हो गई। दूसरी ओर, गंभीर धर्मांतरण मामले में मुख्य आरोपी निदा खान के खिलाफ सबूत और शिकायतों के बावजूद उन्हें आज तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? आज सोशल मीडिया पर लाखों लोग एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि कानून और प्रशासन के ये दोहरे मापदंड क्यों? क्या देश में धर्मांतरण जैसे गंभीर अपराध से भी बड़ा अपराध सोशल मीडिया पर आवाज़ उठाना हो गया है?

जनता की राय और सवालः

अगर इस पूरे घटनाक्रम को निष्पक्ष नज़रिए से देखें, तो आम नागरिकों और हिंदू संगठनों में यह गंभीर सुगबुगाहट है कि बहुसंख्यक समाज या हिंदुओं को लगातार गुमराह किया जा रहा है। एक तरफ़ तो सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले युवाओं के ख़िलाफ़ कानून कुछ ही घंटों में एक्शन मोड में आ जाता है, वहीं दूसरी तरफ़, धर्मांतरण जैसे देश विरोधी कामों और समाज के ताने-बाने को तोड़ने वाले आरोपी लंबे समय तक कानून की पहुँच से बाहर क्यों रहते हैं? लोग कह रहे हैं कि अगर लोकतंत्र में कानून सबके लिए बराबर है, तो कार्रवाई की रफ़्तार में इतना बड़ा अंतर क्यों है? निदा खान की गिरफ़्तारी में देरी के पीछे कौन सा राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव है, यह भी जाँच का विषय है।

संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को सूरत और दमन का दौरा करेंगे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड सिटी और टेक्सटाइल हब के नाम से मशहूर सूरत शहर के लोगों के लिए सबसे बड़ी और रोमांचक खबर सामने आ रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि दुनिया के सबसे पॉपुलर लीडर और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को साउथ गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दमन का दौरा करेंगे। PM मोदी के इस संभावित हाई-प्रोफाइल दौरे के बाद सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस और दमन एडमिनिस्ट्रेशन समेत पूरा एडमिनिस्ट्रेशन पहले ही एक्शन मोड में आ गया है। सूरत और दमन दोनों जगहों पर प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए बड़े प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ करने की तैयारियां युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दौरे में सूरत और दमन को करोड़ों रुपये के पब्लिक यूटिलिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स का बड़ा तोहफा दे सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि PM मोदी साउथ गुजरात के इकोनॉमिक डेवलपमेंट को नई रफ्तार देने के लिए कुछ ज़रूरी प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सूरत पुलिस ने भी PM के सूरत आने को लेकर सिक्योरिटी इंतज़ामों के एडवांस रिव्यू और रिहर्सल के लिए एक एक्शन प्लान बनाया है। PM मोदी के दौरे को हमेशा त्योहार की तरह मनाने वाले सूरत के लोगों में यह खबर खूब देखी जा रही है। प्रोग्राम की जगह चुनने, हेलीपैड और पब्लिक मीटिंग के इंतज़ाम के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के बड़े अधिकारियों ने मीटिंग्स का सिलसिला शुरू कर दिया है। अगर आने वाले दिनों में PMO इस दौरे को ऑफिशियल मंजूरी दे देता है, तो 5 जून को साउथ गुजरात एक बार फिर डेवलपमेंट के बड़े त्योहार का गवाह बनेगा।

राजकोट ACP वी.जी. पटेल रिटायरमेंट से एक दिन पहले बर्खास्त, होम डिपार्टमेंट का बड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट/वडोदरा। गुजरात पुलिस बेड़े से एक बहुत ही चौंकाने वाली और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राजकोट में असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस के पद पर काम कर रहे वी.जी. पटेल को रिटायरमेंट से ठीक एक दिन पहले सरकारी नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। वडोदरा में जुए के एक पुराने मामले में अपराधी की मदद करने में भ्रष्टाचार और गंभीर अनियमितताओं के लिए राज्य के होम डिपार्टमेंट ने यह बड़ा फैसला लिया है। यह इस बात का जीता-जागता उदाहरण है कि जब कानून का रक्षक ही भक्षक बन जाए तो कितने गंभीर नतीजे हो सकते हैं। पूरे मामले की डिटेल यह है कि यह विवाद सालों पुराना है जब वी.जी. पटेल वडोदरा में ड्यूटी पर थे। उस समय एक हाई-प्रोफाइल जुए के अड्डे पर छापा पड़ा, जिसमें एक बदनाम आरोपी शामिल था। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस ऑफिसर वी.जी. पटेल ने कानूनी कार्रवाई करने के बजाय आरोपी को फोन किया और उसे पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने घर पर न रहने की पर्सनल सलाह दी। जब इस मामले की जांच पॉलिटिकल और एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर चल रही थी, तभी इस बातचीत का ऑडियो क्लिप वायरल हो गया, जो पूरे मामले में पक्का सबूत साबित हुआ। इस ऑडियो क्लिप के सामने आने के बाद जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। खास बात यह है कि ACP वी.जी. पटेल उम्र की सीमा के कारण रिटायर होने वाले थे और पुलिस फोर्स में उनके रिटायरमेंट फेयरवेल पार्टी की तैयारी चल रही थी। लेकिन इससे पहले कि वे रिटायर होते और सरकारी फायदे पाते, सरकार ने कानूनी रास्ता अपनाया और रिटायरमेंट से ठीक 24 घंटे पहले उन्हें नौकरी से सस्पेंड या ट्रांसफर करने के बजाय सीधे नौकरी से निकालने का ऑर्डर जारी कर दिया। सरकार के इस कदम से भ्रष्ट और ताकतवर अधिकारियों में खलबली मच गई है।

गुजरात राज्य के गवर्नर आचार्य देवव्रत दो दिन के दौरे पर साबरकांठा जिले में पहुंचे हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। गुजरात राज्य के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत अपने दो दिवसीय महत्वपूर्ण दौरे पर साबरकांठा जिले में पहुंच गए हैं। इस दौरान उनका एक बेहद सादगी भरा अंदाज देखने को मिला, जब वे गांधीनगर से राज्य परिवहन की बस में सफर कर इदर पहुंचे। इदर बस स्टैंड पर विधायक रमनलाल वोरा, डिपो मैनेजर हार्दिकभाई सागर और साबरकांठा जिला अध्यक्ष कनुभाई पटेल ने महामहिम का भव्य स्वागत किया। अपने तय प्रोटोकॉल से इतर, राज्यपाल अपनी स्वेच्छा से बस से नीचे उतरे और वहां मौजूद आम जनता से बेहद सहजता के साथ बातचीत की। इदर के नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक उन्हें पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। इस गर्मजोशी भरे स्वागत के बाद, विधायक रमनलाल वोरा और जिला अध्यक्ष कनुभाई पटेल भी राज्यपाल के साथ उसी बस में सवार हुए और वडाली के लिए प्रस्थान किया।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदुः

महामहिम राज्यपाल वडाली तालुका के केसरगंज गांव में आयोजित हो रहे प्राकृतिक कृषि किसान सम्मेलन (नेचुरल एग्रीकल्चर फार्मर्स कॉन्फ्रेंस) में विशेष रूप से हिस्सा लेंगे।

अपने इस दो दिवसीय प्रवास के दौरान वे क्षेत्र के किसानों को संबोधित करेंगे और उन्हें प्राकृतिक खेती के तरीकों और इसके लाभों के प्रति जागरूक करेंगे।

गुजरात यूनिवर्सिटी की चांसलर नीरजा गुप्ता का टर्म खत्म होने में सिर्फ़ 1 महीना बचा है, लेकिन सर्च कमेटी का कोई अता-पता नहीं है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। राज्य की सबसे बड़ी और सबसे प्रतिष्ठित मानी जाने वाली गुजरात यूनिवर्सिटी के एकेडमिक और एडमिनिस्ट्रेटिव सर्कल से एक चिंताजनक और सवाल उठाने वाली गंभीर बात सामने आई है। गुजरात यूनिवर्सिटी की मौजूदा महिला वाइस-चांसलर डॉ. नीरजा गुप्ता का टर्म 30 जून को खत्म हो रहा है। नियमों के मुताबिक, इस टर्म के खत्म होने से महीनों पहले नए वाइस-चांसलर की तलाश के लिए एक 'सर्च कमेटी' बन जानी चाहिए थी, लेकिन हैरानी की बात है कि सिर्फ़ एक महीना बचा होने के बावजूद, सर्च कमेटी का अभी तक कोई अता-पता नहीं है! एजुकेशन डिपार्टमेंट की इस ढीली पॉलिसी ने एकेडमिक दुनिया में काफी हैरानी और चर्चा पैदा कर दी है। आमतौर पर किसी भी यूनिवर्सिटी में परमानेंट वाइस-चांसलर का टर्म खत्म होने से पहले सर्च कमेटी एक्टिव हो जाती है। लेकिन गुजरात यूनिवर्सिटी के मामले में अभी तक कमेटी का गठन या कोई ऑफिशियल हलचल नहीं देखी गई है। इस

स्थिति के कारण अब सेक्रेटेरिएट से लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस तक इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या मौजूदा वाइस-चांसलर नीरजा गुप्ता को फिर से रिपीट किया जाएगा या नई व्यवस्था होने तक उन्हें इंचार्ज के तौर पर बढ़ाया जाएगा? जुकेशन जगत के एक्सपर्ट्स का मानना ??है कि अगर सर्च कमेटी का ऐलान समय पर नहीं हुआ तो इस बात की पूरी संभावना है कि 30 जून के बाद गुजरात यूनिवर्सिटी एक बार फिर इंचार्ज वाइस-चांसलर ही चलाएंगे। हालांकि यूनिवर्सिटी में पहले से ही यह विवाद सामने आ चुके हैं कि कई अहम पदों पर लंबे समय से इंचार्ज ही काबिज हैं, लेकिन सबकी नजरें इस बात पर हैं कि आने वाले दिनों में सरकार राज्य के इस लीडिंग एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में परमानेंट और मजबूत एडमिनिस्ट्रेशन बनाए रखने के लिए क्या फैसला लेती है।

दैनिक राशिफल

02 जून 2026

आज का दिन आपके लिए नई संभावनाएं, सकारात्मक ऊर्जा और खुशियों के अवसर लेकर आया है।

♈ मेष (Aries)
आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों की सराहना होगी और रुके हुए काम तेजी से पूरे होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

♉ वृषभ (Taurus)
आर्थिक मामलों में आज आपको थोड़ी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। परिवार के साथ समय बिताने से मन को शांति मिलेगी और पुरानी उलझनें सुलझेंगी।

♊ मिथुन (Gemini)
आज व्यापार में नए और लाभदायक अवसर मिलने की प्रबल संभावना है। संचार कौशल के जरिए आप लोगों को प्रभावित करेंगे। मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा।

♋ कर्क (Cancer)
आज आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। किसी भी नए निवेश या महत्वपूर्ण निर्णय को लेने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह जरूर लें।

♌ सिंह (Leo)
करियर और प्रोफेशन के लिहाज से आज का दिन शानदार रहेगा। आपकी मेहनत और लीडरशिप रंग लाएगी, जिससे समाज और कार्यस्थल में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

♍ कन्या (Virgo)
आज आप रचनात्मक और बौद्धिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। छात्रों और कुछ नया सीखने वालों के लिए दिन अनुकूल है। मौसम के बदलाव से स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें।

♎ तुला (Libra)
पारिवारिक और दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ आपका तालमेल बहुत अच्छा रहेगा। अचानक कहीं से धन लाभ के योग बन रहे हैं।

♏ वृश्चिक (Scorpio)
आज आपको किसी भी तरह के व्यर्थ विवाद से बचना चाहिए। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। किसी छोटी लेकिन महत्वपूर्ण यात्रा के योग बन रहे हैं।

♐ धनु (Sagittarius)
आज आपका आत्मविश्वास और पराक्रम बढ़ा रहेगा। आप किसी नई योजना या प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते है। घर का माहौल खुशनुमा और सकारात्मक रहेगा।

♑ मकर (Capricorn)
कामकाज और जिम्मेदारियों के सिलसिले में आज आपको थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। अपने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें और धैर्य के साथ काम लें।

♒ कुंभ (Aquarius)
आज सामाजिक और नेटवर्किंग कार्यों में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी पुराने परिचित या मित्र से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित होगी।

♓ मीन (Pisces)
आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल है। आप मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। करियर या निवेश से जुड़े किसी पुराने फैसले में आज आपको सफलता मिल सकती है।

सकारात्मक सोच, सही निर्णय और मेहनत ही सफलता की कुंजी है।
शुभ रहे आपका दिन!

21 दिन तक लाल मिर्च न खाने से शरीर में क्या बदलाव आता है? एक्सपर्ट से जानें

पीसी हुई लाल मिर्च का इस्तेमाल भारतीय खाने में खूब किया जाता है. तीखी हुई लाल दिखने वाली ये मिर्च कई बार नुकसान भी कर सकती है. ऐसे में चलिए जानते हैं कि अगर 21 दिन तक लाल मिर्च न खाई जाई तो इससे शरीर पर क्या असर पड़ता है.

भारतीय खाने में पीसी हुई लाल मिर्च का इस्तेमाल आमतौर पर किया जाता है. ये खाने में तीखापन लाती है और स्वाद को बढ़ाती है. लेकिन क्या हो अगर आप 21 दिन तक लाल मिर्च को पूरी तरह से अपने खाने से हटा दें. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, लाल मिर्च छोड़ने के बाद शरीर में कुछ पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल सकते हैं. खासकर उन लोगों को फायदा महसूस हो सकता है जो अक्सर एसिडिटी, सीने में जलन या पेट में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं.दरअसल, लाल मिर्च भले ही खाने में तीखापन जोड़ती हो. लेकिन ये कई लोगों के लिए नुकसानदायक भी होती है. ऐसे में कई स्थिति में लाल मिर्च न खाने की भी सलाह दी जाती है. हालांकि, इसका असर हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति और खानपान की आदतों के अनुसार अलग-अलग हो सकता है. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि 21 दिन तक अगर लाल मिर्च न खाई जाई तो शरीर में क्या-क्या बदलाव आ सकते हैं.

क्या कहती हैं एक्सपर्ट?

दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल की सीनियर डायटीशियन डॉ. फारेहा शानम बताती हैं कि, अगर कोई 21 दिन तक पीसी हुई लाल मिर्च खाना छोड़ देता है तो शरीर में कई पॉजिटिव चेंज देखने को मिल सकते हैं. हालांकि, इसका असर हर किसी की बॉडी टाइप और फिजिकल हेल्थ के मुताबिक ही पड़ता है. साथ ही आप किस तरह से इसका सेवन कर रहे हैं ये भी मायने रखता है. लेकिन अगर इसे लाल मिर्च की जगह बैलेंस मसालों का यूज किया जाए तो पाचन तंत्र को इससे काफी आराम मिलता है. साथ ही पेट के लिए लाल मिर्च का सेवन न करना एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है.

पेट की जलन और एसिडिटी में राहत

लाल मिर्च में मौजूद कैप्साइसिन कुछ लोगों में पेट की लेयर को डिस्टर्ब कर सकता है. ऐसे में 21 दिनों तक लाल मिर्च न खाने से एसिडिटी, सीने में जलन और पेट में होने वाली असहजता कम हो सकती है. जिन लोगों को पहले से गैस्ट्रिक समस्या रहती है, उन्हें इसका ज्यादा फायदा मिल सकता है.

पाचन तंत्र को मिल सकता है आराम

एक्सपर्ट बताती हैं कि कुछ लोगों को तीखे मसाले का सेवन करने से पेट दर्द या बार-बार शौच आने जैसी समस्या हो जाती है. ऐसे में अगर आप लाल मिर्च से दूरी बनाते हैं तो ये डाइजेशन प्रोसेस को सही करने में मदद कर सकता है.

मुंह और गले की जलन से राहत

ज्यादा लाल मिर्च का सेवन करने से कुछ लोगों के मुंह में छाले और गले में जलन की शिकायत देखने को भी मिलती है. ऐसे में अगर आप लाल मिर्च का सेवन बंद कर देते हैं तो इस समस्या से भी राहत मिल सकती है.

ध्यान रखने वाली बात

हालांकि, डायटीशियन ये भी बताती हैं कि लाल मिर्च पूरी तरह से हानिकारक नहीं होती है. बस इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए. इसमें मौजूद कैप्साइसिन कुछ हेल्थ बेनिफिट्स भी दे सकते हैं. लेकिन अगर आपको बहुत ज्यादा स्वास्थ्य समस्याएं हैं तो कुछ समय के लिए लाल मिर्च का सेवन बंद कर देना ठीक है.

PM बालेन के महाधमाके से दिल्ली से काठमांडू तक हड़कंप! पर्दे के पीछे चीन का 'ड्रैगन गेम' या ब्रिटेन का पुराना 'विभाजन कार्ड'?

सरहद विवाद की क्रोनोलॉजी से समझिए असीमित ख़तरे की असल कहानी...

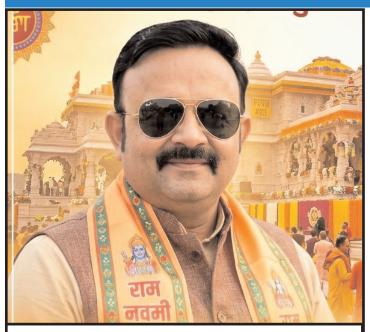

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अखंड भारत के दावों और सीमाओं की सुरक्षा के बीच एक ऐसी सनसनीखेज और घातक खबर सामने आई है, जिसने भारत के रणनीतिक गलियारों में भूचाल ला दिया है। काठमांडू के मेयर और नेपाल की राजनीति के उभरते 'पावर सेंटर' बालेन शाह (बालेन्द्र शाह) ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसने भारत-नेपाल सदियों पुराने रोटी-बेटी के रिश्तों की बुनियाद को हिलाकर रख दिया है। बालेन का सीधा दावा है– 'नेपाल ने भी भारत की जमीन दबाई है।' इस एक बयान ने दिल्ली से लेकर काठमांडू और बीजिंग तक कूटनीतिक गलियारों में बारूद जैसी गर्मी पैदा कर दी है। आखिर इस बेहद संवेदनशील और खतरनाक मोड़ के पीछे कौन सी अदृश्य ताकतें काम कर रही हैं? क्या यह नेपाल का अपना राष्ट्रवाद है, या फिर इसके पीछे चीन का खतरनाक 'विस्तारवादी' दिमाग और ब्रिटेन का पुराना 'औपनिवेशिक' एजेंडा काम कर रहा है? आइए, इतिहास की खतरनाक क्रोनोलॉजी से समझते हैं इस सीमा विवाद का पूरा सच।

विवाद की क्रोनोलॉजी: सुगौली संधि से लेकर नक्शा युद्ध तक

भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद कोई नया नहीं है, लेकिन इसका मौजूदा स्वरूप बेहद आक्रामक और देश की सुरक्षा के लिए घातक है। इसकी पूरी कहानी को तीन प्रमुख पड़ावों में समझा जा सकता है:

1. साल 1816 की सुगौली संधि (ब्रिटिश हुकूमत का वो 'जहरीला' बीज):

इस पूरे विवाद की जड़ 1816 में एंग्लो-नेपाली युद्ध के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी (ब्रिटेन) और नेपाल के राजा के बीच हुई 'सुगौली संधि' में है। इस संधि के तहत महाकाली नदी को दोनों देशों की सीमा माना गया। लेकिन ब्रिटेन ने जानबूझकर नदी के उद्गम स्थल (ह्ब्द्वद्दठ्ठ) को पूरी तरह स्पष्ट नहीं किया। यही अस्पष्टता आज भारत के लिए सिरदर्द बन चुकी है।

2. कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा का त्रिकोण:

ये तीनों क्षेत्र रणनीतिक रूप से भारत के लिए रीढ़ की हड्डी जैसे हैं, क्योंकि यहीं से चीन सीमा पर नजर रखी जा सकती है। भारत इन्हें उत्तराखंड का हिस्सा मानता है और 1962 के युद्ध के बाद से यहाँ भारतीय सेना तैनात है। लेकिन नेपाल का दावा है कि महाकाली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए यह पूरी जमीन उसकी है।

3. 2020 का 'नक्शा युद्ध'

यह विवाद तब और खतरनाक हो गया जब 2020 में तत्कालीन पीएम के.पी. शर्मा ओली के कार्यकाल में नेपाल ने एकतरफा नया राजनीतिक नक्शा पास कर भारत के कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को अपने क्षेत्र में दिखा दिया। इसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते ठंडे बस्ते में चले गए।

बड़ा सवाल: पर्दे के पीछे चीन या ब्रिटेन?

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि बालेन शाह का यह बयान अकारण नहीं है। नेपाल की कम्युनिस्ट लॉबी और युवा राजनेताओं को भारत के खिलाफ भड़काने में चीन का सीधा हाथ माना जाता है। चीन 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' नीति के तहत भारत को हर तरफ से घेरना चाहता है। नेपाल को अरबों डॉलर का कर्ज देकर और बुनियादी ढांचे के नाम पर बीजिंग उसे भारत के खिलाफ फ्रंटलाइन स्टेट बना रहा है। वहीं, कूटनीतिक जानकारों का यह भी कहना है कि ब्रिटेन के जमाने के अधूरे और विवादित नक्शों का इस्तेमाल आज भी भारत को अस्थिर करने के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय टूल' की तरह किया जा रहा है।

भारत के लिए क्यों बेहद घातक है यह स्थिति?

नेपाल के साथ भारत की 1,751 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा (ह्श्वद्दठ्ठ **पत्रिका** श्वह्म्स्रद्गह्) है। यदि नेपाल के साथ सीमा विवाद हिंसक या अत्यधिक आक्रामक मोड़ लेता है, तो भारत के लिए अपनी उत्तर-पूर्वी सीमाओं की रक्षा करना बेहद जटिल हो जाएगा। खुली सीमा का फायदा उठाकर चीनी जासूस, आतंकी और तस्कर आसानी से भारत में घुसपैठ कर सकते हैं।

मेट्रो व्यू: अब दिल्ली को दिखानी होगी 'सख्त कूटनीति'

पीएम बालेन के इस बयान ने यह साफ कर दिया है कि नेपाल में भारत-विरोधी भावनाएं भड़काने की साजिशें चरम पर हैं। भारत अब इसे सिर्फ एक 'बड़बोलापन' मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। अगर समय रहते काठमांडू को कूटनीतिक भाषा में कड़ा जवाब नहीं दिया गया, तो हिमालय की गोद से उठने वाली यह चिंगारी भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा दावानल (जंगल की आग) बन सकती है। दिल्ली को अब 'सॉफ्ट कूटनीति' छोड़कर सीमाओं पर 'हार्ड पॉवर' और सख्त रुख अख्तियार करना ही होगा।

संपादकीय

जन के हित के हेत

भले ही हिंदी पत्रकारिता गफलत में अपनी पहली शताब्दी न मना सकी हो, लेकिन वह द्विशताब्दी के मौके पर खासी उत्साहित है। वह आत्ममंथन के दौर से गुजर रही है। आज से दो सौ साल पहले उत्तर भारत से जाकर तत्कालीन कलकत्ता को कर्मभूमि बनाने वाले पं. युगल किशोर शुक्ल ने 'उदन्त मार्तण्ड' के रूप में हिंदी पत्रकारिता का बीजारोपण किया था। भले ही वह पत्र आर्थिक झंझावातों से अधिक समय तक न चल सका, लेकिन अपनी 'आदि प्रतिज्ञा' से वह जो पत्रकारिता का लक्ष्य तय कर गया, वह आज भी उतना ही जरूरी व प्रासंगिक है। 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रवेशांक में पं. शुक्ल ने लिखा था कि इस समाचार पत्र का प्रकाशन- 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' .. किया जा रहा है। निस्संदेह, ध्येय वाक्य के गहरे निहितार्थ थे और आज भी हैं। सही मायने में पत्र ने दो सदी पहले पत्रकारों को उनका 'कर्मपथ' बता दिया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जबकि यह हिंदी भाषा का समाचार पत्र था, लेकिन उसकी फिक्र केवल हिंदी भाषियों की ही नहीं थी। उसकी 'आदि प्रतिज्ञा' समस्त हिंदुस्तानी समाज के हित को लेकर थी। पत्र का नाम 'उदन्त मार्तण्ड' यानी उगता सूरज था। बाकायदा समाचार पत्र के नाम के साथ संस्कृत में लिखा होता था कि जैसे सूरज के प्रकाश के बिना अंधेरा दूर नहीं होता, उसी तरह अज्ञ जन समाचार पत्र के बिना ज्ञानवान नहीं बन सकते। यह भी कि ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के मकसद से इस समाचार पत्र का प्रकाशन किया जा रहा है। निश्चय ही उदन्त मार्तंड की 'आदि प्रतिज्ञा और धेय' में सभी भाषाओं की पत्रकारिता का लक्ष्य आज भी यही है। निश्चय ही यह पत्रकारिता बिरादरी को आईना दिखाता है कि हमारी पत्रकारिता हर हिंदुस्तानी के हित के हेत है? क्या हम हम समाज में अज्ञ को ज्ञानवान बनाने का काम कर रहे हैं? क्या हमारे शब्द उतने ही अर्थवान व सारवान हैं, जितना इस पेशे से अपेक्षित है। निश्चय ही यह अवसर पत्रकारिता बिरादरी को आत्ममंथन का मौका देता है।हिंदी पत्रकारिता के प्रतीक पुरुष स्व. प्रभाष जोशी ने एक बार पत्रकारिता के छात्रों से बातचीत करते हुए कहा था कि पत्रकारिता 'ऋषिकर्म' है। जिसमें घर फूंक तमाशा देखने का जज्बा हो, वही पत्रकारिता में आए। पैसे कमाने के लिये तमाम पेशे हैं। साथ ही यह भी कि किसी डेढ़ पेज की प्रेस विज्ञप्ति में यदि कोई डेढ़ लाइन की खबर निकाल सके, तो वही असली पत्रकार है। बाकी सब विज्ञापन है। लेकिन विडंबना यह है कि आज विश्वविद्यालयों से निकलने वाले पत्रकारिता के छात्रों में बिरले ही ऐसे होते हैं, जो वेतन, पैकेज व पद के सम्मोहन से मुक्त होकर मिशनरी पत्रकारिता का जज्बा रखते हों। आज पत्रकारिता के नवसाक्षरों की बड़ी फौज पत्रकारिता के ग्लैमर व प्रसिद्धि के प्रलोभन में इस पेशे में आती है। उसे आजादी की लड़ाई में सर्वस्व अर्पित करने वाले 'स्वराज' अखबार का शायद ही भान हो, जिसके ढाई वर्ष के अल्पकाल में संपादकों को डेढ़ सौ साल की सजाएं हुई। लेकिन उसके बावजूद संपादक पद के लिये विज्ञापन देने पर जज्बे के पत्रकारों की लाइन लग जाती थी। निश्चित रूप से पत्रकारिता जीवन मूल्यों की शुचिता व सामाजिक दायित्वों का पेशा है। यह विशुद्ध कारोबार या व्यवसाय नहीं हो सकता है। विडंबना यह है कि तकनीकी क्रांति के बाद जब से बड़ी पूंजी की समाचारों के प्रकाशन में दखल बढ़ी है, तब से संपादक नामक संस्था क्षीण हुई है और पूंजीपति की दखल में वृद्धि हुई है। पिछली सदी में एक दिग्गज संपादक की वह टिप्पणी आज भी प्रासंगिक है कि 'भविष्य के अखबार रूप-रंग व प्रकाशन में तो आकर्षक होंगे, लेकिन उनमें पत्रकारिता की आत्मा न होगी।' निश्चय ही आज बाजार और राजनीति की दखल के चलते पत्रकारिता के समक्ष बड़ी चुनौती बनी है। वहीं नई पीढ़ी के कथित ऑनलाइन व डिजिटल सम्मोहन के चलते प्रिंट पत्रकारिता से छिटकना भी चिंता की बात है। कॉन्वेंट स्कूलों से निकलने वाले छात्र हिंदी भाषायी समाचार पत्रों से विमुख हुए हैं। उनका समाचार पत्रों से विमुख होना भारतीय परिवेश, संस्कृति व मातृभाषा से दूर होना भी है। ये संपादकों को सोचना होगा कि समाचार पत्रों से नई पीढ़ी का लगाव कैसे गहरा किया जाए।

साइकिल की सवारी में बेहतरी हमारी

गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं,और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे।

वैश्विक स्तर पर तेल के संकट को देखते हुए साइकिल की सवारी ही सबसे बेहतर है। यह न केवल हमें तेल संकट से बचाती है, बल्कि प्रदूषण से भी निजात दिलाती है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहतर है और दुर्घटनाओं से भी बचाती है। जून के पहले सप्ताह में विश्व साइकिल दिवस भी है। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे हम आत्मनिर्भर होने की दिशा में आगे बढ़ सकें।अगर मैं बचपन को याद करूं तो उस समय मोटर साइकिल और कार बहुत कम थीं। अधिकांश लोग पैदल और बैलगाड़ी से चलते थे। कुछ लोगों के पास ही साइकिल हुआ करती थी। साइकिल दुकानों से किराये पर मिलती थीं। प्रति घंटे के हिसाब से किराया लिया जाता था।साइकिल दुकानों पर मरम्मत करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। हमारे घर भी हरक्यूलिस साइकिल थी, यह पुरानी थी, जिसे मेरे पिताजी ने उनके किसी मित्र से खरीदा था। मैंने भी उसी साइकिल से चलाना सीखा।उस दौर में सड़कों पर साइकिलें दिखा करती थीं। किसान, अपना अनाज बाजार ले जाकर बेचते थे, पशुपालक घास का गट्टर ले जाते थे। दूध वाले, सब्जी वाले, लाते ले जाते थे, बेचते थे। दूरदराज के गांवों में शहर में रहने वाले शिक्षक भी साइकिल से स्कूल जाते थे।

सरकारी बसें चलती थीं, पर दिन में एक दो ही बार। वह भी बहुत लेट होती थीं। अगर कहीं जाना होता था, तो कई-कई घंटे बस के इंतजार में बैठना पड़ता था। बसों से आने-जाने वाले यात्रियों को देखकर कौतूहल होता था। गांवों में वैसी भी जीवन की गति धीमी होती है, ऐसे में कोई भी नया व्यक्ति बस से आता था तो उसकी चर्चा होती थी।साप्ताहिक बाजार, जो हमारे पास के कस्बे में शुक्रवार को लगता था, उस दिन सड़कों पर गठरियां लेकर चलने वाले लोगों को देखना अच्छा लगता था। रंग-बिरंगे कपड़ों में कतारबद्ध रैला चलता रहता था। बैलगाड़ियों की चूं चर्र... की आवाजें सुनाई पड़ती थीं। मेहमानी व रिश्तेदारी में लोग पैदल आया जाया करते थे। शादी-विवाह या बारातों में बैलगाड़ी का उपयोग किया जाता था। साइकिल व बैलगाड़ी, नदी या कुओं से पानी भरने के काम भी आती थीं।हमारे गांव में स्थित स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से चलते थे। संस्था की ओर से सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) संचालित किया जाता था। यह हमारे लिए अनोखा था। इसमें कार्यकर्ता की साइकिल में टंगे दो झोले होते थे, उनमें किताबें भरी होती थीं। गांवों की चौपालों पर किताबें फैला दी जाती थीं, और फिर गांव के बच्चे, वयस्क और बड़े किताबें उलटते पलटते थे, और पढ़ने के लिए किताबें ले जाते थे। मेरे लिए भी किताबों की दुनिया यहीं खुली थी।दूध वाले, गांव से दूध एकत्र कर शहर ले जाते थे। वे घर-घर से दूध इकट्ठा करते थे, और फिर साइकिल से नजदीकी रेलवे स्टेशन जाते थे, वहां से ट्रेन से बड़े शहर दूध बेचने जाते थे। और शाम को वापस उसी ट्रेन से वापस आ जाते थे।स्कूली विद्यार्थी भी हाईस्कूल की कक्षाओं में पढ़ने के लिए साइकिल से जाते थे। साइकिल की दुकानें ज्यादा नहीं थीं, इसलिए घरों में ही साइकिल मरम्मत का सामान हुआ करता था। हवा भरने के लिए पंप, पिचिंस, पाना इत्यादि। अगर जब कभी साइकिल पंचर हो जाती थी, तो घर पर ही पंचर बना लेते थे। अक्सर हमें स्कूल जाते समय ही पता चलता था कि साइकिल पंचर है, तो जल्दी-जल्दी पंचर बनाते थे।आजकल सरकार स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण करती है। यह बहुत ही अच्छी योजना है। यह कई राज्यों में है। जब भी स्कूली बच्चों को साइकिल चलाते देखते हैं, तो एक अलग ही तरह का सुखद एहसास होता है। ऐसे दृश्य हमें रोमांचित करते हैं।विशेषकर, यह लड़कियों के लिए तो आजादी की प्रतीक है। उनके लिए आने-जाने के लिए यह बहुत ही सुविधाजनक है। 90 के दशक में साक्षरता अभियान के दौरान साइकिल से पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला काफी चल रहा था। शुक्रवार के दिन इसी संस्था की एक महिला डॉक्टर साइकिल से गांव आती थीं और एक ग्रामीण के आंगन में बैठकर गांव के लोगों की छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज करती थीं। इस कार्यक्रम का नाम जरूरी दवाई सुविधा रखा गया था। गांव में किसी महिला को साइकिल चलाते देखना कौतूहल जगाता था। क्योंकि एक तो लोग उस समय साइकिल ही कम चलाते थे, और महिलाएं तो बिलकुल भी साइकिल नहीं चलाती थीं।डाकिया और पेपर बांटने वाला तो रोज ही साइकिल से आते हैं, जिनका सभी को इंतजार रहता है। इनकी पहचान ही साइकिल से होती है। डाकिया, तो दूर-दराज के गांवों में साइकिल से आता जाता था। हमारे गांव में कस्बे से वही डाक लाता था। मुझे याद है, जब मैं गांव में था, डाकिया के साइकिल की घंटी से ही मैं समझ जाता था कि डाकिया आया है, कौतूहल से भर जाता था। अगर कोई पोस्टकार्ड आता था, तो बड़े जतन से कई दिनों तक रखते थे।लगातार तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं और तेल के भंडार खत्म होने की कगार पर हैं। अगर हम साइकिलों का उपयोग करें तो हमें मोटरवाहनों में प्रयोग होने वाला पेट्रोल व डीजल को आयात नहीं करना पड़ेगा या कम से कम करना पड़ेगा।

इससे हमें कुछ अर्थव्यवस्था में राहत महसूस होगी।अच्छी सेहत के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। साइकिल चलाने वालों को अलग से शारीरिक कसरत की जरूरत नहीं होती, क्योंकि इससे मांसपेशियों की अच्छी कसरत हो जाती है। तनाव भी कम होता है। हमारी गति भी धीमी होगी, या नियंत्रित होगी, जिससे हमें सामान्य बने रहने में मदद मिलेगी।मोटरसाइकिल की अपेक्षा साइकिल काफी हल्की होती हैं, इसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग भी चला सकते हैं। सड़क हादसों का जोखिम भी नहीं रहता। अगर साइकिल से गिर भी जाएं तो ज्यादा चोट नहीं आती। जबकि अन्य वाहनों से सड़क हादसे गंभीर होते हैं।साइकिल के लिए पार्किंग की समस्या नहीं है। न तो खड़ी करने के लिए और न ही सड़क पर चलाने के लिए इसे ज्यादा जगह चाहिए। इसे घर में रखा जा सकता है। जबकि कारों के लिए सड़क पर, पार्किंग में सभी के लिए जगह चाहिए,जो एक बड़ी समस्या है।साइकिल से सड़क जाम होने की समस्या नहीं है। इसे संकरे रास्तों व गलियों में चलाया जा सकता है। अगर इसके लिए अलग से लेन हो तो, न तो यह दूसरे वाहनों की गति में रूकावट होगी और न ही साइकिल चलाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साइकिल उनके लिए भी अच्छी है, जो भीड़ से बचना चाहते हैं।पर्यटक और पक्षी दर्शकों के लिए भी साइकिल बहुत अच्छी है। इत्मीनान से देखना, क्योंकि चलते-चलते हर पल, हर क्षण दृश्य बदलते रहते हैं, जरा भी भूल हुई कि अच्छे दृश्य देखने से रह जाएंगे। मैं जब कभी यात्रा में जाता हूं तो आंखों को विश्राम नहीं मिल पाता, क्योंकि मैं समझता हूं कि जरा भूल हुई कि कुछ ऐसा देखने से रह जाएगा तो जो मुझे देखना अच्छा लगता। साइकिल में आराम से सभी दृश्य देखे जा सकते हैं।सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सड़क जाम, दुर्घटनाएं, प्रदूषण की खबरें आती रहती हैं। साइकिल के चलन से इन सभी में कमी आ सकती है। छोटे व कस्बों में इन्हें बढ़ावा दिया जा सकता है। दुनिया के कई देश साइकिल को बढ़ावा दे रहे हैं। क्या हम भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

कैमरे के सामने कलमा पढ़कर युवक ने खुद को मारी गोली; पास खड़ी थी 5 साल की भतीजी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में एक युवक ने खुदकुशी से पहले मोबाइल पर वीडियो रिकॉर्ड किया और कैमरे के सामने ही पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली. इस दर्दनाक घटना के वक्त कमरे में उसकी 5 वर्षीय मासूम भतीजी भी मौजूद थी, जिसने यह पूरी वारदात अपनी आंखों से देखी. मुरादाबाद जिले के कुंदरकी थाना क्षेत्र में एक युवक ने मानसिक रूप से परेशान होकर अपने घर के बंद कमरे में खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. युवक पांच दिन पहले ही पंजाब से काम करके घर लौटा था और उसने रविवार को इस आत्मघाती कदम को अंजाम दिया. उसने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारी और मरने से पहले अपने मोबाइल फोन पर 7 मिनट 41 सेकंड का एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया. इस पूरी घटना के समय कमरे में उसकी 5 साल की भतीजी मौजूद थी. सूचना मिलने पर कुंदरकी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की.

कैमरे के सामने पढ़ा कलमा और दबाया ट्रिगर

सामने आए वीडियो के शुरुआती 40 सेकंड में युवक रोते हुए कह रहा है कि वह सबूत छोड़कर जा रहा है क्योंकि उसे बहुत परेशान किया जा रहा है. उसने वीडियो में कहा कि उसके घरवालों को तंग न किया जाए, लेकिन जिसने उसका दिल दुखाया है, उससे हश्र में मुलाकात होगी. इसके बाद युवक ने कलमा पढ़ा और कैमरे के सामने ही ट्रिगर दबा दिया.

गोली चलने की आवाज और मासूम बच्ची की चीख सुनकर घर में सो रहे परिजनों की नींद खुली और अफरा-तफरी मच गई. कमरे की कुंडी अंदर से बंद होने के कारण घरवालों ने खिड़की तोड़ी और भीतर दाखिल हुए, जहां युवक खून से लथपथ पड़ा था. मृतक की मां ने बताया कि उन्हें सिर्फ गोली चलने की आवाज सुनाई दी थी, जिससे इस हादसे का पता चला. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने देर रात तक मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की.

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कंटेनर में घुसी कार, दो भाई समेत 3 की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा-लखनऊ। एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी. इस भीषण सड़क हादसे में दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं. हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाके के लिए अस्पताल में भर्ती कराया. पुलिस ने बताया कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे थाना फतेहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत भीषण सड़क हादसे की सूचना मिली थी. मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि एक कार पीछे से कंटेनर में घुस गई और बुरी तरह फंस गई है. इस हादसे में दो सगे भाई समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि बिहार के रहने वाले कार सवार राजस्थान में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे. पुलिस का बताया दर्दनाक हादसे के कारणों को लेकर आशंका जताई जा रही है कि कार चला रहे ड्राइवर को अचानक नींद की झपकी आ गई होगी. रफ्तार तेज होने के कारण ड्राइवर का वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और कार सीधे कंटेनर ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई. चश्मदीद ने बताया कि हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला आधा हिस्सा कंटेनर के पिछले हिस्से में समा गया. मौके पर पुलिस, यूपीडा (UP E&pressways Industrial Development Authority) और एंबुलेंस टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर घायलों को बाहर निकाला. तीन शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि पांच घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद सीएचसी फतेहाबाद रेफर किया गया है. घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है.

किसानों को एमपी सरकार फ्री में देगी हेलमेट, सीएम मोहन यादव ने कर दिया बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शाजापुर। मध्य प्रदेश की सरकार लगातार किसानों के लिए काम कर रही है। शाजापुर में रविवार को सीएम मोहन यादव ने घोषणा की है कि गांव से मोटरसाइकिल पर सवार होकर सामान बेचने शहर जाने वाले किसानों को राज्य सरकार हेलमेट देगी ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

मन की बात कार्यक्रम के दौरान घोषणा

दरअसल, मुख्यमंत्री ने शाजापुर जिले के शुजालपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 134वां संस्करण सुनने के बाद किसानों से संवाद के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि किसान दूध-फल-सब्जी जैसा सामान मोटरसाइकिल पर गांव से शहर लाते हैं। हेलमेट न होने की वजह से उन पर दुर्घटना का खतरा बना रहता है। हमारी सरकार हेलमेट देकर किसानों की जान बचाएगी। इस तरह हम दुर्घटनाओं को भी रोकेंगे और किसानों को सुरक्षा की गारंटी भी मिलेगी।

सरकार किसानों की आय बढ़ाएगी

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य सरकार किसी भी सूरत में किसानों की आय बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारी सरकार जो निर्णय करती है, उसे लागू करती है। हमने आज 2,625 रुपये क्विंटल के दाम पर 1 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद का रिकॉर्ड बनाया है। अभी तक हमने अपने ही सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। पूरे देश में सबसे ज्यादा लगभग 14 लाख किसानों से गेहूं खरीदने का रिकॉर्ड भी मध्यप्रदेश सरकार ने बनाया है।

उड़द पर भी बोनस दे रही है सरकार

मोहन यादव ने कहा कि यह हमारी सरकार के काम करने का तरीका है। सरकार सोयाबीन के लिए भावांतर योजना के माध्यम से किसानों को लाभ देकर वचन को निभा रही है। हमारी सरकार उड़द को भी प्रोत्साहन दे रही है। पहली बार हम उड़द पर बोनस दे रहे हैं।

301 वीं जयंती पर आदिवासी महिलाओं ने साड़ियों पर उकेरा 250 साल पुराना इतिहास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती (31 मई) पर महेश्वर की ग्रामीण और आदिवासी महिला बुनकरों ने एक अनोखा ट्रिब्यूट दिया है। इन महिलाओं ने किले की नक्काशी और आध्यात्मिक इतिहास को समेटकर विशेष साड़ियों का कलेक्शन तैयार किया है। महेश्वर के पत्थरों से धागों में उतरी देवी अहिल्याबाई मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर महेश्वर में इतिहास सिर्फ म्यूजियम या पत्थरों की दीवारों में कैद नहीं है, बल्कि वह आज भी यहां के करघों और बुनकरों की उंगलियों में धड़कता है। महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के मौके पर यहां की ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं ने अपनी प्यारी रानी को एक बेहद खूबसूरत और अनोखा ट्रिब्यूट दिया है। इन महिला बुनकरों ने महीनों की मेहनत के बाद 'महेश्वरी साड़ियों' का एक खास कलेक्शन तैयार किया है, जो पूरी तरह से महेश्वर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्वरूप से प्रेरित है। साड़ियों पर उतरे किले के झरोखे और पवित्र नदी इन विशेष साड़ियों को बुनने के लिए रेशम और सूती धागों को नील, सिंदूरी, हल्दी जैसे सुनहरे और नर्मदा के पानी जैसे धूसर प्राकृतिक रंगों में रंगा गया। जब करघे चले, तो साड़ियों के पल्लू और बॉर्डर पर महेश्वर किले के नक्काशीदार झरोखे, नर्मदा घाट के मंदिरों में स्थापित नंदी और प्राचीन शिवलिंग के ज्यामितीय पैटर्न उभर आए। जो इतिहास कभी बलुआ पत्थरों पर तराशा गया था, वह अब कपड़ों पर जीवंत हो उठा है। हैंडलूम ट्रेनिंग सेंटर के प्रमुख राजकुमार सराफ बताते हैं कि इस कलेक्शन को तैयार करने के लिए महीनों तक पुराने अभिलेखागारों, ऐतिहासिक रेखाचित्रों और पारंपरिक डिजाइनों का बारीकी से अध्ययन किया गया था।

जब कला के जरिए रानी ने बसाई थी नगरी

अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में जब महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने महेश्वर को अपनी राजधानी बनाया, तो उनका मकसद सिर्फ किले और घाट बनाना नहीं था। वे एक ऐसा शहर चाहती थीं जो कला के जरिए सांस ले सके। इसके लिए उन्होंने सूरत, गुजरात, हैदराबाद और मांडू के उस्ताद बुनकरों को लाकर यहां बसाया। रानी के संरक्षण में इन बुनकरों ने नर्मदा की लहरों की रफ्तार और किले की खूबसूरती को कपड़ों पर उतारना शुरू किया। यहीं से जन्म हुआ ' महेश्वरी साड़ी ' का, जो नदी की ठंडी हवा जैसी हल्की और रेशम जैसी चमकदार होती है। शुरूआत में शाही परिवारों के लिए बनती थीं साड़ियां शुरुआत में ये साड़ियां केवल शाही परिवारों के लिए बनती थीं और विदेशी मेहमानों को तोहफे में दी जाती थीं, लेकिन वक्त के साथ यह महेश्वर की पहचान बन गई। 250 से ज्यादा साल बीत जाने के बाद भी रानी की वो दूरदर्शी सोच आज भी हैंडलूम की खट-खट की आवाज में जिंदा है

MP में हृदय विदारक घटना, मां ने 3 बेटियों के साथ खाया जहर, चारों की हुई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के हिरवार गांव में 32 वर्षीय अनीता सिंह और उनकी तीन बेटियों की कीटनाशक खाने से मौत हो गई. पुलिस के अनुसार महिला ने पहले अपनी बेटियों को कीटनाशक दिया और फिर खुद भी उसका सेवन कर लिया. घटना में दो बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की इलाज के दौरान जान गई. मध्य प्रदेश के शहडोल ज़िले में कीटनाशक खाने से एक 32 वर्षीय महिला और उसकी तीन बेटियों की मौत हो गई. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. अधिकारी ने बताया कि यह घटना शहडोल ज़िला मुख्यालय से लगभग 125 किलोमीटर दूर, ब्योहारी इलाके में पपौंध पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हिरवार गांव में हुई. पपौंध के स्टेशन हाउस ऑफिसर बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि अनीता सिंह (32) ने शनिवार रात को खुद कीटनाशक खाने से पहले अपनी तीनों बेटियों को भी वही कीटनाशक खिला दिया था. जिसके तुरंत बाद बाद रितिका (4) और कृष्णकुमारी (2) की मौत हो गई. जबकि तीसरी बेटी की इलाज के दौरान मौत हुई. वहीं इसके कुछ देर बाद महिला की भी मौत हो गई. SHO ने बताया बताया कि डॉक्टरों ने महिला और उसकी दो छोटी बेटियों को अस्पताल पहुंचने पर ही मृत घोषित कर दिया, जबकि अर्पिता की मौत रविवार को हुई. मिश्रा ने बताया कि सबसे बड़ी लड़की ने पड़ोसियों को बताया था कि उसकी मां ने बच्चों को कीटनाशक दिया था. साथ ही बच्ची ने पड़ोसियों को यह भी बताया था कि ज़हरीला पदार्थ खिलाने के बाद उसकी मां ने घर में रखे दस्तावेज़ों, कपड़ों, तस्वीरों और अनाज में आग लगा दी थी.

ससुराल वालों से अलग रहती थी महिला

मिश्रा ने कहा कि लड़की यह नहीं बता पाई कि उसकी मां ने ऐसा कदम क्यों उठाया? SHO ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से एल्युमिनियम फॉस्फाइड का एक पैकेट बरामद किया है. शुरुआती जांच के अनुसार अनीता अपने बच्चों के साथ अपने ससुराल वालों से अलग रहती थी. उसका पति, जो एक ड्राइवर है, हैदराबाद गया हुआ था और घटना के समय घर पर मौजूद नहीं था. पुलिस ने बताया कि वे महिला के रिश्तेदारों के बयान दर्ज कर रहे हैं और इस मामले में एक केस दर्ज कर लिया गया है. आगे की जांच जारी है. महिला के पति को भी सूचना दे दी गई है.

सीएम मोहन यादव ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग अपना सुझाव जरूर शेयर करें।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोर्ड लागू करने की तैयारी चल रही है। सीएम मोहन यादव ने कहा है कि एमपी में यूसीसी लागू होगी। साथ ही इसके लिए उन्होंने जनता से सुझाव साझा करने की अपील की है। सीएम ने कहा है कि एमपी में यूसीसी के लिए समिति बना दी गई है। यह समिति धार्मिक लोगों से राय ले रही है।

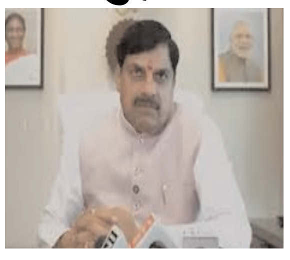

यूसीसी लागू किया जाएगा

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में यूसीसी को लागू किया जाएगा। क्योंकि, आज धार्मिक-सामाजिक-पारिवारिक रूप से भिन्न-भिन्न मतों की आवश्यकता नहीं है। आज जरूरत यूसीसी की ओर बढ़ने की है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मैं चाहता हूं कि जनता भी वेबसाइट पर अपने सुझाव जरूर साझा करे। वैधानिक रूप से है भिन्नता सीएम मोहन यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता मध्यप्रदेश में राज्य सरकार द्वारा लागू जा रही है। हमारे राज्य में चाहे बहनों के तलाक के मामले हों, चाहे पारिवारिक परंपराएं हों, चाहे भिन्न-भिन्न धार्मिक मामले हों, आज वैधानिक और सामाजिक रूप से इनमें भिन्नता की आवश्यकता नहीं है। वर्तमान में हमें समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की जरूरत है। अभी तीन राज्यों उत्तराखंड-गुजरात और असम ने इसको अपनाया है। हम भी राज्य में यूसीसी लागू करेंगे। एमपी में क्या है यूसीसी की स्थिति मध्यप्रदेश में यूसीसी के लिए बन चुकी है समिति जिलों में जाकर अलग-अलग धर्मों के लोगों से लिए जा रहे सुझाव मुख्यमंत्री यादव ने कहा- आज भिन्न-भिन्न मतों की आवश्यता नहीं

यूसीसी के अनुकूल है एमपी

उन्होंने कहा कि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में अलग-अलग विद्वानों को मिलाकर समिति भी बना दी गई है। यह समिति विभिन्न जिलों में जाकर सभी धर्मों के लोगों से सुझाव ले रही है। उनकी रिपोर्ट का संकलन करने के बाद हम चाहेंगे कि जल्दी से जल्दी समान नागरिक संहिता मध्यप्रदेश में लागू हो जाए। राज्य की भी इच्छा है कि इसे लागू होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार जन-कल्याणकारी कामों को लगातार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश उन अनुकूल राज्यों में से एक है जहां यूसीसी लागू होना चाहिए। यूसीसी को लेकर वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। मैं जनता से अपील करता हूं कि वह अपने सुझाव जरूर दे। गौरतलब है कि बीजेपी शासित कई राज्यों में यूसीसी लागू हो चुकी है। इसमें उत्तराखंड और असम शामिल है। इसके बाद मध्य प्रदेश में यह प्रक्रिया शुरू की गई है।

12 साल की बच्ची दुष्कर्म के बाद हुई प्रेग्नेंट, एनकाउंटर में पुलिस ने सिराज के पैर में गोली मार किया घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबा। लोनी बॉर्डर की अमित विहार कॉलोनी में 12 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची तीन माह की गर्भवती हुई तब परिजनों को उसके साथ वारदात का पता चला। बच्ची ने पड़ोसी 28 साल के युवक सिराज पर उसके साथ लगातार दुष्कर्म किए जाने की बात बताई। जानकारी मिलते ही भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर बच्ची के परिवार से मिले और पुलिस से तुरंत आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने आरोपी सिराज को एनकाउंटर में लंगड़ा कर गिरफ्तार कर लिया। मामला दो समुदायों से जुड़ा होने के कारण इलाके में तनाव है।

ठेकेदार ने 1 लाख लेकर समझौते का दबाव बनाया

मामले का खुलासा तब हुआ जब बच्ची तीन महीने की गर्भवती निकली। तबीयत बिगड़ने पर मां उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने दुष्कर्म की पुष्टि की। 30 मई को पिता ने थाना लोनी बॉर्डर में तहरीर दी। शिकायत में कहा गया कि पड़ोस में रहने वाले 28 वर्षीय सिराज ने माता-पिता के मजदूरी पर जाने के बाद बच्ची को डरा-धमकाकर महीनों तक शोषण किया। मामला तब और बिगड़ गया जब घटना सामने आने के बाद रविवार रात इलियास नाम के ठेकेदार ने परिवार पर एक लाख रुपये लेकर समझौता करने का दबाव बनाया और समझौता ना करने पर धमकी दी।

महोबा में तड़पते मरीज के साथ जब इमरजेंसी वार्ड पहुंचा 'जहरीला कोबरा'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। जिला अस्पताल में उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई, जब सांप के काटने से घायल एक व्यक्ति के साथ उसके परिजन इलाज के लिए सपेरे और जिंदा कोबरा सांप को भी अस्पताल ले आए. इस घटना ने अंधविश्वास, लापरवाही और सांपों के प्रति जोखिम भरे व्यवहार को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में अंधविश्वास और लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक सपेरे ने युवक के गले में काला कोबरा सांप डाल दिया. सांप के काटने से युवक की हालत बिगड़ गई. लेकिन हद तो तब हो गई जब परिजन इलाज के लिए मरीज के साथ-साथ सपेरे और उस जहरीले कोबरा सांप को भी महोबा जिला अस्पताल ले पहुंचे. अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का यह नजारा देखकर हर कोई सन्न रह गया. डॉक्टर, स्टाफ और मरीज सब हैरत में आ गए, क्योंकि अस्पताल में तड़पते मरीज के अलावा सपेरा भी कोबरा सांप लेकर खड़ा था. दरअसल, यह पूरा मामला महोबा जनपद की सीमा से सटे मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के ज्योराहा गांव का से जुड़ा है. गांव के रहने वाले 42 साल के रामहेत साहू अपने घर पर थे, तभी वहां भूरानाथ नाम का एक सपेरा आया. वह अमूमन सांप दिखाकर लोगों से आटा, अनाज और पैसे मांगने का काम करता था. प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के मुताबिक, सपेरे ने अचानक अपनी टोकरी से काला कोबरा नाग निकाला और रामहेत के गले में लपेट दिया. अचानक गले पर रेंगते जहरीले सांप को देखकर रामहेत बुरी तरह घबरा गया. उसने डर के मारे जैसे ही सांप को हाथ से पकड़कर हटाने की कोशिश की, गुस्से में आए कोबरा ने उसके हाथ में डस लिया. सांप के काटते ही रामहेत चीख पड़ा और जमीन पर गिरकर तड़पने लगा. चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने तुरंत सपेरे को दबोच लिया. इसके बाद परिजन आनन-फानन में रामहेत को लेकर महोबा जिला अस्पताल भागे. डॉक्टरों को सांप की सही पहचान हो सके, इसलिए वो सपेरे और कोबरा नाग को भी साथ ले आए. हालांकि, आरोपी सपेरे भूरानाथ का दावा है कि पीड़ित ने खुद शौक में सांप को गले में डाला था. सपेरे ने यह भी कहा कि यह उसका पैतृक काम है और वह खुद झाड़-फूंक भी कर लेता है. जिला अस्पताल के डॉक्टर अमित राजपूत ने बताया कि यह सीधे तौर पर स्नेक बाइट का गंभीर मामला है. परिजनों के कहने पर उन्होंने सांप को देखा, जो कि एक कोबरा था.

अधजली लाश और फ्लाइट मोड पर मोबाइल...मेरठ में सनसनीखेज मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दौराला। मेरठ के दौराला क्षेत्र में गन्ने के खेत से एक व्यक्ति का अधजला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. घटनास्थल से मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और एक प्लास्टिक की केन भी बरामद हुई है. प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है. उत्तर प्रदेश में मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र के एक गन्ने के खेत में रविवार शाम को अधजला शव मिलने से सनसनी मच गई. खेत के बाहर एक मोटरसाइकिल भी खड़ी थी और खेत के अंदर जला हुआ शव पड़ा था. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की पहचान का प्रयास शुरू किया . मृतक की पहचान मुजफ्फरनगर के जानसठ निवासी 32 साल के प्रवीण के रूप में हुई. बताया जा रहा है कि शव के पास में ही तेल की केन मिली है जिसके आधार पर फिलहाल यह सुसाइड का मामला माना जा रहा है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है. दरअसल मामला मेरठ के दौराला थाना क्षेत्र के गांव लोहिया मार्ग का है जहां एक ईख के खेत में रविवार देर शाम एक अधजला शव पड़ा हुआ था. ग्रामीणों ने शव को देखा तो उन्होंने तुरंत पुलिस को फोन किया. इसके बाद दौराला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मेरठ के एसपी सिटी विनायक गोपाल भोंसले व सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे. शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया. खेत के बाहर ही एक मोटरसाइकिल खड़ी थी. शव के कुछ ही दूरी पर मृतक का मोबाइल भी पड़ा हुआ था जो की फ्लाइट मोड पर लगा हुआ था. शव के पास एक प्लास्टिक की तेल की केन भी मिली है. शव की पहचान मुजफ्फरनगर जानसठ के रहने वाले प्रवीण के रूप में हुई. बताया जा रहा है कि प्रवीण बाइक से निकला था. मृतक के परिजनों को भी सूचित किया गया और परिजन मौके पर पहुंचे. बताया जा रहा है

जान गंवाने वाले नलिन कर रहे थे IES की तैयारी, MBBS कर चुके रवि की भी हुई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सैदुलाजाब हादसे में जान गंवाने वाले स्टूडेंट्स दोस्तों के साथ रोज की तरह कुछ खाने गए थे। मरने वाले लोगों में दो छात्र रवि प्रकाश और नलिन खाने के लिए कैंटीन में गए थे। किसी कारण से बाहर आए उनके दोस्तों की जान बच गई। कैंटीन संचालक पार्वती की भी हादसे में मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले नलिन वहां कोचिंग में पढ़ाई नहीं करते थे। जबकि उनके भाई सोनू ने बताया कि नलिन तो इंडियन इंजीनियरिंग सर्विसेस की तैयारी कर रहे थे। वहां किराये पर रहकर तैयारी कर रहे थे। अक्सर कैंटीन में खाने जाया करते थे। अपने दोस्त के साथ कैंटीन में पराठा खाने के लिए गए थे। उनका दोस्त दो मिनट के लिए दही लेने बाहर निकला था। इतने में ही दूसरी बिल्डिंग भरभराकर कैंटीन पर गिर गई। सुबह उनको निकाला जा सका, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टर रवि का सपना रह गया अधूराः हादसे में गोंडा उत्तर प्रदेश के रहने वाले रवि प्रकाश ने भी जान गंवाई है। रवि ने 2024 में किर्गिस्तान से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की थी। वह आगे की पढ़ाई कर रहे थे। उनके परिवार में तीन भाई और दो बहनें हैं। परिवार में वह अकेले डॉक्टर बनने वाले शख्स थे। वह अपने दोस्तों के साथ कैंटीन में खाने के लिए गए थे। उनकी दोस्त अनामिका ने बताया कि मेरी एक दोस्त इस दौरान वहां आई और उसने दूसरी जगह खाने की जिद की। उसने कहा कि यह और अच्छी जगह है। हम दोनों वहां के लिए निकले थे और रवि कैंटीन में ही रुक गए। हम कुछ आगे गए ही थे कि इमारत ढह गई। हम रवि को ढूंढते रहे गए। बाद में उनकी मौत की खबर मिली। रवि के एक रिश्तेदार ने बताया कि उनके पिता राम गांव में स्कूल चलाते हैं। रवि डॉक्टर बनकर लोगों के लिए कुछ काम करना चाहते थे। लेकिन, अब हम उन्हें कभी नहीं देख पाएंगे। सैदुलाजाब में इमारत गिरने के 24 घंटे बाद भी राहत और बचाव अभियान जारी है। एनडीआरएफ, दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों की टीमें मलबे के ढेर में जिंदगी की तलाश में जुटी हैं। रविवार देर शाम तक भी मलबे का बड़ा हिस्सा नहीं हटाया जा सका था। हादसे के बाद सामने आई कई कहानियां दिल दहला देने वाली हैं। सबसे दुखद कहानी पार्वती की है, जो इमारत के पास ढाबा चलाती थीं। स्टूडेंट्स इस ढाबे को 'आंटी का ढाबा' कहते थे। पार्वती की बेटी नीलम का दावा है कि शनिवार रात करीब 2 बजे तक मलबे के नीचे से मां की आवाज सुनाई दे रही थी। वह लगातार मदद के लिए पुकार रही थी। परिवार और लोग बचाव कर्मियों से उन्हें जल्द निकालने की गुहार लगाते रहे, लेकिन सीमित संसाधनों के कारण राहत कार्य तेजी से आगे नहीं बढ़ सका और कुछ घंटे बाद आवाजें भी खामोश हो गईं। एनडीआरएफ के कमांडर अनंत कुमार ने बताया कि घटनास्थल पर फैल मलबे राहत कार्य में सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। मलबे के नीचे किसी के जीवित होने की संभावना तलाशने के लिए डॉग स्क्वॉड, सेंसर आधारित खोज उपकरण और अन्य तकनीकी संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि बचाव अभियान से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि हादसे के बाद लंबा समय बीतने की वजह से अब किसी के जीवित मिलने की संभावना बेहद कम है। अनुमान है कि पूरे मलबे को हटाने में सोमवार शाम तक का समय लग सकता है। राहत कार्य की गति को लेकर स्थानीय लोगों और परिजनों में नाराजगी देखने को मिली। आरोप है कि शुरुआती घंटों में भारी मशीनें उपलब्ध नहीं होने के कारण मलबे तेजी से नहीं हटाया जा सका। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के लगभग 16 घंटे बाद रविवार दोपहर करीब 12 बजे दो बड़ी क्रेन मौके पर पहुंचीं। इसी के बाद बचाव कार्य में तेजी आई। लोगों का कहना है कि अगर भारी क्रेन और अन्य संसाधन पहले पहुंच जाते तो कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती थी। हालांकि प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध संसाधनों के साथ लगातार राहत कार्य चलाया गया और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त मशीनें भी तैनात की गईं। एनडीआरएफ के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार हादसे की वजह इमारत के पिलरों का कमजोर होना बताया जा रहा है। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) ने वैज्ञानिक बनने की चाह रखने वाले होनहार युवा कपिल की जिंदगी का सबसे खुशी का दिन ही उसका आखिरी दिन बन गया। शनिवार को इस संस्थान में नौकरी के लिए उनका इंटरव्यू बेहद शानदार रहा था। जश्न मनाने के लिए उन्होंने शाम को अपने पांच दोस्तों को पार्टी दी थी। सभी दोस्त एक इमारत की कैंटीन में बैठकर खान खा रहे थे और हंस-बोल रहे थे, तभी अचानक वह पूरी इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई।

सुमन कल्याणपुर के निधन से राजनीतिक जगत में शोक, CM फडणवीस ने भी दी श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कल्याणपुर। भारत की मशहूर गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन हो गया है. उनके निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अन्य दिग्गज नेताओं ने गहरा शोक जताया है. दिग्गज नेताओं ने सुमन के निधन को 'संगीत के सुनहरे अध्याय का अंत' बताया है. भारत की मशहूर और दिग्गज गायिका सुमन कल्याणपुर का 89 साल की उम्र में निधन हो गया है. उनके निधन की खबर से संगीत से लेकर राजनीतिक जगत तक में मातम पसर गया है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई दिग्गज नेताओं ने सुमन के निधन पर शोक जताया है और उन्हें श्रद्धांजलि दी है. सुमन कल्याणपुर को 'ना ना करते', 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे' और 'तुमने पुकारा' जैसे सुपरहिट गानों के लिए जाना जाता था. उन्होंने हिंदी, के साथ-साथ मराठी, असमिया, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, भोजपुरी समेत कई भाषाओं में गाने गाए. सुमन कल्याणपुर के निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गहरा शोक जताया है. उन्होंने कहा कि देश ने एक ऐसी दैवीय आवाज को खो दिया है, जिसने छह दशकों से ज्यादा समय तक भारत की संगीत विरासत को समृद्ध किया. सीएम फडणवीस ने सुमन कल्याणपुर के साथ अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की. इसके साथ उन्होंने लिखा, 'सुमन जी ने शुरुआत में पेंटिंग की ट्रेनिंग ली थी, लेकिन बाद में उन्होंने संगीत को ही अपनी जिंदगी बना लिया. इसके बाद वो देश की सबसे सम्मानित प्लेबैक सिंगर्स में से एक बनीं. उनकी मधुर आवाज और शास्त्रीय संगीत पर उनकी पकड़ ने उनके गानों को बेहद पॉपुलर बनाया, खासकर 1950 और 1960 के दशक में. मुख्यमंत्री ने आगे कहा, 'भले ही उनके अमर गाने हमेशा हमारे साथ रहेंगे, लेकिन सौम्य और शालीन सुमन जी की कमी हमेशा खलेगी.

एकनाथ शिंदे ने कहा- मुरझा गया संगीत का 'सुमन'

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुमन कल्याणपुर को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि अपनी सदाबहार और मधुर धुनों से भारतीय संगीत पर राज करने वाली अनुभवी गायिका के जाने से संगीत का 'सुमन' (फूल) मुरझा गया है. शिंदे ने कहा, 'सुमन जी सिर्फ एक गायिका नहीं थीं, बल्कि वो भारतीय सुगम शास्त्रीय और फिल्मी संगीत के एक सुनहरे युग का प्रतिनिधित्व करती थीं.

अनशन पर बैठे मनोज जरांगे की कड़ी धूप में तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मराठा। आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल की अनशन के दौरान तबीयत बिगड़ गई. तेज धूप में बैठने की वजह से उन्हें गंभीर डिहाइड्रेशन, उल्टियां और चक्कर की शिकायत हुई, जिसके बाद एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया. भाजपा नेता प्रसाद लाड ने कहा कि सरकार और आंदोलन पक्ष के बीच बेहतर बातचीत होने से 15 घंटे में आंदोलन खत्म हो सका. मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. कड़ी धूप में अनशन पर बैठने की वजह से उन्हें छत्रपति संभाजी नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया. दरअसल, पाटिल का आरोप है कि सरकार मराठा समाज से किए गए वादे पूरे करने में लगातार टालमटोल कर रही है, इसी के खिलाफ उन्होंने यह मोर्चा खोला था. मनोज जरांगे ने हाल ही में अपनी मांगों को लेकर अनशन शुरू किया था. हालांकि, यह आंदोलन करीब 15 घंटे के भीतर खत्म हो गया. इसके तुरंत बाद उनकी तबीयत खराब होने लगी. अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच की, जिसमें डिहाइड्रेशन की पुष्टि हुई. उनकी सेहत की जानकारी देते हुए डॉक्टर विनोद चावरे ने बताया कि तेज धूप में लगातार अनशन पर बैठने की वजह से मनोज जरांगे को सीवियर डिहाइड्रेशन हो गया था. उन्हें उल्टियां हो रही थीं और चक्कर भी आ रहे थे. इसी वजह से अस्पताल में भर्ती होना पड़ा. फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है. अस्पताल में पाटिल की सेहत का हाल जानने भाजपा नेता प्रसाद लाड पहुंचे. उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में बड़ा खुलासा किया कि पहले कई महीनों तक चलने वाला यह आंदोलन इस बार महज 15 घंटे में कैसे खत्म हो गया. लाड के मुताबिक, पहले सरकार तथा आंदोलनकारियों के बीच बातचीत का थोड़ा गैप था. मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर उन्होंने पाटिल के साथ अहम बैठक की, जिससे आपसी संवाद का यह अंतर खत्म हो गया. जब समाज की जायज मांगें मान ली गईं, तो पाटिल ने भी बिना किसी जिद के अपना अनशन खत्म कर दिया. चुनाव आचार संहिता के दौरान सरकारी आदेश में बदलाव करने के सवाल पर भाजपा नेता ने स्थिति साफ की. उन्होंने कहा कि साल 2025 का मूल सरकारी आदेश पहले ही जारी हो चुका है. अब सिर्फ उसमें सुधार या नया सर्कुलर आना बाकी है, जिस पर चुनावी पाबंदियों का नियम लागू नहीं होता. फिर भी एहतियात के तौर पर सोमवार को चुनाव आयोग से मिलकर अंतिम फैसला लिया जाएगा. राज्य में लागू चुनाव आचार संहिता और सरकारी आदेश में बदलाव को लेकर भी भाजपा नेता ने स्थिति साफ की. उन्होंने भरोसा दिया कि साल 2025 का मूल आदेश पहले ही आ चुका है, इसलिए तकनीकी सुधारों पर कोई रोक नहीं लगती, फिर भी सोमवार को चुनाव आयुक्त से इस पर अंतिम सलाह ली जाएगी. इसके अलावा, उन्होंने नाराज ओबीसी नेताओं को समझाते हुए कहा कि सरकार पाटिल को कोई नया हक नहीं दे रही, बल्कि विधानसभा के पटल पर पहले से तय पुराना वादा ही पूरा कर रही है.

बेटी की हत्या में पिता और भाई को जेल, बॉयफ्रेंड संग भागी लड़की जिंदा मिली, महाराष्ट्र पुलिस पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक हैरान कर देनेवाली घटना सामने आई है। यहां एक हत्या के मामले ने तब एक अप्रत्याशित मोड़ आया, जब मृत महिला अचानक सामने आ गई। यह लड़की पुलिस के सामने पेश हुई और अपने पिता को जेल से रिहा करने की अपील की। लड़की की हत्या का आरोप में ही उसके पिता और भाई को जेल में डाला गया था। लड़की के सामने आने के बाद उसके भाई और पिता को जेल से रिहा कर दिया गया है। हालांकि अब इस केस में नया पेच फंस गया है कि जिस लड़की की जली लाश के पुलिस ने जंगल से बरामद किया था, वह किसकी थी? यह मामला कुछ दिन पहले शुरू हुआ था, जब पुलिस ने बुलढाणा ज़िले के एक जंगल से एक आंशिक रूप से जला हुआ शव बरामद किया था। यह सव दो हिस्सों में कटा हुआ था। जांचकर्ताओं ने शुरू में माना कि यह शव शिवानी नाम की एक महिला का है। इधर शिवानी लापता थी।

पुलिस के सामने आई शिवानी

पुलिस ने शिवानी की हत्या के आरोप में उसके पिता बापूराव नत्थू कालमेकर और भाई के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया। दोनों को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। हालांकि केस में तब एक नाटकीय मोड़ आया, जब शिवानी खुद पुलिस के सामने पेश हुई और बताया कि वह जिंदा है।

पुलिस ने पिता और भाई का कबूलनामा भी कोर्ट में दिया था

शिवानी ने अपने पिता और भाई की रिहाई की भी मांग की, जिन्हें उसकी कथित हत्या के सिलसिले में जेल में डाला गया था। उसके पेश होने और बयान के बाद, अदालत ने उनकी रिहाई का आदेश दे दिया। जेल से बाहर आने के बाद, शिवानी के पिता से पूछा गया कि उन्होंने हत्या न करने के बावजूद उसका इकबाल क्यों किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने गुस्से में आकर यह बयान दिया था, क्योंकि उनकी बेटी बार-बार घर से भाग जाती थी।

लड़के संग भाग गई थी शिवानी

बताया जा रहा है कि शिवानी का एक लड़के के साथ अफेयर था। उसके घरवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। बीते दिनों शिवानी उसी लड़के के साथ भाग गई थी। परिवार ने शिवानी के गायब होने की शिकायत भी की थी। बाद में पुलिस ने लाश बरामद करके उसे शिवानी का बताकर उसके पिता और भाई को जेल भेज दिया। वहीं शिवानी को जब यह पता चला तो उससे रहा नहीं गया और वह पुलिस के सामने पेश हो गई। बापूराव ने दावा किया कि पुलिस ने उन्हें इकबाल करने के लिए न तो मजबूर किया था और न ही उन पर कोई दबाव डाला था। उनके अनुसार, उन्होंने अपनी बेटी के बार-बार के ऐसे कामों से हताश होकर झूठे तौर पर अपराध की ज़िम्मेदारी स्वीकार कर ली थी। उनके इस बयान ने इस बारे में नए सवाल खड़े कर दिए हैं

महाराष्ट्र में MLC चुनाव का बिगुल, BJP ने जारी की उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

बीजेपी ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है. इसमें विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और पश्चिम महाराष्ट्र के प्रमुख क्षेत्रों के अनुभवी नेताओं को शामिल किया गया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र । बीजेपी ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है. पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों से होने वाले द्विवार्षिक चुनाव और उप-चुनाव 2026 के लिए उम्मीदवारों की सूची को अपनी मंजूरी दे दी है. पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की और से जारी इस लिस्ट में राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों से अनुभवी नेताओं को चुनावी मैदान में उतारा गया है. बीजेपी की लिस्ट के मुताबिक, द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए कुल 10 नामों पर मोहर लगी है. वर्धा-चंद्रपुर-गढ़चिरोली से अरुण लखाणी, भंडारा-गोंदिया से अविनाश ब्राह्मणकर और अमरावती से प्रवीण पोटे पाटिल को उम्मीदवार घोषित किया गया है. सांगली-सतारा से धैर्यशील कदम, सोलापुर से राजेंद्र राउत, अहिल्यानगर से प्राजक्त तनपुरे और छत्रपति संभाजीनगर-जालना से सुहास शिरसाट चुनाव लड़ेंगे. जबकि नांदेड से अमर राजूरकर, धाराशिव-लातूर-बीड से बसवराज पाटिल और जलगांव से नंदकिशोर महाजन चुनावी मैदान में होंगे. विधान परिषद उप-चुनाव के लिए भी नाम तय द्विवार्षिक सीटों के साथ-साथ बीजेपी ने महाराष्ट्र विधान परिषद उप-चुनाव 2026 के लिए भी अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा की है. पार्टी ने नागपुर स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से होने वाले इस उप-चुनाव के लिए डॉ. राजीव पोतदार को अपना अधिकृत उम्मीदवार बनाया है.

सभी क्षेत्रों को साधने की कोशिश

बीजेपी की इस सूची से साफ है कि पार्टी ने महाराष्ट्र के सभी प्रमुख क्षेत्रों जैसे विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र और पश्चिम महाराष्ट्र में अपने समीकरणों को मजबूत करने की कोशिश की है. पार्टी ने इन सीटों पर जीत दर्ज करने के लिए अपने जमीनी और प्रभावशाली नेताओं पर भरोसा जताया है.

दिल्ली : ITO पर स्कूल ऑफ प्लानिंग की इमारत में लगी आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ITO स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग की इमारत में अचानक आग लग गई. घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है. दिल्ली के ITO स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग की इमारत में आग लगने की सूचना मिली है. जानकारी के मुताबिक आग बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर लगी, जिसके बाद वहां से धुआं निकलता देखा गया. घटना की जानकारी मिलते ही दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का की कोशिश की गई. सुबह 9:37 बजे दमकल विभाग को इस घटना की सूचना मिली. वहीं अब स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर की इमारत में लगी आग पर काबू पा लिया गया है. इस घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की खबर नहीं है. वहीं, आग लगने का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, शिक्षा मंत्रालय में आग लग गई है. मुझे आश्चर्य है कि क्या सीबीएसई ओएसएम गड़बड़ी के टेंडर दस्तावेज रहस्यमय तरीके से जल जाएंगे?

अवैध निर्माणों पर एक्शन के आदेश

बता दें, सीबीएसई ने इस साल कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम लागू किया था, लेकिन जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुए, इस प्रणाली को लेकर कई शिकायतें सामने आने लगीं. अब इस आग की घटना को पूर्व सीएम ने सीबीएसई ओएसएम विवाद से जोड़ा है. इस बीच, शिक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि आग मामूली थी और उस पर जल्द ही काबू पा लिया गया. घटना में किसी प्रकार की जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है. वहीं, सोमवार को दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित एक पीजी हॉस्टल में भी आग लगने की घटना सामने आई. जहां आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया. राहत की बात यह रही कि इस घटना में भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली. मौके पर दमकल विभाग की टीमें तुरंत पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की. काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पा लिया गया. बता दें, दिल्ली में हाल के दिनों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं. कई जगहों पर इन घटनाओं से भारी नुकसान भी हुआ है. शनिवार रात दिल्ली के दक्षिण-पश्चिमी इलाके के महिपालपुर की गली नंबर 12 स्थित एक मोबाइल गोदाम से आग की लपटें उठती देखी गईं. अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए 14 दमकल वाहनों को काम पर लगाया गया है. दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों से एसी में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं.

एक हफ्ते में जीता भरोसा, फिर GTB अस्पताल से 7 महीने का बच्चा लेकर फरार हुई 'दोस्त'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को गुरु तेग बहादुर (जीबीटी)अस्पताल परिसर से एक महिला ने सात महीने के शिशु का कथित तौर पर अपहरण कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। आरोपी महिला ने हाल में शिशु की मां से दोस्ती कर ली थी और पीड़िता कुछ देर के लिए अपने बच्चे को उसकी देखरेख में छोड़कर गई थी। पुलिस ने बताया कि बच्चे की मां नाजरीन (23) सीलमपुर की निवासी है। उसने पुलिस को घटना की सूचना दी जिसके बाद अपहरण का मामला दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार लगभग एक सप्ताह पहले सीलमपुर में एक अज्ञात महिला ने नाजरीन से दोस्ती कर ली थी। पुलिस ने बताया कि महिला अक्सर उससे मिलती रहती थी और उसने उसका भरोसा जीत लिया था।

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल से सात महीने के एक बच्चा किडनैप हो गया।

आरोपी महिला ने एक हफ्ता पहले बच्चे की मां (नाजरीन) से दोस्ती कर उसका भरोसा जीता था। रविवार को जब मां अस्पताल में पर्ची बनवाने गई, तो आरोपी महिला बच्चे को लेकर फरार हो गई।

बच्चे को लेकर फरार हो गई महिला

पुलिस ने बताया कि दोनों महिलाएं रविवार को साथ में जीटीबी अस्पताल गईं, जहां नाजरीन कुछ देर के लिए अपने बेटे को आरोपी महिला के पास छोड़कर अस्पताल के अंदर पर्ची बनवाने गई थी। जब नाजरीन लौटी तो उसने पाया कि महिला और उसका बेटा गायब हैं। क्या कहा पुलिस अफसर ने पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के बारे में पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) पर सूचना मिला जिसके पुलिस ने जांच शुरू की और अपहरण का मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि लापता बच्चे का पता लगाने और आरोपी महिला को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

दिल्लीः मॉडल टाउन में खूनी वारदात, 25 वर्षीय युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक 25 वर्षीय युवक की चाकुओं से घोंपकर हत्या कर दी गई. वहीं हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया. दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई है. जहां 25 साल के युवक साहिल की चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी गई. मृतक के शरीर पर सीने, पीठ और गर्दन पर कई गहरे घाव मिले हैं. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है. पुलिस के मुताबिक 31 मई 2026 को मॉडल टाउन थाने में विनायक अस्पताल से एक पीसीआर कॉल मिली थी. अस्पताल प्रशासन ने सूचना दी कि एक युवक को गंभीर हालत में लाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना मिलते ही पुलिस की टीम अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू की. मृतक की पहचान 25 साल के साहिल के रूप में हुई है, जो बुराड़ी के तोमर कॉलोनी का रहने वाला था. पुलिस जांच में पता चला कि साहिल को उसके दोस्त शिव और शुभम अस्पताल लेकर पहुंचे थे. जब पुलिस ने शव का निरीक्षण किया तो पाया कि साहिल के शरीर पर चाकू से किए गए कई वार के निशान थे. सबसे ज्यादा चोटें उसके सीने, पीठ और गर्दन पर थीं, जिससे साफ था कि हमलावर का इरादा जान लेने का था. शुरुआती जांच के दौरान पुलिस ने साहिल के दोस्तों और चश्मदीदों से पूछताछ की. पूछताछ में सामने आया कि यह पूरी घटना एमसीडी कॉलोनी इलाके में हुई थी. चश्मदीद शिव ने पुलिस को बताया कि वारदात को अंजाम देने वाला युवक आशु उर्फ लाला है, जिसकी उम्र करीब 18 साल है. आरोपी दिल्ली के लाल बाग इलाके का रहने वाला है. शिव के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है. जांच के दौरान पुलिस को वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद हो गया. यह हथियार घटनास्थल से करीब 100 मीटर दूर एक जगह पर पड़ा मिला. पुलिस ने चाकू को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है ताकि हत्या से जुड़े अन्य सबूत जुटाए जा सकें. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी वारदात के बाद मौके से फरार हो गया. उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है. पुलिस की कई टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हुई हैं

टोल बचाने को बदला कार का नंबर, चालान पहुंचा दूसरे के घर; मुंडका टोल प्लाजा पर नंबर प्लेट की हेराफेरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 11 मई को बैरियर फ्री हुए मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर कुछ 'तिकड़मबाज' लोगों द्वारा टोल टैक्स की चोरी के नित नए पैंतरे सामने आ रहे हैं। एक मामले में क्रेटा कार सवार शख्स ने पहले तो अपनी कार की विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं चिपकाया। फिर इससे भी दो कदम और आगे बढ़ते हुए उसने अपनी कार की ओरिजिनल नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करते हुए उसका नंबर ही बदल डाला। बदला गया नंबर किसी नेक्सॉन कार वाले का निकला। क्रेटा वाले ने इस बदले नंबर से कई बार मुंडका टोल को बिना टोल टैक्स चुकाए पार किया। टोल की चोरी के आरोप में ई-चालान लगातार नेक्सॉन कार वाले के एड्रेस पर पहुंचते रहे।

जबकि इस पूरे समय पीड़ित की कार उनके घर पर ही खड़ी रही।

लगातार कई ई-चालान आने पर पीड़ित परेशान हो गए और शिकायत एनएचएआई अधिकारियों से की। उन्हें बताया गया कि टोल ना भरने के आरोप में जितने भी ई-चालान सिस्टम ने भेजे हैं, उस पूरे समय उनकी कार तो कभी मुंडका टोल से गुजरी ही नहीं। वह घर पर ही खड़ी थी। जिसकी उनके पास वीडियो फुटेज भी है।

मामले की गंभीरता देख शुरू की तहकीकात

मामला गंभीर होते देख एनएचएआई अधिकारियों ने भी तहकीकात शुरू की। जिसमें पता लगा कि एक क्रेटा कार सवार यह खेल कर रहा है। उसने टोल की चोरी करते हुए अपनी कार के असली नंबर को किसी दूसरी गाड़ी के नंबर से बदल डाला।

श्रीवास्तव प्रदेश महासचिव नियुक्त वही श्रीमती नंदा पसीने बालोद जिला अध्यक्ष नियुक्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। हिंदुत्व मुद्दे को लेकर प्रखर तरीके से राष्ट्रीय टीवी चैनल पर विभिन्न मसलों में सुप्रीम कोर्ट में याचिका करने वाले कटर हिंदुत्व की छवि रखने वाले हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने छत्तीसगढ़ में संगठन विस्तार करते हुए राजनांदगांव जिले से हेमंत वर्मा को संगठन में बड़ा दायित्व देते हुए प्रदेश अध्यक्ष की महती जिम्मेदारी दिया है गौरतलब है की हेमंत वर्मा हिंदुत्व विचारक व्यक्ति है और विगत दो दशक से भी लंबे समय से वह पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं अपनी विशिष्ट लेखनी और समसामयिक टिप्पणी के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में मशहूर है सनातन धर्म के प्रचार प्रसार भारतीय संस्कृति की संरक्षण और गौहत्या एवं धर्मांतरण जैसे मुद्दे को लेकर हिंदू सेना पूरे देश में सक्रिय है संगठन के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा ने संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता का आभार व्यक्त किया है एवं कोर कमेटी क भी आभार व्यक्त किया है साथ ही बालोद के वरिष्ठ पत्रकार निलेश श्रीवास्तव को प्रदेश महासचिव की बड़ी जिम्मेदारी दिया गया है इसी तरीके से और श्रीमती नंदा पसीने को जिला बालोद अध्यक्ष की जिम्मेदारी दिया गया कि प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा शनिवार को बालोद प्रवास पर रहेंगे इस दौरान में नवनियुक्त पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र दिया जाए एवं भविष्य की रणनीति पर चर्चा किया जाएगा

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श आज भी सुशासन और नारी सशक्तिकरण की प्रेरणा : रविंद्र इंद्राज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर बेगमपुर में आयोजित भव्य शोभायात्रा एवं जयंती समारोह में दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने सहभागिता कर लोकमाता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभा को संबोधित करते हुए रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन सेवा, सुशासन, न्याय, नारी सम्मान और जनकल्याण के आदर्शों का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक शासक के रूप में अहिल्याबाई ने समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि संवेदनशील नेतृत्व ही वास्तविक सुशासन का आधार होता है। उन्होंने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर ने भारत की धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण में असाधारण योगदान दिया। देशभर में मंदिरों, घाटों

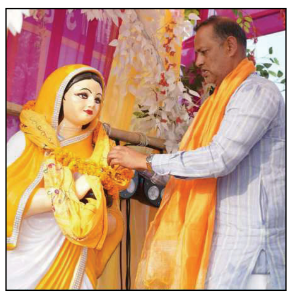

और तीर्थ स्थलों के निर्माण एवं पुनर्निर्माण के माध्यम से उन्होंने भारतीय संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान की। साथ ही महिलाओं के सम्मान, सामाजिक सुधार और जनसेवा के क्षेत्र में उनके कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों से प्रेरणा लेकर महिला सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महिलाओं के उत्थान और समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्वरूप माना गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन इस सत्य का जीवंत उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, सेवा भावना और नैतिक नेतृत्व के माध्यम से समाज में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है। आज आवश्यकता है कि उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समरस, न्यायपूर्ण और विकसित समाज के निर्माण में योगदान दिया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, दिल्ली में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन पर आधारित फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग भी की गई, जिससे नई पीढ़ी को उनके महान व्यक्तित्व और योगदान को जानने का अवसर मिला। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं एवं समाज के लोगों की उपस्थिति में निकाली गई विशाल शोभायात्रा मुख्य आकर्षण रही, जिसमें लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, उनके लोककल्याणकारी कार्यों, न्यायप्रिय शासन तथा सांस्कृतिक योगदान को विभिन्न झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

मुख्यमंत्री ने मेधावी छात्राओं के बीच वितरित की साइकिलें

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित 'विकसित मालवीय नगर का संकल्प समारोह' में मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पक्षियों के लिए वॉटर पोट्स स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी रखने की अपील की। श्री अरविंदो मार्ग स्थित एनसीयूआई ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, मालवीय नगर के विधायक सतीश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों और जनहितकारी परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त की। विधायक सतीश उपाध्याय से जुड़ी संस्था उमा निरंजन फाउंडेशन द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने और बालिका सशक्तिकरण के उद्देश्य से मेधावी एवं आर्थिक रूप से जरूरतमंद 15 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को साइकिलें प्रदान करते हुए कहा कि शिक्षा तक आसान पहुंच प्रत्येक बेटी का अधिकार है और ऐसी पहल छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान मालवीय नगर क्षेत्र में स्पोर्ट्स क्लब्स एवं कल्चरल क्लब्स की स्थापना की घोषणा भी की गई।

प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम को दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने 7568 बूथों पर सुना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 134वें संस्करण को आज दिल्ली भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नागरिक संगठनों के साथ लगभग 7568 बूथों एवं विभिन्न स्थानों पर सुना। दिल्ली में मन की बात कार्यक्रम आयोजन टोली के संयोजक राजन तिवारी के अनुसार आज नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने केशवपुरम जिले के प्रशिक्षण शिविर में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वरिष्ठ विधायक सतीश उपाध्याय द्वारा मालवीय नगर विधानसभा में आयोजित विकास कार्यों के उद्घाटनों एवं समीक्षा बैठक में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज की गरिमापूर्ण उपस्थिति में स्थानीय आरडब्लूए और भाजपा पदाधिकारियों के साथ खेल गांव मार्ग स्थित एनसीयूआई ओडिटोरियम में मन की बात कार्यक्रम सुना। दिल्ली भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सांसद श्री प्रवीन खंडेलवाल की उपस्थिति में चांदनी चौक जिले के प्रशिक्षण शिविर सत्र को सम्बोधित करने के बाद वहीं जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधान मंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

सांसद मनोज तिवारी ने आज सोनिया बिहार में स्थानीय लोगों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय में मन की बात कार्यक्रम को सुना। हर्ष मल्होत्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश के ऐसे राष्ट्रीय नेता है जो देश की जनता से सीधा संवाद करते हैं। देश में होने वाली छोटी घटनाओं के साथ ही उन्होंने देश की प्रतिभा

को पहचानने और उसके बारे में सबको बताने की एक पहल इस कार्यक्रम के माध्यम से शुरू की है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि गर्मी का मौसम चल रहा है और प्रधानमंत्री ने गर्मी में बचाव के लिए लोकल उपाय की बात कही चाहे कही आम पन्ना पीने की बात हो या फिर सत्तू पीने की बात हो। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम एक ऐसा इवेंट बन गया है कि पहले हर व्यक्ति रामायण का धारावाहिक दर्शन देखा करता था पर आज घर घर में अब वह हर महीने के अंतिम मन की बात कार्यक्रम का इंतजार रहता है।

भारत की शक्ति उसकी सभ्यतागत चेतना में निहित : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। । दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत की शक्ति केवल उसकी आर्थिक वृद्धि और तकनीकी प्रगति में ही नहीं, बल्कि उसकी सभ्यतागत चेतना, सांस्कृतिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों में भी निहित है। इस विरासत का संरक्षण केवल अतीत को स्मरण करने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। यह विचार विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित शंकर लाल कॉन्सर्ट हॉल में आयोजित पुस्तक 'प्रथम सिंधु कुंभ : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व' के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

इस कार्यक्रम का आयोजन सिंधु दर्शन समिति द्वारा किया गया, जिसमें प्रख्यात आध्यात्मिक संतों, विद्वानों, शिक्षाविदों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. इन्द्रेश कुमार तथा डॉ. दयालु महाराज (अध्यक्ष, हिमालय परिवार, दिल्ली प्रांत) सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह अवसर केवल एक पुस्तक के विमोचन तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत की सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मा से पुनः जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। विजेंद्र गुप्ता ने सिंधु नदी के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिंधु केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत स्मृति और सांस्कृतिक पहचान की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि हिंद, हिंदू और हिंदुस्तान जैसे शब्दों की ऐतिहासिक जड़ें भी सिंधु से जुड़ी हुई हैं। उनके अनुसार सिंधु उस निरंतर सभ्यतागत यात्रा का प्रतीक है जिसने सहस्राब्दियों से भारत के स्वरूप और उसकी सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। भारत की विविधता में निहित एकता पर बल देते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि देश में भाषाओं, परंपराओं और जीवन-शैलियों की उल्लेखनीय विविधता होने के बावजूद उसकी सांस्कृतिक आत्मा एक है। उन्होंने कहा कि यही सभ्यतागत एकता भारत की स्थायी शक्ति रही है और सिंधु उसी सांस्कृतिक एकात्मता का प्रतीक है जो देशवासियों को क्षेत्रों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे जोड़ती है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि तीव्र तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में युवा पीढ़ी अनेक बार अपनी सांस्कृतिक जड़ों और ऐतिहासिक परंपराओं से दूर होती दिखाई देती है। ऐसे समय में भारत की सभ्यतागत विरासत का दस्तावेजीकरण करने वाली पुस्तकें और सांस्कृतिक पहले ऐतिहासिक स्मृति के संरक्षण, सांस्कृतिक जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा राष्ट्र को आकार देने वाले मूल्यों और परंपराओं की गहरी समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एनवायरनमेंटलिस्ट ताखुभाई संसूर, बिपिन जोशी की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। एशियाई शेरों पर कैनाइन डिस्टेंपर वायरस का खतरा मंडरा रहा है। कई शेर इससे इंफेक्टेड हो चुके हैं। एनवायरनमेंटलिस्ट ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट द्वारा किए जा रहे काम और शेरों के बचाव पर पूरी रिपोर्ट की मांग की है। एनवायरनमेंटलिस्ट ताखुभाई संसूर- भावनगर, श्री बिपिनभाई जोशी और मंगलूभाई खुमान- अमरेली की लिस्ट में बताया गया है कि पिछली शेरों की गिनती के अनुसार, हमारी 891 एशियाई शेरों की आबादी में से कई शेरों को बबेसिया नाम की बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया है। कुछ लोगों में इस बात को लेकर शक है कि कितने शेर मर चुके हैं, कितने इंफेक्टेड हैं और कितने पूरी तरह से बीमारी से मुक्त हैं। सरकार को पूरी रिपोर्ट तैयार करके पब्लिश करनी चाहिए। बबेसिया बीमारी कुत्ते और बिल्ली परिवार के जानवरों के लिए बहुत जानलेवा साबित हो रही है। 2026 में, थाईलैंड में हाल ही में आए इस तरह के वायरस की वजह से करीब 72 बाघों की मौत हो गई थी। यह बीमारी अफ्रीका समेत कुछ जंगली इलाकों में भी कभी-कभी हुई है। तब यह बिल्लियों के लिए बहुत जानलेवा साबित हुई है। इसलिए, हर महीने होने वाले सिंह पूनम ऑब्ज़र्वेशन में शेरों की गिनती की जाती है। अगर यह गिनती अब पूरी हो जाती है, तो गुजरात फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को पूरी रिपोर्ट जारी करनी चाहिए कि इस बीमारी से कितने शेर प्रभावित हुए, कितने मरे और कितने पूरी तरह सुरक्षित हैं। फॉरेस्ट मिनिस्टर श्री अर्जुन मोढवाडिया को उनके उठाए गए कदमों और दिखाई गई संवेदनशीलता के लिए बधाई दी जानी चाहिए। जिसकी वजह से गुजरात फॉरेस्ट डिपार्टमेंट सफल हुआ है। मैं फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को हमारी विरासत, एशियाई शेरों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश करने के लिए भी बधाई देता हूं।

शालीमार बाग में सड़क चौड़ीकरण के लिए अवैध निर्माण पूरी तरह हटाने तक जारी रहेगा अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने के बाद सुबह से शालीमार बाग स्थित गांव हैदरपुर क्षेत्र में रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे के भीतर बने अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक निर्धारित क्षेत्र में स्थित सभी अवैध संरचनाओं (स्ट्रक्चर्स) को हटाकर सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए भूमि उपलब्ध नहीं करा दी जाती। मध्य-उत्तर जिला के जिलाधिकारी (डीएम) एसएस परिहार ने आज बयान जारी कर बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में की जा रही है। संबंधित भूमि अधिग्रहित सरकारी भूमि है, जो दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के मास्टर प्लान में सार्वजनिक सड़क के रूप में चिन्हित है तथा रोड नंबर-320 के निर्धारित राइट ऑफ वे का हिस्सा है।उन्होंने बताया कि यह सड़क

शालीमार बाग रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) को आउटर रिंग रोड से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण यातायात गलियारे का हिस्सा है। यह मार्ग रिंग रोड, आजादपुर, शालीमार बाग तथा आसपास के बड़े आवासीय, व्यावसायिक एवं संस्थागत क्षेत्रों को जोड़ता है। इसके माध्यम से अस्पतालों, सरकारी कार्यालयों और विकसित हो रहे प्रशासनिक परिसरों तक पहुंच सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि सड़क की वर्तमान चौड़ाई अतिक्रमणों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, जिससे नियमित यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और एम्बुलेंस, अग्निशमन वाहनों तथा अन्य आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। परिहार ने बताया कि 6 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने इससे संबंधित याचिका खारिज करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं के पास पूर्व-अधिग्रहण स्वामित्व के वैध दस्तावेज नहीं हैं, भूमि का अधिग्रहण वैध है तथा सार्वजनिक महत्व की सड़क परियोजना को रोका नहीं जा सकता। इसके बाद 18 मई को पुनर्विचार याचिका भी खारिज कर दी गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की। 29 मई को सर्वोच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई हुई और न्यायालय ने विशेष अनुमति याचिका खारिज करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। इसके साथ ही प्रशासन के पक्ष को अंतिम न्यायिक स्वीकृति प्राप्त हो गई। परिहार ने कहा कि दिल्ली सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रभावित पात्र परिवारों के लिए विशेष सहायता पैकेज भी घोषित किया है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार अथवा इकाई को 3 लाख रुपये की एकमुश्त एक्स-ग्रेशिया सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों के पास दिल्ली में कोई वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं है, उन्हें सावदा घेवरा स्थित आवासीय इकाइयों में 11 माह तक लाइसेंस आधारित अस्थायी आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिले, राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने हाल ही पांच नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी थी। इनमें चार अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, जबकि एक वरिष्ठ अधिवक्ता का नाम भी सूची में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, 'भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति शील नागू (पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति चंद्रशेखर (बॉम्बे हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति अरुण पल्ली (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट) तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।' वी. सुब्रमणि मोहना उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वकालत से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक का सफर तय किया है। वह ऐसे परिवार में जन्मीं, जिसका कानून के पेशे से कोई संबंध नहीं था। वर्ष 1983 में जब भारत में पहली बार पांच वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम शुरू किया गया, तब उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश लिया था।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे संबंधित विधेयक पेश करेगी। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वर्ष 1956 के संबंधित कानून में संशोधन किया जाएगा।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम ऑन संडे' अभियान के अंतर्गत आज नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चाणक्यपुरी स्थित डिप्लोमैटिक एन्क्लेव ओनर्स एंड रेजिडेंट्स एसोसिएशन (डीईओआरए), मलचा मार्ग में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए पदाधिकारी, एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में डीईओआरए के पदाधिकारी अशोक बहल, आदित्य टंडन, अंशु देवान एवं अवधेश सहित अनेक नागरिकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह अभियान मां के प्रति सम्मान और प्रकृति संरक्षण को एक साथ जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। पौधारोपण से पूर्व कुलजीत सिंह चहल ने क्षेत्र के निवासियों एवं आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी जनहित के कार्यों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान

केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का एक जनआंदोलन है। एक पौधा लगाकर हम अपनी माँ को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य की नींव भी रखते हैं। उन्होंने बताया कि एनडीएमसी द्वारा पूरे वर्ष हर विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लगाए गए पौधों की देखभाल और उनके संरक्षण के लिए बागवानी, स्वास्थ्य, सिविल, सड़क, जलापूर्ति, जल निकासी एवं विद्युत विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। चहल ने यह भी जानकारी दी कि आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनडीएमसी द्वारा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने द्वारा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करें और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से और मजबूत बनाएं। इस अवसर पर कुलजीत सिंह चहल ने आरडब्ल्यूए को पक्षियों के लिए मिट्टी के पानी के बर्तन (परिंडे) भी भेंट किए।

जयशंकर ने समोआ को स्वतंत्रता दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने समोआ के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वहां की सरकार और जनता को शुभकामनाएं दी। विदेशमंत्री ने एक्स संदेश में कहा,

समोआ सरकार और वहां के लोगों को आज उनके स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। जयशंकर का यह संदेश भारत और समोआ के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा आपसी सहयोग को और मजबूत करने की भावना को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि समोआ प्रतिवर्ष 1 जून को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। यह दिन वर्ष 1962 में देश की स्वतंत्रता प्राप्ति की स्मृति में मनाया जाता है।

मूल्यांकन प्रणाली पर चिंताओं के बीच साइबर सुरक्षा टीमें ऑनमार्क पोर्टल को कर रहीं मजबूत : सीबीएसई

एजेंसी

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कहा कि वह एग्जाम सर्विस के लिए इस्तेमाल होने वाले ऑनमार्क पोर्टल में कमियों पर नजर रख रहा है और उन्हें ठीक कर रहा है। सरकारी एजेंसियों और आईआईटी के साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट अब सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं। सीबीएसई का यह बयान 12वीं कक्षा के मूल्यांकन के लिए नए लागू किए गए ऑनस्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम की बढ़ती जांच के बीच आया है, जिसकी तकनीकी दिक्कतों और असेसमेंट प्रोसेस से जुड़ी चिंताओं की रिपोर्ट के बाद आलोचना हुई है। खबर है कि बड़ी संख्या में छात्रों ने अपने स्कोर में अचानक बदलाव देखने के बाद अपनी मूल्यांकन की हुई आंसर शीट का एक्सेस मांगा है। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि हम अपने सर्विस प्रोवाइडर के ऑनमार्क पोर्टल में उन कमजोरियों पर करीब से नजर रख रहे हैं जिन्हें पब्लिक डोमेन में फ्लैग किया जा रहा है। जारी बयान में कहा गया कि पिछले कुछ दिनों में सरकार के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ आईआईटी से साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की एक एक्सपर्ट टीम को इन सिस्टम्स को मजबूत करने के लिए लगाया गया है, जिसमें उन्हें ज्यादा सुरक्षित सेट-अप पर ले जाना भी शामिल है। पहचानी गई कमजोरियों को कंट्रोल

कर लिया गया है और दूसरी ऐसी कमजोरियों को भी दूर किया जा रहा है जिनका फायदा उठाया जा सकता है। सीबीएसई ने कमजोरियों को बताने के लिए सतर्क नागरिकों और एथिकल हैकर्स का भी शुक्रिया अदा किया और कहा कि एजुकेशन बोर्ड ने उनमें से कुछ से सीधे संपर्क किया है। सीबीएसई ने कहा कि हम बाकी लोगों से अपील करते हैं कि वे किसी भी और इनपुट के लिए सीबीएसई के सिक्योरिटी टीम से संपर्क करें। ओएसएम सिस्टम को लेकर विवाद तब और बढ़ गया जब 12वीं कक्षा के असेसमेंट प्रोसेस के दौरान तकनीकी गड़बड़ियों और मूल्यांकन से जुड़ी चिंताओं की रिपोर्ट सामने आई। इंटरनल रिव्यू के दौरान सामने आई जानकारी के मुताबिक, बोर्ड ने इसे लागू करने से पहले देश भर में पायलट प्रोजेक्ट चलाए बिना डिजिटल इवैल्यूएशन सिस्टम शुरू किया। बाद की जांच में कथित तौर पर पाया गया कि डिजिटल इवैल्यूएशन प्रोसेस के दौरान दिक्कतें पता चलने के बाद काफी संख्या में आंसर बुक को एक्स्ट्रा प्रोसेसिंग से गुजरना पड़ा। मौजूदा जानकारी के मुताबिक 68,000 से ज्यादा आंसर शीट को दोबारा स्कैन किया गया, जबकि लगभग 13,500 आंसर बुक को इमेज-क्वालिटी की चिंताओं और उससे जुड़ी टेक्निकल दिक्कतों की वजह से मैनुअल वेरिफिकेशन की जरूरत पड़ी।

आलोचना के बावजूद सीबीएसई ने उन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि सिस्टम में डेटा ब्रीच हुआ था या हैकिंग के जरिए कॉम्प्रोमाइज किया गया था। बोर्ड ने साफ किया कि एक साइबर सिक्योरिटी रिसर्चर द्वारा हाइलाइट किया गया एक वेब लिंक सैंपल जानकारी वाले टेस्टिंग एनवायरनमेंट से जुड़ा था और असल परीक्षा मूल्यांकन या स्टूडेंट डेटा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लाइव पोर्टल से लिंक नहीं था।

6 जून तक एनसीआर में गर्मी से राहत, 1 और 2 जून को बारिश-आंधी का येलो अलर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लोगों को फिलहाल भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ताजा मौसम भविष्यवाणी के अनुसार 1 और 2 जून को क्षेत्र में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन दोनों दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके चलते अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी पर रोक रहेगी और पूरे सप्ताह पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने की संभावना नहीं है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक 1 जून को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दोपहर और शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश, गरज-चमक तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। 2 जून को भी मौसम लगभग इसी तरह बना रहेगा। अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी दोपहर और शाम के समय हल्की बारिश, बिजली चमकने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की गई है।मौसम विभाग के अनुसार 3 जून को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी, हालांकि किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। 4 जून को भी मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन कोई विशेष चेतावनी नहीं है। इसके बाद 5 जून और 6 जून को मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने की संभावना है। दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

19.50 प्रतिशत चढ़ा मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी का शेयर, नेट प्रॉफिट 143 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों की कीमतों में आज 19.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 143 प्रतिशत बढ़ा है। यही वजह है कि आज कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल का भी निवेश है। उनकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से अधिक का है। बीएसई में आज सोमवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 17199.85 अंक पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 19.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 19189.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 19439 रुपये के काफी नजदीक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 13300 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 27976 करोड़ रुपये रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.91 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24.57 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 226 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 225.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 121.91 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार कंपनी के रेवन्यू में 85 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में 155.53 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा था। बता दें, पूरे वित्त वर्ष के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 101 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट बुलिश सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार कॉल दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने 25770 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल महावीर अग्रवाल की हिस्सेदारी 1.07 प्रतिसत है। मुकुल अग्रवाल के पास कंपनी के 160,000 शेयर हैं। शेयरों का प्रदर्शन कैसा है पिछले एक साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में एक साल में 21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स 8.06 प्रतिशत गिरा है। दो साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 120 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 10 साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 28258 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

जून 2026 में एक हफ्ता बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2026 में बैंक ग्राहकों को अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लेने चाहिए, क्योंकि

महीने के दौरान विभिन्न छुट्टियों, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के कारण कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक अवकाश की सूची के अनुसार जून में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय आयोजनों के चलते शाखाएं बंद रहेंगी। महीने की शुरुआत में 7 जून को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 13 जून को दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 15 जून को वायएमए डे और राजा संक्रांति त्योहार के अवसर पर आइजोल और भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 21 जून को रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 25 जून को मुहर्रम के कारण विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर अगरतला, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 जून को चौथा शनिवार और 28 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन फिर बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 29 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर शिमला में बैंक अवकाश रहेगा, जबकि 30 जून को रेमना नी के कारण आइजोल में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि,बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और डिजिटल पेमेंट सर्विस का उपयोग कर सकेंगे। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि नकदी निकासी, चेक जमा करने या अन्य शाखा संबंधी कार्यों की योजना छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाएं।

चीन के जुगाड़ के आगे सब फेल, आंख में धूल झोंककर ले रहा प्रतिबंधित तेल

भारत के लिए मतलब, एक से दूसरे जहाज में ऐसे होता है तेल ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों और समुद्री नाकेबंदी के बावजूद चीन ईरानी तेल खरीदने में कामयाब है। अपने जुगाड़ तंत्र से उसने सारे अमेरिकी इंतजामों को फेल कर दिया है। ईरान पुराने टैंकरों के एक गुप्त नेटवर्क का इस्तेमाल करके चीन को कच्चा तेल भेजकर अरबों डॉलर का ऑयल रेवेन्यू कमा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। चीन की इस खरीद-फरोख्त का भारत के लिए भी मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के तट से 45 मील दूर समंदर में प्रतिबंधित टैंकर गुप्त रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करते हैं। ईरानी कच्चा तेल उन दूसरे जहाजों में उतार दिया जाता है जो चीनी बंदरगाहों की ओर जा रहे होते हैं। मई की शुरुआत में ऐसे ही एक ट्रांसफर को देखने के बाद बताया कि जहाजों के क्रू सदस्य जहाजों के नाम और पहचान नंबरों को तिरपाल या पेंट से छिपा देते हैं। अक्सर तेल के मूल स्थान को छिपाने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को बंद कर दिया जाता है। ये ऑपरेशन ईरान की अमेरिकी दबाव का सामना करने की क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं। ईरान के साथ चल रही बातचीत में अमेरिका

तेल प्रतिबंध हटाने से इनकार कर चुका है। अमेरिका ने हाल के महीनों में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। टैंकरों और चीनी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिबंध लगाए हैं। हिंद महासागर में ईरान से जुड़े कई जहाजों को जब्त किया है। हालांकि, समुद्री विश्लेषकों के हवाले से जर्नल ने बताया कि इस व्यापार को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनिश्चितकालीन सैन्य मौजूदगी और चीन पर लगातार दबाव बनाए रखने की जरूरत होगी। एनर्जी एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा का अनुमान है कि लगभग 9 करोड़ बैरल ईरानी तेल नाकेबंदी से बाहर है। इसमें से ज्यादातर पहले से ही रास्ते में है या अपतटीय भंडार में रखा हुआ है। इससे तेहरान को भविष्य में अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की खेप और पेमेंट में कई महीने लगने के कारण ईरान को शरद ऋतु तक पैसा मिलता रहेगा। चीन आधिकारिक तौर पर 2022 से ईरान से तेल आयात न करने की रिपोर्ट करता है। इसे विश्लेषक आगे के अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों का नतीजा मानते हैं। रिसर्चर्स सैटेलाइट इमेज, रुक-रुक कर मिलने वाले जहाज ट्रांसपोंडर संकेतों और सीमा शुल्क डेटा के जरिये व्यापार पर नजर रखते हैं। इससे पता चलता है कि चीन मलेशिया और इंडोनेशिया से असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में तेल आयात कर रहा है।

ईरान ने चीन से तेल में कमाए 31 अरब डॉलर

अमेरिकी-चीनी आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के अनुसार, इसके बावजूद तेहरान ने पिछले साल चीन से तेल राजस्व के रूप में लगभग 31 अरब डॉलर कमाए। आयोग ने कहा कि चीन ईरान के तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत और ईरानी सरकार के बजट का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था। इस नेटवर्क को बनाए रखने में चीन की अहम भूमिका है। कई टैंकर-मालिक कंपनियां चीनी शहरों में रजिस्टर्ड हैं। क्रू सदस्य अक्सर चीनी होते हैं। तेल का बड़ा हिस्सा पूर्वी चीन में मौजूद स्वतंत्र 'टीपॉट' रिफाइनरियों तक पहुंचता है। जर्नल ने बताया कि बीजिंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध किया है। हाल ही में घरेलू कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पांच चीनी रिफाइनरियों के खिलाफ अमेरिकी उपायों का पालन न करें।

फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर, 53.50 तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली

में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी कीमत अब दिल्ली में 821.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 तक की बढ़ोतरी दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 का हो गया है मुंबई में इसकी कीमत 3,067.50 रुपये और चेन्नई में 3,283 रुपये हो गई है 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है

कच्चे तेल की कीमत

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हालांकि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई थी और इंडियन ऑयल बास्केट भी 6 मार्च के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया था। लेकिन आज हफ्ते के पहले दिन आज कच्चा तेल फिर उछला है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.55 फीसदी यानी 2.32 डॉलर की तेजी के साथ 93.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

मोदी सरकार की नई स्कीम, आपकी पूंजी आपका अधिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आपका पूंजी, आपका अधिकार अभियान : अगर आप या आपके परिवार के किसी सदस्य ने बैंक, बीमा, शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड में पैसा लगाकर भूल गया है। यह पैसा लगाने वाला व्यक्ति जीवित नहीं है तो उन पैसों को आप वापस पा सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने नागरिकों को उनकी भूली-बिसरी और अनक्लेम्ड एसेट्स ढूंढने और वापस पाने में मदद करने के लिए एक साझा जागरूकता पहल शुरू की है जिसका नाम है 'आपका पूंजी, आपका अधिकार'। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जहां एक ही विंडो से यूजर्स को उपयुक्त नियामकों द्वारा संचालित पोर्टलों पर भेज दिया जाता है ताकि वे बैंक जमा, बीमा, शेयर आदि के क्लेम वापस ले सकें। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सेवा के लिए किसी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है, यह पूरी तरह मुफ्त है, और इस पर केवल सरकारी नियामकों के आधिकारिक संसाधनों तक पहुंच दी जाती है। बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा रकम कैसे खोजें इस पोर्टल के माध्यम से लोग भारतीय रिजर्व बैंक के उद्गम पोर्टल पर जाकर बिना दावे के बैंक में जमा रकम की खोज कर सकते हैं। यह पोर्टल यूजर्स को उन जमाओं का पता लगाने की सुविधा देता है, जो सहभागी बैंकों में निष्क्रिय हो चुकी हैं या जिन पर दावा नहीं किया गया है। अगर पुराने बचत खाते, आरडी या लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खाते अनक्लेम्ड जमा की श्रेणी में आते हैं तो वे सर्च रिजल्ट में दिख सकते हैं।

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड का आईपीओ 5 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रौद्योगिकी आधारित एंटरप्राइज़ परफॉर्मेंस एवं एनालिटिक्स समाधान प्रदाता जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 05 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ जुटाने का है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास हेतु पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान , कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार, 05 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 09 जून 2026 को बंद होगा।इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार की भूमिका बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड निभा रहा है। एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करना है। जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राकेश अग्रवाल ने कहा, यह आईपीओ

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पिछले वर्षों में हमने एक परामर्श-आधारित संगठन से विकसित होकर एक प्रौद्योगिकी-आधारित एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में परिवर्तन किया है, जो विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह आईपीओ केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं के विस्तार और बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए उत्पादों और तकनीकी समाधानों के विकास, कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा में रणनीतिक निवेश करने तथा हमारी दीर्घकालिक विकास योजना को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रतिराज तिबरेवाल ने कहा,भारत का डिजिटल परिवर्तन और एंटरप्राइज एनालिटिक्स उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड तकनीक, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को व्यवसायों द्वारा तेजी से अपनाया जाना है। हमारा मानना है कि यह बदलता हुआ परिदृश्य जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड जैसी प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है।

125 करोड़ के नए ऑर्डर के साथ सथलोखर सिनर्जीज़ की एफवाय27 ऑर्डर बुक 840 करोड़ के स्तर पर

चेन्नई, एजेंसी। ईपीसी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सथलोखर सिनर्जीज़ ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) के अतिरिक्त पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी की एफवाय27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) हो गई है, जिससे आने वाली अवधि के लिए मजबूत राजस्व दृश्यता सुनिश्चित हुई है। नए प्रोजेक्ट्स औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। कंपनी को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसइजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित एसआइपीसीओटी पार्क में सिविल और पीबी निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 105.37 करोड़ (जीएसटी सहित) है। इस परियोजना में वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज 1बी के लिए 22.53 करोड़ (जीएसटी सहित) का अतिरिक्त सिविल और पीबी कार्य ऑर्डर भी मिला है, जिसके फरवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सथलोखर सिनर्जीज़ को सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र स्थित विनिर्माण इकाई में सिविल, पीइबी एमईपी, पाइपलाइन और प्लांट कोऑर्डिनेशन कार्यों के लिए 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह परियोजना सितंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी को श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से भी एमईपी कार्यों के लिए लगभग 3.68 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मजबूत हुई है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाली तिमाहियों में स्थिर राजस्व वृद्धि और कारोबारी विस्तार को समर्थन मिलेगा।

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वॉकहार्ट के शेयर सोमवार को बाजार खुलते ही 19 पर्सेंट के जोरदार उछाल के साथ 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। वॉकहार्ट लिमिटेड ने घोषणा की है कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने उसकी नोवेल इंट्रावेनस एंटीबायोटिक जैनिच को अमेरिकी मार्केट के लिए मंजूरी दे दी है। यह एंटीबायोटिक वयस्कों में कॉम्प्लीकेटेड यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शंस के इलाज में काम आती है। वॉकहार्ट की इस एंटीबायोटिक को मैजिक पिल या मिरकल ड्रग भी कहा गया है। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल

ऑर्गेनाइजेशन ने भी जैनिच के इंपोर्ट और इंडियन मार्केट में इसकी मार्केटिंग को मंजूरी दे दी है।

1425 रुपये से 2400 रुपये के पार पहुंचे शेयर: इंडियन फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक महीने में गजब की तेजी देखने को मिली है। वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयर 4 मई 2026 को 1425.50 रुपये पर थे। फार्मा कंपनी के शेयर 1 जून 2026 को 2420 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 68 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। अगर पिछले 5 दिन की बात करें तो फार्मा कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1579 रुपये से बढ़कर 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। फार्मास्युटिकल कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड ने बताया है कि जैनिच को 27 मई 2026 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल गई है।

एंटीबायोटिक को लेकर वॉकहार्ट ने क्या कहा...

फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के मुताबिक, जैनिच फोर्थ जेनरेशन सेफलॉस्परिन सेफेपाइम और जाइडबैक्टम को कंबाइंड करती है और यह एक साथ मई पेंसिलिन-बाइडिंग प्रोटीन्स को टारगेट करती है। इस एंटीबायोटिक को पहले एफडीए से क्वॉलीफाइड इंफेक्शस डिसीज प्रॉडक्ट और फास्ट ट्रैक डेजिग्नेशंस मिल चुका है। यूएस एफडीए का यह अप्रूवल ऐसे समय आया है, जब एंटीमाइक्रोबिएल रेजिस्टेंस एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती बना हुआ है। वॉकहार्ट ने डेटा का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका में हर साल 2.8 मिलियन से ज्यादा एंटीमाइक्रोबिएल-रेजिस्टेंट इंफेक्शंस होते हैं।

सेबी ने लगाया कंपनी पर 29 करोड़ रुपये जुर्माना, शेयर 4.8 प्रतिशत तक लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में की कीमतों में आज शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सेबी की तरफ से लगाई गई पेनाल्टी के बाद देखने को मिली है। मार्केट रेगुलेटर ने सुजलॉन एनर्जी पर 29 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। बता दें, बीएसई में आज सुजलॉन एनर्जी के शेयर 56.12 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह स्टॉक 54.40 रुपये के स्तर पर आ गया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर 15.95 करोड़ रुपये, विनोद आर तांती पर 5.75 करोड़ रुपये और गिरीश आर तांती पर 5.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों - कीर्ति जे वागड़ी पर 1.5 करोड़ रुपये और अमित अग्रवाल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में सेबी ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया। सुजलॉन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.6 प्रतिशत घटकर 1,114 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से डिफर्ड टैक्स क्रेडिट में कमी से कंपनी का लाभ घटा है। सुजलॉन ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,181 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी की ऑपरेटिंग रेवन्यू बढ़कर 5,468 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 3,774 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 3,163 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,072 करोड़ रुपये था। पिछले तीन महीने में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

बच्चे जब ट्यूशन पढ़ें तो रखें इन बातों का ख्याल

जब आपका बच्चा बड़ी कक्षा में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है, ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दें कि वह अपना ध्यान स्वयं रखें। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार करें की उसे क्या पढ़ाई करना है।

आज के समय में सभी को आगे बढ़ने की होड़ में कुछ अलग करना चाहते है। आप अपने बच्चे को परफेक्ट बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है। ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा। अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी की व्यवस्था करें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी-कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है, समय- समय पर यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा। टीचर का बच्चे पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है। यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं।

बच्चों के साथ करें ऐसा व्यवहार

बच्चों का पालना पोषण करना आसान काम नहीं है लेकिन इस दौरान हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि आपका व्यवहार ऐसो हो कि व भविष्य में बेहतर नागरिक बनकर उभरें। बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वो बच्चों पर छोटी छोटी बातों पर चिल्लाते रहते हैं। इससे बच्चों का व्यवहार भी गुस्सैल हो जाता है। बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार न केवल आप दोनों के संबंध को अच्छा बनाएगा बल्कि बच्चे के पूर्व विकास में भी सहायक होगा।

चिल्लाने से बिगड़ सकती है बात

शायद ही कोई माता-पिता हों, जिन्हें अपने बच्चों पर चिल्लाना न पड़ता हो। बच्चों की शरारत, जिद, बात न मानना या फिर उनकी कोई गलती करना, गाहे-बगाहे आपको मौका दे ही देता है कि आप उन पर गुस्से से चिल्लाएं। बच्चों के साथ आपके इस व्यवहार का कारण हमेशा बच्चे ही हों ये जरूरी नहीं है। कई बार दफ्तर का तनाव, माता-पिता के आपसी रिश्तों में खटास, थकान से पैदा हुआ चिड़चिड़ापन या फिर खराब स्वास्थ्य ऐसे कारण बन जाते हैं, जिनका गुस्सा हम बच्चों पर उतार देते हैं लेकिन बच्चों पर चिल्लाने से आपके और आपके बच्चों के आपसी संबंध खराब हो सकते हैं। इसके साथ साथ आपकी इस आदत का बुरा असर बच्चों पर पड़ता है।

अगर आप कामकाजी महिला है और आप अपने ऑफिस के लिए तैयार होते होते अपने बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करती होंगी। ये बहुत मुश्किल काम है, खासतौर पर तब जब बच्चे छोटे हों। ऐसे में जब बच्चे आपके निर्देशों को मानकर ठीक से तैयार नहीं होते और साथ ही आप को देरी होने लगती है तो आप उनपर चिल्ला देती होंगी। इससे बचने का एक आसान तरीका ये है कि बच्चों के जागने से कुछ देर पहले उठें। अपनी तैयारी कर लें फिर बच्चों को तैयार होने में मदद करें। या फिर पहले बच्चों को तैयार करवा दें, उन्हें नाश्ता करने दें, और उस दौरान आप तैयार हो जाएं। योजना के अनुसार काम से आपको परेशानी नहीं होगी।

रोल मॉडल बनें

बच्चे आमतौर पर वही करते हैं, जो वो अपने माता-पिता से सीखते हैं। अगर वो आपसे चिल्लाने की आदत सीख कर, अपने से छोटे भाई या बहन को फिजूल में डांटें, उन पर बेबात चिल्लाए, तो बेशक आपको अच्छा नहीं लगेगा। जब आप उन पर छोटी-बड़ी बातों पर चिल्लाएंगे, उन्हें बुरी तरह से डाटेंगे तो वो आपसे यही सब सीख कर अपने से छोटों के साथ करेंगे। इस स्थिति से बचने के लिए अपने बच्चों के रोल मॉडल बनें। आप जैसा व्यवहार उनका देखना चाहते हैं, वैसा ही उनके साथ करें।

बच्चों के मुताबिक उम्मीदें लगाएं

हर बच्चे की अपनी अलग क्षमता होती है। आप अपने बच्चे को उसका कमरा साफ करने के लिए कह दें, और वो इस काम को अच्छी तरह से न कर पाए। तो इसका मतलब ये नहीं कि वो आपकी बात नहीं मानता, हो सकता है कि वो उस लिहाज से छोटा हो, या इतना काम उसे न आता हो। बच्चे पर चिल्लाने की बजाय उन उम्मीदों पर ध्यान दें जो आप उनसे लगाते हैं। बच्चों को उनकी उम्र और क्षमता के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, जरूरत पड़ने पर उनकी मदद करें।

ऊंची आवाज में बात न करें

बच्चों से जब भी बात करें अपनी आवाज पर खास ध्यान दें। बच्चों से बहुत तेज़ आवाज में बात न करें। बच्चे तेज आवाज से डर जाते हैं और वो अपनी बात सामने नहीं रख पाते। ऐसे में हो सकता है कि आप उन्हें ऐसी बात पर डांट दें, जिसमें उनकी कोई गलती ही न हो। बेहतर रहेगा कि आप अपने गुस्से या नाराजगी पर नियंत्रण करके बच्चे से सामान्य होकर बात करें।

चेतावनी देकर छोड़ें

अगर बच्चा कोई बड़ा नुकसान या गलती कर दे तो उसपर तुरंत चिल्लाएं नहीं। बच्चे को थोड़ा डांट समझा कर चेतावनी दे कर छोड़ दें। वैसे भी, आपके चिल्लाते रहने का कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। अगर आप उसे वॉर्निंग देंगे तो वो आगे से वैसी गलती करने से पहले सोचेगा।

चिल्लाए नहीं समझाएं

कई बार ऐसा होता है कि आप एक बात को चिल्ला चिल्ला कर 10 बार कहते हैं लेकिन तब भी आपका बच्चा आपकी बात नहीं सुनता। वो इसलिए, क्योंकि वो आपकी इस आदत का आदि हो चुका है। उसे आपके चिल्लाने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। इसलिए अगर आपको बच्चे को कुछ कहना हो तो बजाय कि दूर से चिल्लाते रहने के उसके पास जाएं, उसका ध्यान अपनी ओर खींचे, उससे आंखें मिलाएं और फिर मजबूती से अपनी बात सामने रखें। ऐसे में बच्चा आपको और आपकी बात को अनदेखा नहीं कर सकता।

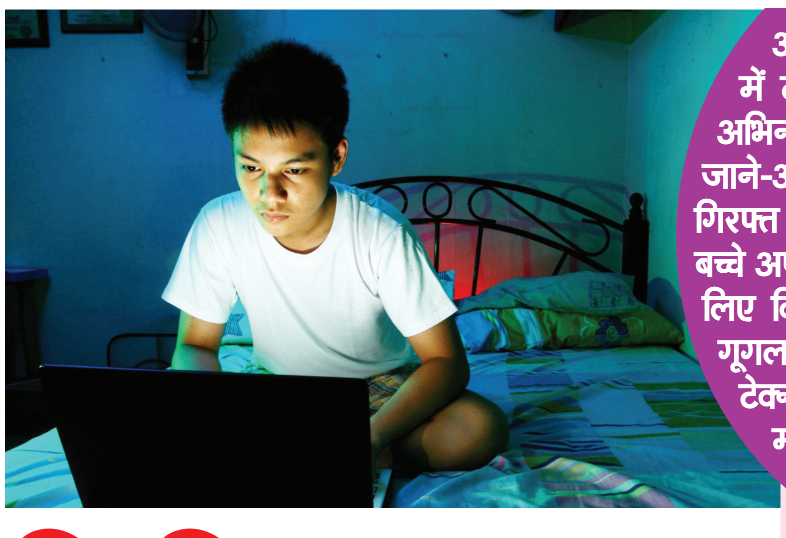

आजकल के बदलते परिवेश में टेक्नोलॉजी जीवन का एक अभिन्न अंग बनता जा रहा है। जाने-अनजाने हम सभी इसकी गिरफ्त में आ गए हैं। आजकल के बच्चे अपने प्रश्नों का उत्तर ढूंढने के लिए किताबें खंगालने की बजाय गूगल का सहारा लेते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी का ये दौर बच्चों के मानसिक विकास के लिए प्रश्नचिह्न बनता जा रहा है।

डिजिटल युग में बिगड़ते जा रहे हैं हमारे बच्चे

आज के युग को डिजिटल युग भी कहा जाता है। दरअसल, यह ऐसा समय है जिसमें बेहद छोटी उम्र से ही बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा दिया जा रहा है और जब उनकी खेलने-कूदने की उम्र आती है तो वे पूरा दिन सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। आजकल ज्यादातर घरों में अभिभावक बच्चों को व्यस्त रखने के लिए या खाना खिलाते वक्त उनके सामने यूट्यूब वीडियोज और गेम्स खोलकर रख देते हैं ताकि वे इनमें व्यस्त रहें, लेकिन इस बात की गंभीरता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे न सिर्फ बच्चों की आंखें खराब हो रही है बल्कि व्यवहार में खासा नकारात्मक बदलाव आ रहा है। आजकल छोटे-छोटे बच्चे आसानी से मोबाइल एप्स, गेम्स चला रहे हैं और 8-10 साल के कई बच्चे आपको सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय मिल जाएंगे, अगर आपके बच्चे भी सोशल मीडिया और गूगल के शिकंजे मे फंसते जा रहे हैं तो उन पर किसी भी प्रकार की बंदिश लगाने की बजाय कुछ सावधानियां आजमाएं। इस विषय पर 'जीवनधारा रिहेब्लिटेशन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट बरेली से फिजियोलॉजिस्ट मानसी सिंह राठौड़ आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आई हैं जो आपको अपनी परवरिश में शामिल करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया पर नज़र

सबसे पहले आपको ये ध्यान रखना होगा कि क्या आपका बच्चा उस उम्र में पहुंच चुका है, जिसमें वो सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सके? क्योंकि छोटी उम्र के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर गलत कदम उठा लेते हैं या आपराधिक विचारधारा के बन जाते हैं और यदि वो सोशल मीडिया के इस्तेमाल के योग्य हो चुका है तो अपने बच्चे से सोशल मीडिया को लेकर बातचीत करें। उससे उसके ऑनलाइन अनुभव के बारे में जानकारी लें। बच्चों को कभी भी अकेले में सोशल मीडिया पर सक्रिय न रहने दें और न ही अकेले में ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने दें, क्योंकि उत्सुकतावश आपका बच्चा सर्च इंजन के जरिए न जाने किस खतरे को आमंत्रण दे सकता है।

बच्चों को ऑनलाइन गेम्स के खतरों के बारे में जानकारी दें और एक समय निर्धारित करें ताकि आपके बच्चे को ऑनलाइन गेम खेलने की लत न लगे। अगर आप चाहें तो लैपटॉप और कंप्यूटर में सर्विलांस सॉफ्टवेयर लगा सकते हैं, जिससे आप इस बात को जान सकेंगे कि आपके बच्चे क्या सर्च कर रहे हैं।

मोबाइल से दूरी

बच्चों को व्यस्त रखने के अलग-अलग तरीके अपनाएं। आजकल बाजार में बच्चों को व्यस्त रखने के लिए तरह-तरह के किट आते हैं, जिससे बच्चों का मानसिक विकास तो होगा ही साथ ही साथ आपका बच्चा मोबाइल से दूर रहेगा। बड़े बच्चों को आउटडोर इनडोर गेम्स खेलने के लिए प्रोत्साहित करिए, जिससे उनके शरीर और मस्तिष्क दोनों का ही विकास होगा और उनमें एक नई ऊर्जा आएगी।

योगा मेडिटेशन

बच्चों में योगा की आदत डालें ताकि आज की भाग-दौड भरी ज़िंदगी में जूझने के लिए तैयार रहें। इससे उनमें एकाग्रता आएगी। सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित करें।संस्कार-आजकल के ज्यादातर अभिभावक के लिए परवरिश का अर्थ केवल अपने बच्चों की खाने-पीने, पहनने-ओढने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना है। इस तरह से वे अपनी ज़िम्मेदारियों से तो मुक्त हो जाते हैं पर कहीं न कहीं उनमें संस्कार डालना भूल जाते हैं या फिर यूं कहें उन्हें मालूम ही नहीं है बच्चों को संस्कारी कैसे बनाया जाए।

बच्चों को बड़ों का आदर करना सिखाएं, दूसरों की मदद करना, विनम्रता जैसे संस्कार, जिनसे वे आत्मनिर्भर और जिम्मेदार बन सकें। डायरी लिखने की आदत एकल परिवार की वजह से बच्चे अपने मन की बात जल्दी नहीं कह पाते जिससे उनमें कुंठा उत्पन्न हो जाती है, इसलिये उनको दिन भर की बातें डायरी में लिखने के लिए प्रेरित करें और अपने बच्चे से दोस्ती करें ताकि वो आपको ही सारी बातें बताए।

क्वॉलिटी टाइम बिताएं

वर्किंग पैरेंट्स के साथ यह समस्या होती है कि उनके पास अपने बच्चों के साथ बिताने के लिए समय नहीं मिल पाता। ऐसे माता-पिता अपने वीकएंड्स अपने बच्चों के लिए ही रखें और सामान्य दिनों में भी उनके क्रियाकलापों पर ध्यान दें उनसे बातचीत करें कि वे क्या करते हैं, उनके दोस्त कौन हैं।

किताबों मे रूचि

मॉरल एजुकेशन वाली बहुत सी किताबें बाजार में उपलब्ध हैं। बच्चों को ऐसी किताबें लाकर दें ताकि उनका ध्यान टीवी, कंप्यूटर और लैपटॉप की ओर कम जाए और उनमें नैतिकता का विकास हो। आधुनिक अभिभावक की सोच है कि मेरा बच्चा, किसी भी स्थिति में किसी से कम न हो और बस इसी भागदौड़ में लगे रहते हैं। बच्चों को सुविधा तो दीजिए, पर ध्यान रहे वो उसका दुरूपयोग न करे।

तीन साल की उम्र से ही बच्चों को अपनी चीजें दूसरे के साथ शेयर करना सिखाना चाहिए। इसी उम्र से चीजें बांटने के साथ-साथ बच्चे एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं बांटना भी सीखते है। इससे बच्चे बड़े होकर व्यवहार कुशल और सहयोगी प्रवृति के यानी सामाजिक बनते हैं।

अपने बच्चे को बचपन से ही सिखायें शेयर करना

आप सिखाएंगी, वो सीखेगा

बच्चों के मन में अपनी चीजों को लेकर एकाधिकार की भावना होती है और वे अपनी चीजें दूसरों के साथ बांटना नहीं चाहते। ऐसे में आप खुद बच्चे के साथ उसकी चीजें शेयर करें, क्योंकि हर चीज बच्चा सबसे पहले घर से ही सीखता है। बच्चे की चीजों को शेयर करने के साथ आप अपनी चीजें भी दूसरों के साथ शेयर करें। बच्चा देखकर कई चीजें खुद ही सीख लेता है। अगर वह आपके साथ कुछ भी शेयर करने से मना करे तो आप उसे प्यार से समझाएं कि अकेले खाना या खेलना अच्छी बात नहीं, इसलिए मम्मी-डैडी या दादा-दादी को भी दो।

धीरे-धीरे सीखेगा बांटना

बच्चा जैसे-जैसे बड़ा होगा, अपनी चीजें दूसरों के साथ साझा करना भी सीख लेगा। कोई बच्चा कम उम्र में परिपक्व हो जाता है, तो किसी को इसमें वक्त लगता है। जरूरी नहीं है कि हर बच्चा एक ही उम्र में परिवक्व होगा, पर यह जरूर है कि सही चीजें और सही सीख उन्हें सही दिशा देती है। कुछ बच्चों में शेयरिंग की आदत आने में समय लग जाता है और कुछ यह गुण जल्दी सीख लेते हैं। तो धैर्य के साथ बच्चे को शेयरिंग करना सिखाएं, वह जरूर सीखेगा।

न करें जबरदस्ती

बच्चों को शेयरिंग सिखाने में जबरदस्ती बिल्कुल न करें। ध्यान रहे कि शुरू में बच्चों को उन चीजों को बांटने को कहा जाए जो उनके लिए बहुत ज्यादा मायने न रखती हों। बच्चा ऐसे में बांटना सीखेगा। अगर आप बच्चे की सबसे पसंदीदा चीज उसे किसी के साथ साझा करने के लिए कहें, तो यह भी ठीक नहीं है क्योंकि अपनी प्यारी चीज को अक्सर बड़े भी शेयर नहीं करते। हमेशा यह याद रखें कि आखिरकार वह एक बच्चा ही है, तो सब कुछ शेयर करने की उम्मीद उससे न करें। खासकर उसकी प सं दी दा चीज। सच यही है कि कुछ चीजें ऐसी हैं, जिसे आपका बच्चा शेयर नहीं करना चाहता। आप इतना कर सकती हैं कि हालात ऐसे बनाएं कि आपके बच्चे को शेयर करना ही पड़े। जैसे यदि दूसरा बच्चा आपके घर आया है तो दो चीजें रखें और उसमें से एक उसे जरूर दें। इससे बच्चा आसानी से शेयर करना सीखेगा। तो बच्चे को आजमाने की जगह उनको शेयरिंग की आदत पड़ने दें। एक बार जब वह शेयर करना सीख ले, तब आप उससे बड़ी उम्मीदें कर सकती हैं।

तारीफ के दो बोल

बच्चों की तारीफ की जाए तो वे और भी उत्साहित होते हैं। उनके जिस काम की प्रशंसा की जाती है, उसे वह दोगुने उत्साह के साथ आगे बढ़कर पूरा करते हैं।

कभी बच्चा अपनी चीज दोस्तों के साथ बांटे यानी अपने खिलौने या अन्य चीजों को शेयर करे, उसकी प्रशंसा जरूर करें। हो सके तो सबके सामने। घर के अन्य सदस्यों को भी उसकी तारीफ करने के लिए कहें। इससे खुश होकर आपका बच्चा खुद आगे बढ़कर अपने दोस्तों के साथ अपनी चीजें बांटने लगेगा।

यूक्रेन की कोस्त्युक ने हराया

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन से बाहर

महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले खिलाड़ी पर जुर्माना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 के विमेंस सिंगल्स में सोमवार को बड़ा उलटफेर हुआ। यूक्रेन की 15वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीय इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। मुकाबला 1 घंटा 39 मिनट चला।दूसरी ओर महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले पैराग्वे के एडोल्फो डेनियल वायेहो पर जुर्माना लगाया गया है।

पुरुषों में ज्वेरेव जीते, कैस्पर रूड बाहर –पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जेस्पर डी जोंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कोस्त्युक का मैच स्वितोलिना होगा

क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।एक अन्य मैच में रोमानिया की सोराना सिर्स्तेआ ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर 17 साल बाद रोलां गैरो के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब उनका सामना रूस की मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने जिल टाइखमान को 6-3, 6-2 से हराया।

ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने कैस्पर रूड को 7-5, 7-6 (6), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

एरिना (एजेंसी)। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। शूटआउट में

पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने पीएसजी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद लिया बड़ा फैसला

नहीं निकलेगी विजय परेड

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी पर पैसों की बारिश, जीटी भी मालामाल

चैंपियन बेंगलुरु को 20 करोड़,गुजरात को 12.50 करोड़ मिले,वैभव सूर्यवंशी को 5 अवॉर्ड से 45 लाख और कार मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का समापन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के साथ हुआ। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास में अपना नाम और भी मजबूत कर लिया। खिताब के साथ-साथ आरसीबी पर इनामी राशि की भी बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीजन में भी करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की, जिससे शीर्ष टीमों और खिलाड़ियों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

एक-दो नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने जीते 5 अवॉर्ड्स

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से लेकर खत्म होने तक एक नाम जो सुर्खियों में बना रहा वह है वैभव सूर्यवंशी। छोटी उम्र में प्रतिभा के साथ-साथ उसे इस्तेमाल करने की कला ने सूर्यवंशी को कई रिकॉर्ड्स तोड़ने में मदद की और अवॉर्ड्स पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब किया। सूर्यवंशी को एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच ऑवर्ड्स मिले जिसमें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीज़न, ऑरेंज कैप विनर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन शामिल है। बिहार में जन्मे 15 साल के इस बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के लिए एक शानदार टूर्नामेंट खेला। उन्होंने सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट खत्म किया और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाए। सूर्यवंशी के 72 छक्के एक आईपीएल सीजन में किसी भी अन्य बल्लेबाज से कही ज्यादा है। पिछला रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था जिन्होंने एक आईपीएल सीजन में 59 छक्के लगाए थे।

मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना है, वैभव सूर्यवंशी ने गावस्कर के सामने बताया भविष्य का लक्ष्य

आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है। महज 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अंतिम लक्ष्य सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर से बातचीत के दौरान वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं और लाल गेंद क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के बारे में खुलकर बात की।

लाल गेंद से भी कर रहे हैं जमकर तैयारी – वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि लोग उन्हें सिर्फ टी20 क्रिकेट का आक्रामक बल्लेबाज समझते हैं, लेकिन वह लंबे समय से लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहे हैं।उन्होंने कहा, अभी अगला असाइनमेंट वनडे फॉर्मेट में है, इसलिए मुझे मैदान पर जाकर तैयारी करनी होगी।

आईपीएल 2026 अवॉर्ड्स लिस्ट

- फाइनल का 'प्लेयर ऑफ द मैच' - विराट कोहली
- सीजन का 'इमर्जिंग प्लेयर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन का 'सुपर स्ट्राइकर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन के 'सुपर सिक्सेस'- वैभव सूर्यवंशी
- सीजन की ग्रीन डॉट बॉल्स - मोहम्मद सिराज
- सीजन का बेस्ट कैच - मनीष पांडे
- फेयरप्ले अवॉर्ड - पंजाब किंग्स
- पर्पल कैप - कगिसो रबाडा
- ऑरेंज कैप - वैभव सूर्यवंशी
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर -वैभव सूर्यवंशी

व्यक्तिगत पुरस्कारों में छाए वैभव सूर्यवंशी

- ऑरेंज कैप विजेता - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- पर्पल कैप विजेता - कगिसो रबाडा- 10 लाख
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - वैभव सूर्यवंशी- 20 लाख

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी

लाइव देख पाएंगे फीफा विश्व कप के मैच, ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर मिला

नई दिल्ली(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होने में दो हफ्तों से भी कम का समय बचा हुआ है। अब आखिरकार टूर्नामेंट को भारत में ऑफिसियल ब्रॉडकास्टर मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने फीफा के साथ विश्व कप के आठ साल के मीडिया राइट्स के लिए समझौता कर लिया है। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में होना है। 2026 के साथ ही 2030 फीफा विश्व कप का प्रसारण भी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास रहेगा। इसके साथ ही 2027 और 2031 महिला फीफा विश्व कप के राइट्स भी इसमें शामिल हैं। फीफा और जी डील पक्की हो गई है, लेकिन इसकी कीमत का पता नहीं चला है।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें

फीफा विश्व कप 2026 की 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। यह एक फीफा विश्व कप में टीमों की सबसे ज्यादा संख्या है। टीमों को 4-4 के 12 ग्रुप में बांटा गया है। हर टीम अपने ग्रुप की अन्य तीनों टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। हर ग्रुप की टॉप दो टीमों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली आठ सर्वश्रेष्ठ टीमें राउंड ऑफ 32 में जाएंगी। अभी तक ग्रुप राउंड के बाद सीधे राउंड ऑफ 16 होता था। चैंपियन बनने वाली टीम को पिछले विश्व कप के मुकाबले एक ज्यादा 8 मैच खेलना होगा।

युवाओं के लिए सबक है विराट की पारी...

फाइनल में कोहली के तूफान के बाद बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की चौतरफा तारीफ हो रही है। इसी कड़ी में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कोहली की इस ऐतिहासिक पारी को युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन सबक बताया है। शर्मा का मानना है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ अंधाधुंध ताकत का इस्तेमाल ही सब कुछ नहीं है, बल्कि मजबूत तकनीक और धैर्य का भी कोई सानी नहीं है।

अच्छी तकनीक और धैर्य ही सफलता की कुंजी – राजकुमार शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में लंबी रेस का घोड़ा बनने के लिए तकनीक और मानसिक मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके पास बेहतरीन तकनीक और मजबूत जज्बा है, और आप दबाव की स्थिति में भी मैदान पर अपना धैर्य नाए रख सकते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यही वह खूबी है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार करते आ रहे हैं। वह आज के युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट को कैसे समझदारी से खेला जाता है।

फाइनल में कोहली का विराट प्रदर्शन – आपको बता दें कि इस फाइनल मुकाबले में जब आरसीबी लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो विराट कोहली ने शुरू से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने मैदान के चारों तरफ क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और टूर्नामेंट की अपनी सबसे तेज फिफ्टी भी ठोकी।

- **सिर्फ छक्के मारने का नाम टी20 नहीं** – गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने महज 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत आरसीबी ने 156 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। कोहली की इस मैच जिताऊ पारी पर खुशी जाहिर करते हुए कोच राजकुमार शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, आज के युवा खिलाड़ियों के लिए विराट की यह पारी एक बड़ा सबक है। युवाओं को यह समझना होगा कि टी20 प्रारूप केवल पावर हिटिंग या हर गेंद पर छक्के मारने तक ही सीमित नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

डैरेन सैमी ने कही ये बात – सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

इंजरी के बाद जोसेफ का कमबैक

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है।

इंस्पेक्टर अविनाश 2 का रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों क्राइम और एक्शन से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश 2' चर्चा में बनी हुई है। इस सीरीज में अभिनेत्री अकांक्षा पुरी 'मीतू पंजाबी' नाम की एक ऐसी महिला का किरदार निभा रही हैं, जो पहले डांसर होती है और बाद में पुलिस की मुखबिर बन जाती है। उनके अभिनय की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच आकांक्षा ने अपने किरदार, अभिनय अनुभव और रणदीप हुड्डा के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की। अकांक्षा पुरी ने कहा, ''मैं लंबे समय से कुछ अलग और चुनौतीपूर्ण करना चाहती थी। 'मीतू पंजाबी' का किरदार निडर, मजबूत और भावनात्मक रूप से काफी गहरा है। इस किरदार ने मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका दिया। एक कलाकार के तौर पर मैंने अपने अंदर के मजबूत पहलू को इस किरदार के जरिए महसूस किया।''

आकांक्षा ने कहा, 'मीतू पंजाबी' मेरे अंदर कई तरह की भावनाएं लेकर आई। इस भूमिका को निभाने के लिए मुझे किरदार की भावनाओं को गहराई से समझना पड़ा। इस किरदार ने मुझे खुद का नया रूप खोजने का मौका दिया।''

अकांक्षा पुरी ने अपने सह-कलाकार रणदीप हुड्डा की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''रणदीप हर सीन में पूरी सच्चाई और ईमानदारी के साथ अभिनय करते हैं। उनके साथ काम करते समय खुद भी ज्यादा ध्यान और मेहनत के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। वह अपने हर सीन में पूरी सच्चाई लेकर आते हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा, क्योंकि उनके साथ अभिनय करते हुए आप खुद भी अपने काम में और ज्यादा डूब जाते हैं।''

वहीं सीरीज के निर्देशक नीरज पाठक ने भी रणदीप हुड्डा की तारीफ की। उन्होंने कहा, ''रणदीप की मेहनत और काम के प्रति समर्पण देखकर अब मुझे दूसरे कलाकारों से भी वैसी ही उम्मीद होने लगी है।'' नीरज पाठक ने बातचीत के दौरान दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। उन्होंने कहा, ''मेरा इरफान खान के साथ बहुत पुराना रिश्ता रहा है। मैंने उनके साथ दूरदर्शन के एक पुराने शो में काम किया था। उस दौरान मैंने उनसे वादा किया था कि जब भी मैं फिल्म बनाऊंगा, उन्हें जरूर उसमें लूंगा।'' नीरज पाठक ने फिल्म 'राइट या रॉन्ग' बनाई थी, जिसमें सनी देओल और इरफान खान दोनों नजर आए थे।

'धुरंधर' के बाद अर्जुन रामपाल का बड़ा धमाका, डीजे टूर का ऐलान

अर्जुन रामपाल ने हाल ही में 'धुरंधर' में अपने नेगेटिव किरदार से शानदार धमाका किया था, और अब वह एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार एक्टिंग नहीं, बल्कि डीजे कंसोल के पीछे से। अर्जुन ने नॉर्थ अमेरिका में अपने डीजे टूर का ऐलान किया है।

कब और कहां परफॉर्म करेंगे अर्जुन रामपाल?

बड़े स्टेज, जबरदस्त एनर्जी और शानदार नाइट्स के साथ अर्जुन अपनी टूर की शुरुआत 28 मई को अटलांटा से करेंगे। इसके बाद 29 मई को सैन फ्रांसिस्को, 30 मई को ह्यूस्टन, 31 मई को डलास, 4 जून को शिकागो, 5 जून को वॉशिंगटन डीसी, 6 जून को न्यूयॉर्क, 7 जून को टोरंटो, 11 जून को वैंकूवर और 13 जून को लॉस एंजेलिस में परफॉर्म करेंगे। अर्जुन ने अपने इंस्टाग्राम पर टूर की जानकारी शेयर करते हुए लिखा, 'नॉर्थ अमेरिका, अब तुम्हारी बारी है! यूएसए और कनाडा में रैम्पेज टूर अगले हफ्ते शुरू होने जा रहा है, और हम आपके लिए एक यादगार अनुभव लेकर पूरी तरह तैयार हैं।'

अर्जुन रामपाल का वर्कफ्रंट

अर्जुन रामपाल हाल ही में धुरंधर 2 में नजर आए थे, जिसमें उन्होंने मैजर इकबाल का किरदार निभाया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। इस फिल्म में उनके अलावा रणवीर सिंह, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी लीड रोल में थे।

फिर साथ दिख सकती है माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की सुपरहिट जोड़ी

हिंदी सिनेमा की मशहूर जोड़ी माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर ने 80 और 90 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया और अपनी शानदार केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया। अब एक बार फिर इस जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, निर्देशक सुरेश त्रिवेणी ने बताया कि आने वाले समय में माधुरी और अनिल कपूर एक बार फिर एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं। सुरेश त्रिवेणी इन दिनों अपनी नई सीरीज 'मां बहन' को लेकर चर्चा में हैं। शो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। इसी दौरान उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह साल बेहद खास रहा, क्योंकि मुझे एक ही साल में दो बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिला। एक तरफ मैंने अनिल कपूर के साथ सीरीज 'सूबेदार' में काम किया, वहीं दूसरी तरफ अब मैं माधुरी दीक्षित के साथ 'मां बहन' में काम कर रहा हूं। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा अनुभव है।'' सुरेश त्रिवेणी ने माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी को लेकर भी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा, 'मैं दोनों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाना चाहता हूं। माधुरी और अनिल कपूर की जोड़ी स्क्रीन पर कमाल लगती है, और अगर मुझे मौका मिला तो मैं जरूर दोनों को साथ लेकर कुछ नया बनाने की कोशिश करूंगा।

सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही कॉमेडी जॉनर में कदम रखना थी

मृणाल ठाकुर अब पहली बार डायरेक्टर डेविड धवन की कॉमेडी दुनिया का हिस्सा बनने जा रही हैं। उनकी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' एक फुल ऑन रोमांटिक-कॉमेडी एंटरटेनर है, जिसमें मृणाल का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब तक मृणाल को ज्यादातर सीरियस, इमोशनल और थ्रिलर फिल्मों में देखा गया है। लेकिन इस बार वो कॉमेडी और मस्ती से भरी कहानी में नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि अगर उन्हें कॉमेडी जॉनर में कदम रखना था, तो वो सिर्फ डेविड धवन की फिल्म से ही करना चाहती थीं। मृणाल ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'डेविड सर, काश मैं आपसे अपने करियर में बहुत पहले मिली होती। तब शायद मुझे आपके साथ और भी ज्यादा फिल्में करने का मौका मिलता। मेरे मन में तो यही चल रहा था कि सर कम से कम तीन फिल्मों के लिए मुझे साइन कर लीजिए।' एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इस फिल्म में काम करने के बाद उनकी कॉमिक टाइमिंग पहले से काफी बेहतर हो गई है। उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के लिए बेहद खास बताया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मृणाल ठाकुर और मनीष कॉल पहली बार साथ नजर आने वाले हैं।

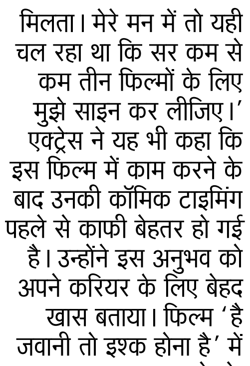

शादी और उम्र पर ट्रोल करने पर भड़कीं शमिता शेट्टी

शिल्पा शेट्टी की बहन और एक्ट्रेस शमिता शेट्टी ने सोशल मीडिया पर अपनी उम्र और शादी को लेकर कमेंट करने वाले ट्रोलर्स को कड़ा जवाब दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए शमिता ने उन लोगों पर निशाना साधा जो सिंगल महिलाओं को ऐज-शेम करते हैं। 47 वर्षीय शमिता ने कहा कि वे शादी करने की किसी जल्दबाजी में नहीं हैं और अपनी जिंदगी में बेहद फिट और खुश हैं। उन्होंने ट्रोलर्स की पुरुष-प्रधान और पिछड़ी सोच पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तुरंत अनफॉलो करने की सलाह दी है।

कमेंट करने वाले को कहा- बदलाव प्राकृतिक है शमिता शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ट्रोलर की पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसमें यूजर ने लिखा था कि आपकी उम्र हो गई है और अब पहले वाली बात नहीं रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शमिता ने लिखा, 'हां, मैं अब अलग दिखूंगी। समय के साथ चीजें बदलती हैं और यह जीवन का प्राकृतिक नियम है। शारीरिक बनावट सहित कुछ भी हमेशा के लिए एक जैसा नहीं रहता। लेकिन अपनी उम्र के हिसाब से मैं पूरी तरह स्वस्थ, फिट और खुश हूं। मेरे लिए सिर्फ यही मायने रखता है।' यूजर ने शमिता की शादी को लेकर भी टिप्पणी की थी कि अगर समय पर शादी कर लेतीं तो आज बच्चे बड़े हो गए होते। इस पर शमिता ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा, 'तो? आपने शादी करके क्या उखाड़ लिया है भाई? सबसे जरूरी बात यह है कि आप लोग सिंगल महिलाओं को फॉलो ही क्यों करते हैं? सिर्फ इसलिए ताकि उन्हें ऐज-शेम कर सकें और उन पर अपनी पुरुष-प्रधान और आदिमानव जैसी पिछड़ी सोच थोप सकें? कृपया मुझ पर एक अहसान करें और मुझे तुरंत अनफॉलो कर दें।'

बड़ी बहन शिल्पा शेट्टी से होती है तुलना

शमिता शेट्टी की बड़ी बहन और बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 साल की हैं। शिल्पा शादीशुदा हैं और उनका एक 14 साल का बेटा है। शमिता ने पहले भी कई इंटरव्यू में साफ किया है कि वे सिर्फ शादी करने के नाम पर किसी से भी शादी नहीं करना चाहतीं।

मिर्जापुर ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी

दिव्येंदु शर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' से टॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण भी हैं।

फिल्म की खास बात क्या लगी?

मुझे इस फिल्म में सबसे खास हमारे निर्देशक साहब लगे। जब मैं उनसे मिला, तो मुझे लगा कि मैं बहुत समय बाद किसी ऐसे इंसान से मिल रहा हूं, जो सच में एक कलाकार है और जिसका पूरा ध्यान सिर्फ एक अच्छी और ईमानदार फिल्म बनाने पर है। उन्होंने मुझसे कहा कि मेरा जो किरदार है। वह इस फिल्म में उनका सबसे पसंदीदा किरदार है और वह चाहते हैं कि उसे मैं ही निभाऊं। उसी समय मैंने लगभग तय कर लिया था कि मैं यह फिल्म करूंगा।

रोल की तैयारी कैसे की थी

अगर तैयारी की बात करूं, तो मेरे लिए हर किरदार की प्रक्रिया लगभग एक जैसी रहती है। सबसे पहले मैं कहानी और अपने किरदार को बहुत ध्यान से पढ़ता हूं। जब आप किसी किरदार को पढ़ते हैं, तो धीरे-धीरे आपके दिमाग में उस इंसान की एक छवि बनने लगती है, वह कैसा होगा, कैसे बात करता होगा, उसकी सोच और व्यवहार कैसा होगा। उसके बाद कोशिश यही रहती है कि उस किरदार को पर्दे पर इस तरह उतारा जाए कि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें और उसे वास्तविक मानें। फिल्म में काम करके काफी मजा भी आया।

राम चरण के साथ काम करके आपको कैसा लगा

राम चरण के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा। वह बहुत सहज, विनम्र और नर्मदिल इंसान हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिला, तो मुझे बिल्कुल महसूस नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े स्टार से मिल रहा हूं। उन्होंने कभी भी अपने स्टारडम को काम के बीच नहीं आने दिया और सेट पर हमेशा एक सहयोगी कलाकार की तरह पेश आए। उन्होंने मुझसे कहा कि वह प्यार का पंचनामा के समय से मेरा काम देखते आ रहे हैं।

भाषा पर कितना काम किया?

बिल्कुल, मुझे भाषा पर काफी काम करना पड़ा। मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने पूरी तरह तेलुगु भाषा सीख ली, लेकिन अपने डायलॉग्स पर मैंने बहुत मेहनत की। मैं उन्हें बार-बार याद करता था और सही तरीके से बोलने की कोशिश करता था। मेरे पास एक कोच भी थे, जो मुझे बताते थे कि किसी लाइन को सही भाव और उच्चारण के साथ कैसे बोला जा सकता है। उन्हें समझाता था मैंने अपने किरदार को अपने दिमाग में किस तरह बनाया है और मैं किसी संवाद को किस अंदाज में कहना चाहता हूं, ताकि वह उसी हिसाब से मेरी मदद कर सकें। कोच के साथ घंटों प्रैक्टिस करता था।

वेब सीरीज मिर्जापुर ने जिंदगी किस तरह बदली

'मिर्जापुर' ने मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल दी। उस सीरीज ने मुझे जितना प्यार और सम्मान दिया, वह मेरे लिए बहुत खास है। उसने मेरे अभिनय को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया और लोगों ने मेरे काम को दिल से सराहा। सबसे अच्छी बात यह रही कि सिर्फ दर्शकों से ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री के लोगों से भी मुझे बहुत प्यार मिला। उसी सीरीज की वजह से मेरे पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए और करियर में नए अवसर खुले। इसलिए मैं हमेशा उस शो का शुक्रगुजार रहूंगा।

फिल्मों में कंटेंट ही सब कुछ है

जी हां, मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। आज के समय में सिर्फ बड़ा नाम किसी फिल्म को सफल नहीं बना सकता। दर्शक अब बहुत जागरूक हो गए हैं और वे फिल्म देखने से पहले उसके ट्रेलर, कहानी और प्रस्तुति पर ध्यान देते हैं। अगर लोगों को ट्रेलर और कंटेंट पसंद आता है, तभी वे फिल्म देखने का मन बनाते हैं। उसके बाद दर्शकों की प्रतिक्रिया और 'वर्ड ऑफ माउथ' बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। लोग एक-दूसरे को बताते हैं कि कौन-सी फिल्म देखने लायक है और कौन-सी नहीं।

संक्षिप्त समाचार

म्यांमार हादसे में 55 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा मकान तबाह; राहत और बचाव कार्य जारी

यंगून, एजेंसी। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। टीएनएलए ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने का आश्वासन दिया है। वहीं, स्थानीय प्रशासन और राहत एजेंसियां नुकसान का आकलन करने में जुटी हैं, जबकि बचावकर्मी हादसे में जीवित लोगों की तलाश में अभियान चला रहे हैं।

अब क्या चाहते हैं ट्रंप? : माउंट रशमोर में जगह पाने की चाह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने शेयर की एआई से बनी तस्वीर

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर माउंट रशमोर में अपनी जगह बनाने की बहस को हवा दे दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एक एआई से तैयार की गई तस्वीर साझा की है, जिसमें उनका चेहरा अमेरिका के चार ऐतिहासिक राष्ट्रपतियों के साथ माउंट रशमोर स्मारक पर दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर में ट्रंप को जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन के साथ दिखाया गया है। खास बात यह रही कि ट्रंप ने इस तस्वीर के साथ कोई टिप्पणी या संदेश साझा नहीं किया। माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल दक्षिण डकोटा के कीस्टोन स्थित ब्लैक हिल्स क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों पर उकेरा गया एक विशाल स्मारक है। यहां अमेरिका के चार पूर्व राष्ट्रपतियों के 60 फुट ऊंचे चेहरे तराशे गए हैं। यह स्मारक अमेरिका के जन्म, क्षेत्रीय विस्तार, आर्थिक प्रगति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्थिरता का प्रतीक माना जाता है। स्मारक के मूल मूर्तिकार गुटजोन बोर्ग्लम ने इन चार राष्ट्रपतियों का चयन अमेरिका के पहले 150 वर्षों के इतिहास को दर्शाने के उद्देश्य से किया था। जॉर्ज वॉशिंगटन को अमेरिकी गणराज्य की स्थापना और स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक माना गया, जबकि थॉमस जेफरसन देश के क्षेत्रीय विस्तार का प्रतिनिधित्व करते हैं। थियोडोर रूजवेल्ट को राष्ट्रीय विकास और वैश्विक मंच पर अमेरिका के उभार के प्रतीक के रूप में शामिल किया गया था। वहीं, अब्राहम लिंकन को अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए सम्मानित किया गया।

पीएसजी के चैंपियन बनते ही सुलग उठा फ्रांस : आधी रात को रणक्षेत्र बनीं सड़कें, हिंसा बाद सैकड़ों हुड़दंगी गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग के फाइनल में आर्सेनल को हरा दिया। इस जीत के बाद पूरे फ्रांस में भारी दंगे भड़क गए। फुटबॉल फैंस और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। इस हिंसा में कुल 219 लोग घायल हो गए हैं। आंतरिक मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि आठ लोगों की हालत बहुत गंभीर है। पेरिस में दंगाइयों ने बस, ट्रेन और रेल सेवा को रोक दिया। उपद्रवियों को काबू करने में 57 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, हिंसा के आरोप में 780 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें से 450 से ज्यादा लोग अभी पुलिस की हिरासत में हैं। दंगाइयों ने पेरिस के रिंग रोड को जाम करने की कोशिश की। इसी दौरान एक सड़क हादसे में 24 साल के एक युवक की मौत हो गई। गवाहों के अनुसार वह मोटरसाइकिल से कंक्रीट के ब्लॉक से टकरा गया था। एक अन्य इलाके में हुई लड़ाई में एक किशोर भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। अकेले पेरिस से 480 लोग गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें 82 नाबालिग हैं। इन पर पुलिस पर हमला करने, संपत्ति तोड़ने, चोरी और हथियार रखने के आरोप हैं। मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिए जीत के बाद चांस-एलिजी सड़क पर हजारों फैंस जमा हो गए थे। वहां लोगों ने हुड़दंग मचाया, दुकानों के शीशे तोड़े और इलेक्ट्रिक बाइक जला दीं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत', जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या नहीं।

जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। यह मांग उस समय की गई जब रूस ने हाल ही में कीव पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया। यूक्रेन का कहना है कि मौजूदा उत्पादन क्षमता उसकी जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है और पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति बढ़ाई जानी चाहिए। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि हथियार और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों को अधिक उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि यूक्रेन और उसके सहयोगियों की जरूरतें पूरी की जा सकें। हेगसेथ ने यह भी कहा कि यूरोपीय देशों ने भी यूक्रेन की मदद के लिए काफी संसाधन उपलब्ध कराए हैं और अमेरिका इस सहयोग का स्वागत करता है। आईएसडब्ल्यू ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के पास वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए सीमित समय है। संस्था का मानना है कि रूस इस समय युद्धक्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है और यदि पश्चिमी देश अपनी सहायता बढ़ाते हैं तो यूक्रेन को महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस पर बढ़ता सैन्य और आर्थिक दबाव पुतिन को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। कूटनीतिक मोर्चे पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने स्वीकार किया कि फिलहाल शांति वार्ता की प्रक्रिया धीमी पड़ गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि यदि बातचीत के लिए कोई नया अवसर पैदा होता है तो अमेरिका फिर से सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार रहेगा। जेलेंस्की ने विश्वास जताया कि रूस अंततः किसी न किसी समझौते के लिए तैयार हो सकता है। उन्होंने कहा कि अतीत में अमेरिका की भागीदारी के साथ हुई बातचीत भविष्य की वार्ताओं का आधार बन सकती है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अमेरिकी अधिकारियों मार्को रुबियो, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर को कीव आने का निमंत्रण भी दिया है। उनका कहना है कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को यूक्रेन आकर खुद हालात देखने चाहिए ताकि वे युद्ध की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकें। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि इस तरह की यात्रा पर चर्चा हुई है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जेलेंस्की का मानना है कि शांति वार्ता में केवल अमेरिका या केवल यूरोप की भूमिका पर्याप्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सबसे प्रभावी बातचीत वही होगी जिसमें यूक्रेन, रूस, अमेरिका और यूरोपीय देश सभी शामिल हों। उनके अनुसार, यही ऐसा मंच होगा जो स्थायी शांति का रास्ता तैयार कर सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि यदि पुतिन बातचीत के लिए तैयार हों तो वह उनसे सीधे मिलने के लिए भी तैयार हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि इसके लिए रूस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बढ़ाना जरूरी है। जेलेंस्की के मुताबिक अतिरिक्त प्रतिबंध और अंतरराष्ट्रीय दबाव रूस को बातचीत के लिए मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि रूसी सेना को हर महीने लगभग 35 हजार सैनिकों के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, जिससे देश के भीतर भी दबाव बढ़ रहा है। रूस पर 2022 से कई अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं, लेकिन ऊंची वैश्विक तेल कीमतों और कुछ विशेष परिस्थितियों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह झटका नहीं लगा। इसके बावजूद जेलेंस्की को उम्मीद है कि अमेरिका भविष्य में और सख्त आर्थिक कदम उठाएगा। सैन्य तकनीक के क्षेत्र में भी यूक्रेन नए समझौतों की तैयारी कर रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि उनके देश ने कुछ मध्य-पूर्वी और यूरोपीय देशों के साथ ड्रोन संबंधी समझौते किए हैं।

होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन: अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है।

अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने-जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि कार्रवाई तब हो रही है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं।

ट्रंप ने पलटी बाजी, शर्तें कीं और कड़ी : कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं।

ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु

कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है।

ईरान का दो टूक जवाब-हम नहीं झुकेंगे : ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

ईरान समझौते के मसौदे में ट्रंप ने मांगे बड़े बदलाव, परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर सख्त शर्तें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते के मसौदे को वापस भेजकर उसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव करने को कहा है। इससे दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत लंबी खिंच सकती है और समझौते को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ हुई बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर और अधिक सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है। साथ ही उन्होंने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने को भी समझौते का अहम हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ईरान को दिए जाने वाले आर्थिक राहत पैकेज को लेकर भी सतर्क हैं। उन्हें आशंका है कि अगर ईरान को ज्यादा वित्तीय रियायतें दी गईं तो इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर के परमाणु समझौते से की जा सकती है, जिसकी ट्रंप पहले भी आलोचना कर चुके हैं। कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दोनों देशों के बीच तनाव जल्द खत्म हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिए थे कि एक ऐसा समझौता तैयार किया जा रहा है जिससे संघर्ष रुकेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुलेगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत का रास्ता बनेगा। हालांकि शुक्रवार को हुई करीब दो घंटे की बैठक के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अपने कब्जे में लेकर नष्ट करना चाहता है। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि मौजूदा वार्ता में उसके परमाणु कार्यक्रम के तकनीकी विवरण पर चर्चा नहीं हो रही है। वित्तीय मुद्दों पर भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। ट्रंप का कहना है कि समझौते में धन के आदान-प्रदान पर कोई चर्चा नहीं हुई, जबकि ईरान का मानना है कि किसी भी समझौते में आर्थिक प्रावधान शामिल होना जरूरी है। इस बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कालिबाफ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक ईरान के अधिकार और हित सुरक्षित नहीं किए जाते, तब तक अमेरिका के साथ किसी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव, अमेरिका ने ईरान पर किए हवाई हमले; हिजबुल्ला पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान पर मिसाइलें दागी हैं। वहीं ईरान में राष्ट्रपति पेजेश्कियन के इस्तीफे को लेकर विवाद हो रहा है। ईरान के सरकारी चैनल पर जारी बयान में इस्तीफे का खंडन किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक तेहरान में हुए बवाल में कई लोग घायल हुए हैं। आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि हिजबुल्ला, इस्राइल के साथ युद्धविराम की कोशिशों को कमजोर कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि यह समूह हमले रोकने से इनकार कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल ही में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। यह बातचीत इस्राइल और लेबनान के बीच चल रहे कूटनीतिक प्रयासों का हिस्सा थी। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, 'इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका ने एक साफ योजना दी। जिसके तहत पहले हिजबुल्ला को इस्राइल पर सभी हमले रोकने होंगे। इसके बदले में इस्राइल भी बेरूत में किसी तरह की और सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। इससे धीरे-धीरे तनाव कम करने और लड़ाई खत्म करने का रास्ता बनेगा।'

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति जोसेफ आउन इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाना चाहते थे और सभी पक्षों के बीच सहमति बनवाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन यह कोशिश लेबनान के संसद अध्यक्ष नबीह बेरी के जवाब के बाद रुक गई। नबीह हिजबुल्ला के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। अधिकारी के अनुसार, बेरी ने कहा कि वे हिजबुल्ला की तरफ से सीजफायर का भरोसा दिला सकते हैं, लेकिन उन्होंने शर्त रखी कि पहले इस्राइल को सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी।

अमेरिका ने इस संघर्ष के लिए ईरान को भी जिम्मेदार ठहराया है। अधिकारी ने कहा, 'ईरान हिजबुल्ला को निर्देश दे रहा है। उसे लेबनान के लोगों की भलाई में कोई रुचि नहीं है। ईरान चाहता है कि यह संघर्ष लंबा चले ताकि वह बाद में स्थिति संभालने का श्रेय ले सके।'

ईरान का भी अमेरिका पर पलटवार का दावा : ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने बताया है कि अमेरिकी हमले के जवाब में उन्होंने भी अमेरिका के उन एयरबेस को निशाना बनाया है, जहां से ईरान पर हवाई हमले किए गए। हालांकि आईआरजीसी ने इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं दी।

कुवैत का दावा- उन पर हुए हवाई हमले : कुवैत ने दावा किया है कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने देश की ओर बढ़ रहे ड्रोन और मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। इन हमलों के दौरान कुवैत के कई इलाकों में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं, जिन्हें कुवैती सेना ने इंटरसेप्शन ऑपरेशन का हिस्सा बताया। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान पर अमेरिका ने किए हवाई हमले अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के रडार और ड्रोन कमांड ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। यह कार्रवाई तेहरान द्वारा अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद की गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, हमले ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में किए गए। हमलों में ईरान के ड्रोन नियंत्रण और रडार प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने ईरान के शहरों गोरुक और केशम में हमले किए हैं।

शादी के बाद हेलिकॉप्टर में भरी उड़ान, भारतीय मूल के युवक समेत पायलट की मौत; पत्नी बची

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुए एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में भारतीय मूल के एक युवक और पायलट की मौत हो गई। यह हादसा युवक की शादी के कुछ घंटों बाद ही हुआ। हेलिकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहिता पत्नी घायल हो गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी सामने आई है।

डेल्टा एयर लाइंस में पायलट और अटलांटा निवासी 25 वर्षीय डेव फिजी बीते शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविल के पास एक पांच सीटों वाले रॉबिन्सन हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए। उनकी पत्नी जेस्नी घायल हो गई और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

केरल से एर्नाकुलम से जाकर अमेरिका में बसा था परिवार : परिवार के अनुसार, डेव और जेस्नी ने उसी दिन डॉसनविल के पास स्थित द रिवेरे नाम के कार्यक्रम स्थल पर शादी की थी। समारोह में सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, डेव के माता-पिता जॉर्ज और फेबा फिजी कई वर्ष पहले केरल के एर्नाकुलम जिले से अमेरिका आकर बस गए थे। जेस्नी का परिवार भी केरल के अलप्पुझा जिले से जुड़ा हुआ है।

बेटे की मौत के बाद पिता जॉर्ज फिजी ने कहा, 'वह हमारे लिए बेहद अनमोल बच्चा था, वह भगवान का दिया हुआ उपहार था।' उन्होंने कहा, 'हम कह सकते हैं कि यह एक आदर्श शादी थी। हम इससे अधिक कुछ नहीं मांग सकते थे।' हालांकि, इसके बाद परिस्थितियां अचानक बदल गईं।

पिता ने बताया कैसे हुआ हादसा : पिता ने बताया कि नवविवाहित जोड़े को हेलिकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल से निकलकर पीचट्री-डीकाल्ब एयरपोर्ट जाना था। हालांकि, समारोह के अंत तक मौसम खराब हो गया था। जॉर्ज फिजी के अनुसार, रात करीब 9:30 बजे समारोह समाप्त हुआ। इसके बाद कोहरे और बारिश की वजह से दृश्यता काफी कम हो गई थी। अनुभवी कमर्शियल पायलट डेव ऐसे मौसम में उड़ान को लेकर सहज नहीं थे। उनके पिता ने बताया, 'उसने कहा था कि मैं ऐसी दृश्यता में उड़ान नहीं भरूंगा।'

इसके बावजूद हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी। बताया गया कि पायलट ने अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने का फैसला किया था। बाद में हेलीकॉप्टर डॉसनविल के दक्षिण-पश्चिम में घने जंगल और पहाड़ी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पत्नी को मलबे से निकालने में लग गए पांच घंटे : जॉर्ज फिजी ने बताया कि जेस्नी मलबे और गिरे हुए पेड़ों के नीचे करीब पांच घंटे तक फंसी रहीं, जिसके बाद बचाव दल उन्हें निकाल सका। उन्होंने कहा, 'उसने बताया कि जब उसे होश आया तो वह मलबे के नीचे थी।' उन्होंने आगे कहा, 'उसने देखा कि डेव उसकी छाती पर पड़े हुए थे। वह खुद नर्स है। जब उसने उन्हें छुआ और आवाज लगाई तो पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।' जेस्नी को कई जगह चोटें लगी हैं। हालांकि, डेव की मौत से वह गहरे सदमे में हैं। डॉसन काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, शुक्रवार देर रात एक संभावित हेलिकॉप्टर दुर्घटना की सूचना मिली थी। बाद में संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने पुष्टि की कि रात करीब 10:30 बजे डॉसनविल के पास एक रॉबिन्सन आर66 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें तीन लोग सवार थे।

लेबनान पर हमले रोके इस्राइल', ब्रिटेन ने हिजबुल्ला से भी की हथियार छोड़ने की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने हिज्बुल्ला से पूर्ण रूप से हथियार छोड़ने और इस्राइल के खिलाफ हमले बंद करने का भी आग्रह किया है। यवेट कूपर ने एक्स पर जारी एक संदेश में पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा, 'इस्राइल की लेबनान में सैन्य बढ़ोतरी से नागरिकों की मौत हुई है, लोग विस्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचा तबाह हुआ है और कूटनीति के लिए जगह कम हुई है। इसे समाप्त होना चाहिए।

युद्धविराम का होना चाहिए सम्मान : यवेट कूपर : उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए और ईमानदारी से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। इस बीच अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत ने भी लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे क्रूर आक्रामकता बताया और संघर्ष तत्काल रोकने की मांग की। अहमद अबुल गैत ने कहा कि इस्राइली बल लेबनानी क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। दक्षिणी गांवों और ऐतिहासिक स्थलों को नुकसान पहुंचाया गया है। इसके साथ ही नागरिकों को निशाना बनाए जाने से बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है। उनके अनुसार यह लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। अबुल गैत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हस्तक्षेप कर इस्राइल की सैन्य कार्रवाई रुकवाने और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह लागू कराने की मांग की।

लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान से बढ़ी चिंता जर्मनी ने भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान के विस्तार पर चिंता जताई है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि 'दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की आगे बढ़त गंभीर चिंता का विषय है।' उन्होंने कहा कि किसी भी अतिरिक्त सैन्य बढ़ोतरी से पहले से तनावपूर्ण हालात और बिगड़ेंगे। इससे नए सिरे से विस्थापन की स्थिति पैदा होगी। ब्रिटेन के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने भी कहा कि लेबनान में लगातार बढ़ता संघर्ष कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर रहा है और नागरिकों पर अस्वीकार्य प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने कहा, 'हिजबुल्ला को इस्राइल पर हमले बंद करने चाहिए और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। सभी पक्षों को युद्धविराम का पालन करना चाहिए और अमेरिका की अगुवाई वाली वार्ता जारी रखनी चाहिए। कतर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर इस्राइल पर दबाव बनाने और अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। इसी बीच कतर के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज बिन सालेह अल-खुलैफी और लेबनान के उपप्रधानमंत्री तारिक मित्री के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग और लेबनान की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की।

पीएम बालेन शाह के भारतीय जमीन पर कब्जे वाले बयान पर बढ़ा विवाद, नेपाल के विदेश मंत्रालय को देनी पड़ी सफाई

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान पर उठे विवाद के बाद अब नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री के 'नेपाल द्वारा भारतीय जमीन पर अतिक्रमण' वाले बयान का मतलब सरकारी कब्जा नहीं, बल्कि सीमा के पास दोनों देशों के लोगों द्वारा जमीन के इस्तेमाल और नो-मैन्स लैंड से जुड़े मुद्दे थे। इस बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक और कूटनीतिक बहस और तेज हो गई है।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने संसद में कहा था कि उन्हें जानकारी मिली है कि सिर्फ भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया, बल्कि नेपाल की तरफ से भी कई जगह भारतीय जमीन का इस्तेमाल हुआ है। उनके इस बयान पर नेपाल में भारी विवाद शुरू हो गया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी 'दसगजा' यानी नो-मैन्स लैंड और सीमा पार कब्जे से जुड़े मामलों को लेकर थी। मंत्रालय ने कहा कि इसे किसी सरकारी कब्जे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई में क्या कहा : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल की मौजूदा सीमा 1816 की सुगौली संधि पर आधारित है। मंत्रालय ने कहा कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा, कालापानी और सुस्ता जैसे कुछ क्षेत्र अब भी पूरी तरह सीमांकित नहीं हुए हैं। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों देश इन मुद्दों को बातचीत और कूटनीतिक माध्यम से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कई सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों के लोगों द्वारा एक-दूसरे की जमीन का इस्तेमाल किया जाता रहा है।

दसगजा और सीमा पार कब्जे का क्या मतलब है : नेपाल सरकार ने कहा कि

'दसगजा' उन नो-मैन्स लैंड क्षेत्रों को कहा जाता है जो सीमा स्तंभों के बीच खाली छोड़े जाते हैं। कई जगह सीमा स्तंभ टूट गए या गायब हो गए हैं, जिसके कारण जमीन को लेकर भ्रम की स्थिति बनती रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मामलों में भारतीय सीमा के लोग नेपाली जमीन का इस्तेमाल करते हैं और कुछ मामलों में नेपाली लोग भारतीय जमीन का उपयोग करते हैं। प्रधानमंत्री का बयान इसी तरह के मामलों से जुड़ा था।

भारत-नेपाल के बीच विवाद किन इलाकों को लेकर है : भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। भारत का कहना है कि ये इलाके उत्तराखंड का हिस्सा हैं। वहीं नेपाल इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता है। हाल ही में कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर भी दोनों देशों के बीच बयानबाजी हुई थी। भारत ने नेपाल के दावों को 'एकतरफा कृत्रिम विस्तार' बताया था और कहा था कि ऐसे दावे स्वीकार नहीं किए जा सकते।

क्या दोनों देश बातचीत से समाधान चाहते हैं : नेपाल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों की तकनीकी टीमें लंबे समय से सीमा स्तंभों की मरम्मत, सीमा निर्धारण और जमीन के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों पर काम कर रही हैं। मंत्रालय ने कहा कि भारत और नेपाल ऐतिहासिक दस्तावेजों, नक्शों और समझौतों के आधार पर विवाद सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नेपाल ने साफ किया कि वह सीमा विवाद का समाधान शांति, संवाद और कूटनीतिक रास्ते से चाहता है।

नेपाल में बयान पर इतना विवाद क्यों हुआ : प्रधानमंत्री बालेन शाह के बयान के बाद नेपाल में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। कई लोगों ने सवाल उठाया कि क्या नेपाल ने आधिकारिक तौर पर कभी भारतीय जमीन पर कब्जा स्वीकार किया है। मीडिया और विपक्षी दलों ने भी इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा। इसी दबाव के बाद विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर पूरे मामले को स्पष्ट करने की कोशिश की।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.